दिल्ली : 2023 में वायु प्रदूषण की वजह से हुई 15 प्रतिशत मौतें
- 12

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता जारी रखे भारत
- 12

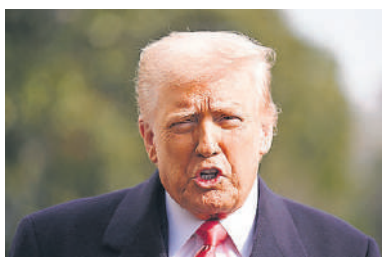

अमेरिका का परमाणु परीक्षण शुरू करना मानवता के लिए खतरनाक
- 13

दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को चार विकेट से हराया
- 14

आज का मौसम

30.0° अधिकतम तापमान

17.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.24

सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष दशमी 09:12 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 1 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 342, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

पटेल पूरे कश्मीर को भारत में मिलाना चाहते थे, नेहरू ने अनुमति नहीं दी : मोदी

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बोले प्रधानमंत्री

- कहा- घुसपैठिए भारत की एकता और जनसांख्यिकीय संतुलन के लिए खतरा
- गुजरात के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास राष्ट्रीय एकता दिवस परेड आयोजित

एकता नगर (गुजरात), एजेंसी

गुजरात के नर्मदा जिले में पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते प्रधानमंत्री मोदी।

कांग्रेस की कमजोर नीतियों से प्रायोजित आतंकवाद पनपा

कांग्रेस की कमजोर नीतियों के कारण कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के अवैध कब्जे में चला गया, जिसने फिर राज्य प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा दिया। कश्मीर और देश ने भारी कीमत चुकाई, फिर भी कांग्रेस हमेशा आतंकवाद के आगे झुकी। वह सरदार पटेल के दृष्टिकोण को भूल गई, लेकिन हम नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 की बेड़ियां तोड़कर कश्मीर पूरी तरह से मुख्यधारा में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा, आज पाकिस्तान और आतंकवादी भी जानते हैं कि भारत की असली ताकत क्या है।

दुनिया ने देखा भारत घुसकर मारता है

ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत पर बुरी नजर डालेगा तो हम उसके घर में घुसकर उसे खत्म कर देंगे। यह सरदार पटेल का भारत है। पिछले 11 वर्षों में नक्सलवाद के खिलाफ सरकार की कार्रवाई पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक यह समस्या देश से जड़ से समाप्त नहीं हो जाती। मोदी ने कहा, 2014 से पहले देश के लगभग 125 जिले माओवाद के आतंक से प्रभावित थे। आज यह 11 जिलों तक सीमित है। उनमें भी केवल तीन जिलों में ही नक्सलवाद कायम है। अवैध प्रवासी भारत की एकता और आंतरिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ये अवैध प्रवासी हमारे संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं और जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ रहे हैं जिससे देश की एकता खतरे में पड़ रही है।

देश औपनिवेशिक मानसिकता के निशान को मिटा रहा

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि पार्टी को भारत पर राज करने वाले अंग्रेजों से 'गुलामी की मानसिकता' विरासत में मिली है। आज देश औपनिवेशिक मानसिकता के हर निशान को मिटा रहा है। मोदी ने पूछा, राजनीतिक अस्पृश्यता को देश में एक संस्कृति बना दिया गया था। हम सभी जानते हैं कि कांग्रेस सरकारों के शासनकाल में सरदार पटेल और उनकी विरासत का क्या हश्र हुआ। इन लोगों ने बाबासाहेब आंबेडकर के साथ उनके जीवनकाल में और उनकी मृत्यु के बाद भी क्या किया? उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. लोहिया और जयप्रकाश नारायण के साथ क्या किया? आरएसएस पर भी हमले और षड्यंत्र किए गए। कांग्रेस पर धार्मिक आधार पर 'वंदे मातरम' के कुछ हिस्से को हटाने का आरोप लगाया और इसे समाज को विभाजित करने वाला बताया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर को भी भारत में मिलाना चाहते थे, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा नहीं होने दिया। गुजरात के एकता नगर में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि घुसपैठ की घटनाएं भारत के जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ रही थीं जिसके खिलाफ निर्णायक लड़ाई का फैसला किया गया है।

उन्होंने कहा, सरदार पटेल का मानना था कि इतिहास लिखने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए बल्कि इतिहास बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। आजादी के बाद सरदार पटेल ने 550 से अधिक रियासतों का भारत संघ में विलय कराने का असंभव सा लगने वाला कार्य पूरा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जो नीतियां बनाईं, जो निर्णय लिए, उन्होंने नया इतिहास रच दिया। एक भारत, श्रेष्ठ भारत का विचार उनके लिए सर्वोपरि था। कांग्रेस पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि कश्मीर और देश को इस मुद्दे से निपटने में पार्टी की गलतियों की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा, सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर का एकीकरण करना चाहते थे। लेकिन नेहरू जी ने उनकी इच्छा पूरी नहीं होने दी। कश्मीर का विभाजन हुआ, उसे अलग संविधान और अलग झंडा दिया गया और कांग्रेस की इस गलती का खामियाजा देश को दशकों तक भुगतना पड़ा। मोदी ने कहा कि सरदार पटेल के लिए देश की संप्रभुता सर्वोपरि थी लेकिन उनकी मृत्यु के बाद, सरकारों ने देश की संप्रभुता के संबंध में उतनी गंभीरता नहीं दिखाई।

रन फॉर यूनिटी के शुभारंभ अवसर पर बोले मुख्यमंत्री

जातिवाद, परिवारवाद या छुआछूत पर समाज बांटने वालों का हो विरोध

- कहा- सरदार पटेल से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की एकता को कमजोर करने वालों को सिखाएं सबक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में आयोजित रन फॉर यूनिटी के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान झंडी दिखाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जातिवाद, परिवारवाद या छुआछूत के आधार पर समाज को बांटने वालों का विरोध किए जाने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, हमें उन सभी कुत्सित प्रयासों का विरोध करना चाहिए जो जिनका आधार वाद या छुआछूत है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय एकता दिवस का यही संदेश है कि हम सब मिलकर भारत की अखंडता को सशक्त बनाएं और सामाजिक एकता को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें हर उस शक्ति का विरोध करना चाहिए जो राष्ट्र की एकता को कमजोर करने का प्रयास करती है।

योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित रन फॉर यूनिटी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की अखंडता और एकता के लिए जिन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उन लौह पुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश से एक सांस्कृतिक दल और हस्तशिल्पियों का प्रतिनिधिमंडल केवड़िया जाएगा। राज्यपाल के नेतृत्व में 12 नवंबर को केवड़िया में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी अभियान को मजबूती देने के साथ उत्तर प्रदेश के कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने का यह अवसर भी है।

75 जिलों में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में आज रन फॉर यूनिटी के कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें लाखों युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, प्रशासनिक अधिकारियों और नागरिकों ने भाग लेकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल एवं विधायक मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

ईडी के कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

चेन्नई। चेन्नई के शास्त्री भवन स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय में बम रखे जाने के दावे वाला एक ई-मेल पुलिस महानिदेशक कार्यालय को मिला। बम की यह धमकी जांच में झूठी साबित हुई।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) की एक टीम खोजी कुत्ते के साथ तुरंत यहां नुंगमबक्कम स्थित ईडी के दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय पहुंची तथा परिसर की गहन तलाशी ली गई। जांच में बम की धमकी झूठी साबित हुई। तमिलनाडु में ईडी कई बड़े प्रतिष्ठित मामलों की जांच कर रहा है तथा हाल ही में इसने नगर प्रशासन और जल आपूर्ति विभाग के भर्ती अभियान में कथित तौर पर नौकरी के लिए नकदी घोटाले का खुलासा किया है।

छात्र ने 18वीं मंजिल से छलांग लगाई, मौत

गुरुग्राम। गुरुग्राम में 18 वर्षीय एक लड़के ने शुक्रवार तड़के एक आवासीय सोसायटी एवं अपार्टमेंट परिसर की 18वीं मंजिल से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि किशोर के परिवार ने संदेह जताया है कि आत्महत्या का कारण उसकी पढ़ाई या रीढ़ की हड्डी की पुरानी बीमारी हो सकती है।

भारत-अमेरिका के बीच हुआ 10 साल का अहम रक्षा सौदा

नई दिल्ली, एजेंसी

- रक्षामंत्री राजनाथ और हेगसेथ ने कुआलालंपुर में 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' समझौते पर किए हस्ताक्षर

भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को 10 वर्ष के एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक सामंजस्य का संकेत बताया, जबकि वाशिंगटन ने एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ ने कुआलालंपुर में व्यापक वार्ता के बाद 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें सभी स्तंभों में रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह समझौता ऐसे समय पर हुआ है जब अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लगाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। हेगसेथ के साथ अपनी वार्ता को सार्थक बताते हुए सिंह ने कहा कि यह समझौता हमारी पहले से ही मजबूत रक्षा साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत करेगा।

सिंह ने सोशल मीडिया पर कहा, यह रक्षा ढांचा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के संपूर्ण आयाम को नीतिगत दिशा प्रदान करेगा। यह हमारे बढ़ते रणनीतिक तालमेल का संकेत है और साझेदारी के एक नए दशक का सूत्रपात करेगा। उन्होंने कहा, रक्षा क्षेत्र हमारे द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बना रहेगा।

मलेशिया में रक्षा सौदे पर हस्ताक्षर के बाद हाथ मिलाते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पीट हेगसेथ।

भारत अमेरिका के लिए एक प्राथमिकता वाला देश

रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा, हेगसेथ ने दोहराया कि रक्षा सहयोग में भारत अमेरिका के लिए एक प्राथमिकता वाला देश है और वे स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें कहा गया है कि 2025 की रूपरेखा अगले 10 वर्षों में साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के लिए एक नया अध्याय है।

1,466 पुलिस कर्मियों को केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक

नई दिल्ली। पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के 40 कर्मियों सहित देशभर के 1,466 पुलिस कर्मियों को वर्ष 2025 के लिए केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक से सम्मानित किया जाएगा।

महानिरीक्षक (कश्मीर रेंज) वीके बिरदी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (श्रीनगर) जीवी संदीप चक्रवर्ती जम्मू-कश्मीर के उन 19 अधिकारियों में शामिल हैं जिन्हें 'ऑपरेशन महादेव' के लिए पदक से सम्मानित किया जाएगा, जिसमें दुस्साहसिक पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को मार गिराया गया था। सुलेमान उर्फ आसिफ को सुरक्षा बलों द्वारा एक अचानक की गयी कार्रवाई के दौरान मार गिराया गया। इस अभियान का कूट नाम ऑपरेशन महादेव था। सुलेमान 22 अप्रैल के हमले का मुख्य षड्यंत्रकर्ता माना जाता है।

कालिंदी महोत्सव

देवोत्थान एकादशी की पूर्व संध्या पर कुंभ नगरी प्रयागराज में कालिंदी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने यमुना नदी के किनारे मौज गिरी घाट पर दीपक जलाए। ● एजेंसी

राजग के घोषणापत्र में 1 करोड़ नौकरी का वादा

- युवाओं व महिलाओं को लेकर बड़े वादे किए

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को अपना घोषणापत्र जारी करते हुए युवाओं और महिलाओं को लेकर बड़े वादे किए।

राजग ने दावा किया कि इस राज्य में उसके सत्ता में आने पर हर युवा के सुनहरे भविष्य की गारंटी दी जाएगी, जबकि महिलाओं को समृद्धि और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर आगे बढ़ाया जाएगा। घोषणापत्र में कहा गया है कि राजग एक करोड़ से अधिक सरकारी नौकरियां और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा। इसके लिए राज्य में कौशल जनगणना कराई जाएगी और कौशल आधारित रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही, हर जिले में विशाल कौशल केंद्र स्थापित कर बिहार को वैश्विक कौशल केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। महिलाओं के लिए राजग ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की घोषणा की है, जिसके तहत महिलाओं को दो लाख रुपए तक की सहायता राशि दी जाएगी। यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और राज्य की अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी बढ़ाने में मदद करेगी।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान अजहरुद्दीन तेलंगाना में बने मंत्री

हैदराबाद। कांग्रेस नेता एवं पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शुक्रवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली।

राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मुख्यमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण नेताओं की उपस्थिति में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है। मैं आलाकमान का, अपने समर्थकों का, शुक्रिया अदा करता हूं। अजहरुद्दीन के शामिल होने से मंत्रिमंडल में कुल सदस्यों की संख्या 16 हो गई है, जबकि दो और जगह खाली हैं।

सात साल की बच्ची से दुष्कर्म, 5 वर्षीया की हत्या में दोषी को फांसी की सजा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अनिल उर्फ चमेली

- अदालत ने कहा-दोषी का यह अपराध दुर्लभतम में दुर्लभ श्रेणी का

अमृत विचार : घर के पास स्कूल में लगे नल पर नहाने गई सात साल की बच्ची से दुष्कर्म और उसकी तहेरी बहन की हत्या के मामले में पॉक्सो कोर्ट शाहजहांपुर ने दोषी अनिल उर्फ चमेली को मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

इस दौरान जज मनोज कुमार सिद्धू ने टिप्पणी करते हुए कहा आरोपी का अपराध अत्यंत क्रूर, सुनियोजित और नृशंस है, जो मानवता को झकझोर देने वाला और समाज के विश्वास को तोड़ने वाला है। अदालत ने कहा दोषी का यह अपराध दुर्लभतम में दुर्लभ श्रेणी का है, इसलिए इसे मृत्युदंड दिया जाता है। थाना कांट क्षेत्र में 22 फरवरी 2021 की दोपहर दोनों बहनें घर के पास स्कूल के नल पर नहाने गई थीं। देर शाम तक घर नहीं लौटीं तो खोजबीन शुरू की।

रात में खोज के दौरान संदीप कपूर के सरसों के खेत में पांच वर्षीया बच्ची का शव खून से लथपथ मिला, थोड़ी दूरी पर गन्ने के खेत में 7 वर्षीया बच्ची गंभीर अवस्था में बेहोश मिली। पुलिस जांच में सामने आया कि सदर कोतवाली थाना क्षेत्र में जिला अस्पताल के पीछे स्थित कंजरों वाली बस्ती में रहने वाले अनिल नामक व्यक्ति ने दोनों को शहद और बिस्कुट का लालच देकर खेत में बुलाया था, जहां उसने वारदात को अंजाम दिया। 84 पृष्ठों के निर्णय में जज ने कहा आरोपी ने बच्चियों के साथ विश्वास का संबंध बनाकर उसी का दुरुपयोग किया। यह अपराध केवल दो बच्चियों के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरे समाज की मासूमियत के खिलाफ है। कोर्ट ने अनिल पर पचास हजार का अर्थदंड भी लगाया है, जिसमें से आधी राशि पीड़िता बच्ची के पुनर्वास के लिए और शेष राशि मृतक बच्ची के पिता को क्षतिपूर्ति स्वरूप दी जाएगी।

आवारा कुत्तों का मामला

डिजिटल माध्यम से पेश होने की अनुमति देने के अनुरोध को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

राज्यों से शीर्ष कोर्ट नाराज, कहा- हमारे आदेश का सम्मान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को आवारा कुत्तों के मामले में तीन नवंबर को अदालत के समक्ष डिजिटल माध्यम से पेश होने की अनुमति देने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और कहा कि अदालत के आदेशों का कोई सम्मान नहीं है।

शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को उसके समक्ष उपस्थित होकर यह बताने का निर्देश दिया था कि अदालत के 22 अगस्त के आदेश के बावजूद अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने 22 अगस्त के पीठ के आदेश का पालन नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि 27 अक्टूबर तक पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को छोड़कर किसी भी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ने अनुपालन हलफनामा दाखिल नहीं किया था। न्यायालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों के बारे में पूछा था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मामले का उल्लेख करते हुए पीठ से अनुरोध किया था कि मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को अदालत के समक्ष डिजिटल माध्यम से पेश होने की अनुमति दी जाए। मेहता ने कहा, यह कुत्तों से खतरे का मामला है।

राज्यों को बताना होगा अनुपालन हलफनामे क्यों नहीं दाखिल किए

पीठ ने स्पष्ट किया कि मुख्य सचिवों को अदालत में उपस्थित होकर यह बताना होगा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अनुपालन हलफनामे क्यों नहीं दाखिल किए। मेहता ने कहा कि मामले में अनुपालन हलफनामे दाखिल किए गए थे। पीठ ने कहा कि जब 27 अक्टूबर को मामले की सुनवाई हुई थी तब केवल पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और एमसीडी ने ही अनुपालन हलफनामे दाखिल किए थे। पीठ ने कहा, उन्हें (मुख्य सचिवों को) आने दीजिए। शीर्ष अदालत ने 27 अक्टूबर को आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई करते हुए सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को अदालत के समक्ष उपस्थित होकर यह बताने का निर्देश दिया था कि अदालत के 22 अगस्त के आदेश के बावजूद अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार,1 नवंबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

बाइक से गिरकर महिला की मौत

बीसलपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम पहाडगंज निवासी वारिस अली की पत्नी अकीला बेगम गांव से बीसलपुर स्थित अस्पताल में भर्ती मरीज को देखने आ रही थी। मार्ग पर सवारी की तलाश में खड़ी थी। इसी दौरान गांव का पप्पू अपनी बाइक से बीसलपुर आ रहा था। उसी के साथ बाइक पर बैठ गई। ग्राम मानपुर के पास पहुंचते ही गड्ढे में पहिया जाने पर झटका लगने से महिला बाइक से गिर गई। उन्हें सीएचसी लाया गया, वहां मृत घोषित कर दिया।

ट्रैक्टर से कुचलकर युवक की मौत

बरखेड़ा, अमृत विचार : मिनी ट्रैक्टर ट्रॉली से कुचलकर साइकिल सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताते हैं कि बरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम रंपुरा नत्थू के रहने वाले 18 वर्षीय करन पुत्र रामभजन शुक्रवार देर शाम साइकिल पर सवार होकर डीजल लाने जा रहे थे। गांव का ही मुकेश पुत्र रामऔतार साइकिल चला रहा था। भोपतपुर तिराहा के पास पहुंचते ही गन्ना लदी मिनी ट्रैक्टर ट्रॉली ने साइकिल को टक्कर मार दी। जिसमें ट्रैक्टर ट्रॉली से कुचलकर करन की मौत हो गई। जबकि दूसरा साथी मामूली रुप से घायल हुआ। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्रॉली कब्जे में ले ली है।

युवती से छेड़छाड़ रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 18 वर्षीय पुत्री गांव में किराए पर रह रही है। 28 अक्टूबर को शाम 4 :30 बजे वह और उसकी पुत्री रास्ते में आ रही थी। तभी भूड़ गौटिया के पास गांव के ही श्याम बिहारी,जितेंद्र व दो अज्ञात लोगों ने पकड़ लिया। आरोपियों और छेड़छाड़ की शोर शराबा होने पर आरोपियों ने उसे और उसकी पिटाई कर दी। उसकी पुत्री को गन्ने के खेत में खींचकर ले जाने लगे। लोगों के एकत्र हो जाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

साइबर अपराध से बचने के तरीके बताए

बिलसंडा, अमृत विचार : कस्बे के डिग्री कॉलेज में शुक्रवार को थाना पुलिस की साइबर हेल्प डेस्क टीम और जनपदीय साइबर क्राइम टीम की ओर से संयुक्त रुप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें साइबर अपराध से बचने के तरीके बताए गए। ऑनलाइन ठगी से बचाव कैसे करना है, इसे लेकर भी विस्तार से जानकारी दी गई। साइबर फ्रॉड फिशिंग कॉल, फेक लिंक, ऑनलाइन शॉपिंग फ्रॉड, ओटीपी फ्रॉड आदि से सतर्क रहने की जानकारी दी। साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और वेबसाइट का प्रचार किया गया। किसी तरह की ऑनलाइन गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस या साइबर हेल्पलाइन पर देने की अपील की गई।

गूंजा लौह पुरुष पटेल का जयघोष, एकता दौड़ में उमड़ा जनसैलाब

गांधी स्टेडियम से निकली रन फॉर यूनिटी और पदयात्रा में युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

- राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने दिखाई हरी झंडी, पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती शुक्रवार को जिलेभर में उत्साह के साथ मनाई गई। रन फॉर यूनिटी में बड़ी संख्या में अफसर जनप्रतिनिधियों के साथ ही युवा शामिल हुए और एकता का संदेश दिया।

शहर के गांधी स्टेडियम से सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिट एकता दौड़ की शुरुआत की गई। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके शुरुआत कराई। पूर्व सासंद जुगल किशोर ने एकता की शपथ दिलाई।

एकता दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। गांधी स्टेडियम से शुरू होकर ये सुनगढ़ी तिराहा, छतरी चौराहा, अशोक कॉलोनी होते हुए पुनः स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। देशभक्ति गीतों की धुन पर झूमते करीब 1200 प्रतिभागियों ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के नारे लगाए। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, नगर पालिका अध्यक्ष डा. आस्था अग्रवाल, ब्लॉक प्रमुख ललौरीखेड़ा अजय गंगवार, सीडीओ राजेन्द्र कुमार श्रीवास, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, डीआईओएस राजीव कुमार, बीएसए अमित कुमार ने भी विचार व्यक्त किए।

पुलिस विभाग की ओर से भी रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ की शुरुआत कराई। सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने विचार रखे। ललौरीखेड़ा स्थित 49वीं वाहिनी एसएसबी की ओर से बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के तहत वॉकथॉन निकाली। जन शिक्षण संस्थान की ओर से विकासखंड मरौरी के ग्राम सिमरिया अनूप में सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती मनाई गई।

इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी संदीप मिश्र ने राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। रामलुभाई साहनी राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्राएं भी रन फॉर यूनिटी में शामिल हुई। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. सचिन गिहार, डॉ. अम्बा प्रसाद, डॉ. बर्खा, डॉ. फैसल रहमान, मनोज कुमार, अजीत कुमार, जितेन्द्र कुमार राणा आदि मौजूद रहे।

गांधी स्टेडियम में कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद। ● अमृत विचार

पटेल जयंती पर मरीजों को बांटे फल

पटेल जयंती पर गुरुवार को स्वशासी राज्य चिकित्सा कॉलेज में चित्र पर माल्यार्पण और राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने सरदार पटेल के योगदान पर प्रकाश डाला। अस्पताल के विभिन्न वार्डों का भ्रमण किया और मरीजों को फल वितरित किए गए। इस मौके पर संकाय सदस्य डॉ. रामकांत सागर, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. अरुण सिंह, डॉ. मानसी सिंह आदि मौजूद रहे।

रैली में हाथ में तिरंगा लेकर शामिल एक कॉलेज की छात्राएं। ● अमृत विचार

रन फॉर यूनिट में शामिल सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल व अन्य।

बिलसंडा में भी रन फॉर यूनिटी में दौड़े पुलिसकर्मी

बिलसंडा, अमृत विचार : सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। एसओ सिद्धांत शर्मा भी शामिल हुए। युवाओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। थाना करेली में एसओ विपिन शुक्ला की अगुवाई में युवा शामिल हुए। स्कूली बच्चों को राष्ट्रीय एकता दिवस के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके अलावा रूप देवी पब्लिक इंटर कॉलेज में स्टाफ ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। प्रबन्धक रमेश कुशवाहा,प्रधानाचार्य राजीव मौर्य आदि मौजूद रहे।

सरदार पटेल और आचार्य नरेंद्र देव का किया नमन

पीलीभीत, अमृत विचार : केजीएन कॉलानी स्थित सपा कार्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल और समाजवादी नेता आचार्य नरेंद्र देव की जयंती मनाई गई। दोनों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा और संचालन जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी ने किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा कट्टर, बालकराम सागर, युवजन सभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू, अकबर अहमद अंसारी, अमित पाठक एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

स्कूलों में भी हुए कार्यक्रम

जहानाबाद, अमृत विचार : कंपोजिट विद्यालय निजाम डांडी मे सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर शेर सिंह, रुचि कटियार, सुनीता सिंह, रचना, मधुबाला, अचल कुमार आदि मौजूद रहे। इसके अलावा एचके पब्लिक स्कूल में भी कार्यक्रम हुआ द्व जिसमें प्रबंधक मोहम्मद उवैद, प्रधानाचार्य शेषपाल सक्सेना आदि मौजूद रहे।

पुलिस विभाग की ओर से स्कूटी से निकाली गई रैली। ● अमृत विचार

राज्यमंत्री के कार्यालय पर भी अर्पित की पुष्पाजंलि

राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के जनसहयोग कार्यालय पर भी सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। उनके अनुज विजय सिंह गंगवार समेत पार्टी कार्यकर्ताओं ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर सुनील मिश्रा, मनोज मिश्रा, मनोज पटेल, ओमकार मौर्य, ओमप्रकाश, शान्ति स्वरूप आदि मौजूद रहे।

मधवापुर समेत कई जगह हुए कार्यक्रम

दियोरियाकलां, अमृत विचार : मधवापुर में भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री डॉ. राम बहादुर गंगवार के आवास पर हुए कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मुनेंद्र गंगवार, नरेश कुमार शर्मा, सर्वेश भारती,अभय कुमार, हेमराज गंगवार,भोले श्रीवास्तव,छोटू सोनकर आदि शामिल हुए। दियोरिया कोतवाली में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस कर्मियों ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ ली। कोतवाल दिगंबर सिंह ने विचार रखे। ग्राम पंचायत बड़ा गांव पुस्तकालय भवन में भी जयंती मनाई गई। जिसमें सचिन गंगवार प्रधान, रोजगार सेवक हरिप्रसाद गंगवार, राजेन्द्र प्रसाद आदि मौजूद रहे।

मझोला में चेयरमैन भी हुए शामिल

मझोला, अमृत विचार : सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय अखंडता दिवस के रूप में मनाया गया। मुख्य अतिथि मझोला नगर पंचायत अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह रहे। नेहरू इंटर कालेज में हुए कार्यक्रम में बच्चों को राष्ट्रीय अखंडता एवं एकता की शपथ दिलाई इसके बाद रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर प्रधानाचार्या शोभा वर्मा, बैजनाथ यादव,हरीश सिंह, सुरेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

पूरनपुर में रन फॉर यूनिटी में शामिल हुए युवा

पीलीभीत, अमृत विचार : सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर नगर पालिका परिषद पूरनपुर की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चेयरमैन शैलेन्द्र गुप्ता समेत अन्य लोगों ने पहले सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद रन फॉर यूनिटी एकता दौड़ हुई। जिसमें पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, चेयरमैन शैलेन्द्र गुप्ता ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाई। विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर एसडीएम अजीत प्रताप सिंह, प्रफुल्ल मिश्रा, ईओ एजाज अहमद, प्रभारी बीडीओ हेमंत यादव, तहसीलदार आशीष कुमार गुप्ता, नायब तहसीलदार ऋषि दीक्षित, गौरव गुप्ता, दिनेश भारती, दुर्वेश कुमार, अखिलेश मिश्रा, आदि मौजूद रहे।

बीसलपुर में पटेल जयंती पर निकाली तिरंगा यात्रा

- सरदार पटेल को भावपूर्ण स्मरण किया गया

बीसलपुर, अमृत विचार: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सरदार पटेल की जयंती एकता दिवस के रूप में मनाई गई। पटेल पार्क में विधायक विवेक वर्मा, महाविद्यालय की प्राचार्या अलका मेहरा ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इस मौके पर डॉ. जगदम्बा कुमार, डॉ. पवन त्रिवेदी, डॉ. विकास प्रधान आदि मौजूद रहे। साहूजी महाराज पब्लिक स्कूल के प्रबंधक चंद्रपाल मौर्य प्रधानाचार्य उमेश चंद्र रस्तोगी ने भी पटेल प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जनता टेक्निकल इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य प्रवीण सक्सेना की अगुवाई में कार्यक्रम हुआ। रामदुलारी श्यामसुंदर इंटर कॉलेज में प्रभारी प्रधानाचार्य बालकृष्ण मिश्रा ने माल्यार्पण किया। विद्यार्थियों ने तिरंगा यात्रा निकाली। शफी डिग्री कॉलेज में प्राचार्य डॉ.राजेंद्र कुमार, समन्वयक अनीस बेग की मौजूदगी में पटेल जयंती समारोह मनाया गया। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सरदार पटेल को भावपूर्ण स्मरण किया गया। बाला देवी रोशन लाल कॉलेज आफ हायर एजुकेशन महाविद्यालय में प्रबंधक डॉ रत्नेश गंगवार की मौजूदगी रही।

पीडीए पंचायत में आगामी चुनाव पर चर्चा

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा की अध्यक्षता में शुक्रवार को पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। इस दौरान आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के लिए निर्णय भी लिए गए। पीडीए पंचायत से जुड़े पत्रक भी बांटे गए।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ता सपा शासनकाल में चलाई गई योजनाओं के बारे में जन-जन तक प्रचार करें। लोगों की समस्याएं सुने और उनको अवगत कराते हुए समाधान कराने का प्रयास किया जाए। सपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय सचिव दिव्या गंगवार ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होता है। उसके बिना कोई भी चुनाव जीतना संभव नहीं है। कार्यकर्ता भी अपनी जिम्मेदारी निभाएं और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए काम करें। इस दौरान मौजूदा सरकार पर भी सियासी निशाना साधा गया। हरपाल सिंह लोधी ने कहा कि हाईकमान आगामी चुनाव में जिसे भी प्रत्याशी बनाएगा, उसे कार्यकर्ता एकजुट होकर जिताने का काम करेंगे। इस मौके पर मोहम्मद आरिफ, युसूफ कादरी, गायत्री गंगवार, चौधरी प्रदीप पटेल, नफीस अहमद, मोहम्मद इमरान आदि मौजूद रहे।

पीडीए पंचायत के दौरान बांटे गए पत्रक दिखाते सपा नेता। ● अमृत विचार

पूरनपुर में केंद्र प्रभारी और एमओ से झड़प, तौल बंद

पीलीभीत, अमृत विचार: बीसलपुर में वारदाना को लेकर शुक्रवार को विवाद की स्थिति बनी रही। वहीं, पूरनपुर में आरएफसी के क्रय केंद्र प्रभारी, एमओ और किसान के बीच तीखी झड़प हो गई। देर शाम आरएफसी के केंद्र पर तौल भी बंद कर दी गई।

केंद्र पर धान की तौल चल रही थी। इस बीच एक नेताजी की ओर से क्रय केंद्र पर धान का ढेर लगवा दिया गया। वहीं पर मौजूद अन्य किसान ने इसका विरोध कर दिया। बिचौलियों का नियम विरुद्ध तरीके से धान तौलने का आरोप लगाया और फिर कहासुनी बढ़ गई। इसके बाद विवाद गहराता चला गया।

सामान्य निकाय की वार्षिक आमसभा में रखे गए मुद्दे

आम सभा को संबोधित करते एसडीएम नागेंद्र पांडेय। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

- 15 नवंबर से मिल चालू करने की तैयारी, 85 प्रतिशत हो चुका काम

अमृत विचार: किसान सहकारी चीनी मिल की सामान्य निकाय की वार्षिक आम सभा का आयोजन शुक्रवार को किया गया। जिसमें चीनी मिल के अंशधारकों, संचालकों ने भाग लिया। इसकी अध्यक्षता एसडीएम नागेंद्र पांडेय ने की।

मिल के उपाध्यक्ष नरेश चंद्र शर्मा ने कहा कि चीनी मिल शुरू होने पर किसानों का इंडेंट उतना ही काटा जाए जितने गन्ने की जरूरत है। अधिक इंडेंट काटे जाने से सर्दी के मौसम में किसानों को गन्ने की तौल करने में समय लगता है, जिस वजह से उन्हें अपने ट्रैक्टरों पर ही रात बितानी पड़ती है। इसका ध्यान रखा जाए। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी, संविदा कर्मचारी का मानदेय समय से देने की बात कही। संचालक राकेश मित्तल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कृषकों के गन्ने का मूल्य 30 रुपये प्रति कुंतल बढ़ाने पर खुशी जताई। संचालक महिपाल ने चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक डॉक्टर हरिकृष्ण गुप्ता से सवाल किया कि उनकी मिल पिराई के लिए कितने प्रतिशत तैयार हो गई है। इस पर 85 प्रतिशत कार्य पूरा करने की बात बताई। मिल को 15 नवंबर से चलाने की पूरी तैयारी है। किसानों को शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था कराने पर जोर दिया।

चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक डॉ. हरिकृष्ण गुप्ता ने क्षेत्रीय किसानों से अगौला रहित साफ सुथरा गन्ना लाने की अपील की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि मिल के सदस्यों संचालकों की बात सुनकर उचित कार्यवाही की जाए। एसडीएम ने कहा कि पिराई सत्र प्रारंभ होने के बाद भी बैठकों का आयोजन होना चाहिए। जिससे समस्याओं का समाधान हो सके। यदि किसी की चीनी मिल से संबंधित समस्या का निराकरण नहीं हो रहा है, तो वह उनसे संपर्क कर उन्हें समस्या बता सकते हैं। वह उनकी बात को डीएम के समक्ष रखकर समाधान कराने का पूरा प्रयास करेंगे।

हाईटेक नर्सरी में इजराइल की तकनीक पर बिना मिट्टी तैयार हो रही पौध

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- किसानों को महज एक से दो रुपये मिलेगी रोगमुक्त सब्जी की पौध, उसे जाना भी होगा आसान
- कृषि विज्ञान केंद्र में 1.28 करोड़ की लागत से बनाई गई हाईटेक नर्सरी

अमृत विचार: किसानों को अब अपने ही जिले में गुणवत्तापरक सब्जी की पौध आसानी से मिल सकेगी। इसे लेकर कृषि विज्ञान केंद्र में हाईटेक नर्सरी बनकर तैयार हो चुकी है। अब इसका संचालन भी शुरू हो गया। खास बात यह है कि इस हाईटेक नर्सरी में इजराइल तकनीक से बिना मिट्टी के सब्जी के पौध तैयार की जाएगी। इस हाईटेक नर्सरी से किसान मनपसंद सब्जी बीज देकर महज 1 रुपये की दर से सब्जी पौध ले सकते हैं।

तराई के इस जिले में मुख्यता गेहूं, धान और गन्ना फसल की पैदावार की जाती है। मगर, पिछले कुछ सालों से यहां बड़े पैमाने पर सब्जी की खेती भी शुरू हो चुकी है। मगर इसके लिए किसानों को खुद ही पौध तैयार करनी पड़ती है। इसमें कई बार गुणवत्तापरक पौध पैदा न होने से किसानों को आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती हैं। मगर अब जनपद में सब्जी उत्पादन करने वाले किसानों को अब अपने ही जिले में रोगमुक्त एवं उन्नतशील किस्म की सब्जी पौध मिल सकेगी। इसके लिए उद्यान विभाग की ओर से कृषि विज्ञान केंद्र टांडा बिजैसी में हाईटेक नर्सरी (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल) बनकर तैयार हो चुकी है। करीब 1.28 करोड़ की लागत से बनी इस हाइटेक नर्सरी का संचालन भी शुरू कर दिया गया है।

हाईटेक नर्सरी में तैयार पौध के साथ उद्यान विभाग के अधिकारी व कर्मचारी।

हर साल पांच लाख पौध होगी तैयार

इस हाईटेक नर्सरी में बिना मिट्टी के पौध तैयार की जाएगी। विभागीय अफसरों के मुताबिक पौध उत्पादन में इजराइल तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए मिट्टी की जरुरत नहीं होती है। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक इस तरह के पौध उत्पादन से बीमारियां का खतरा भी नहीं रहता है और इस तकनीक से तैयार पौध को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना भी आसान होता है। हाईटेक नर्सरी में हर साल लगभग पांच लाख पौध उगाई जा सकेगी। खास बात यह है कि यहां किसान अपनी पंसदीदा सब्जी फसलों की पौध प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए किसानों को हाईटेक नर्सरी से पौध लेने से पूर्व अपनी डिमांड के अनुसार सब्जी बीज देना होगा। इसके बाद किसान महज 1 रुपये की दर से सब्जी पौध उपलब्ध कराई जाएगी। यदि किसान द्वारा बीज उपलब्ध न कराकर सीधे पौध खरीदी जाती है तो उसे प्रति पौध 2 रुपये देने होंगे। उम्मीद है कि रबी सीजन में तैयार होने वाले टमाटर, गोभी, शिमला मिर्च, संकर मिर्च, पत्तागोभी समेत अन्य पत्तेदार सब्जियों की पौध उपलब्ध हो सकेगी। उन्नतशील किस्म के सब्जी पौध जिला उद्यान अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के सहयोग से तैयार की जा रही है। पौध संबंधी जानकारी के लिए किसान हाईटेक नर्सरी के प्रभारी मार्कण्डेय सिंह के उनके मोबाइल नंबर 8507480301 पर संपर्क करते सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय से भी संपर्क कर सकते है।

शहर में आज

- मंडी समिति कृषक विश्राम गृह में भाकियू भानु की पंचायत सुबह 11 बजे।
- बराही गेट से वनमंत्री द्वारा पीटीआर के पर्यटन सत्र की शुरुआत दोपहर 12 .30 बजे।
- श्रीबालाजी नीम करौली धाम कांशीराम ईदगाह में हवन दोपहर 12 बजे।

न्यूज ब्रीफ

किशोरी को बंधक बना रेप करने की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : एसपी के आदेश पर दर्ज की गई रिपोर्ट में क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि 20 अक्टूबर को शाम सात बजे उनकी 12 वर्षीय पुत्री गांव में ही दुकान से सामान खरीदकर घर जा रही थी। इस दौरान गांव के करन ने पकड़कर उसे घर में खींच लिया। काफी देर बाद भी पुत्री के न आने पर वह तलाशने निकली। तब घटना का पता चला। पुत्र शिकायत करने आरोपी के घर पहुंचा तो वहां कोई नहीं मिला। चौकी जाते वक्त पुत्र को आरोपी करन ने रास्ते में रोक कर धमकाया। दूसरे दिन आरोपी के पिता ने पीड़िता की पुत्री को थाने में हाजिर किया। पुत्री काफी डरी सहमी हालत में थी। आरोपी ने जातिसचूक शब्दों का प्रयोग कर धमकाया। आरोप लगाया कि करन ने उनकी पुत्री को बंधक बनाकर दुष्कर्म किया है।

बाइकों की टक्कर में तीन लोग घायल

बरखेड़ा, अमृत विचार : पीलीभीत मार्ग पर दो बाइकों की टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। कस्बा बीसलपुर निवासी देवांश गंगवार , शिवांश शुक्रवार को डीएलएड का पेपर देने पीलीभीत गए थे। दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। बरखेड़ा पीलीभीत मार्ग पर गांव गाजीपुर मुगल के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे बाइक सवार गांव अमरा कासिमपुर निवासी नरेंद्र पाल से टकरा गए। हादसे में तीनों घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें सीएचसी भर्ती कराया।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के मोहल्ला मिश्रण टोला निवासी 23 वर्षीय वीरपाल पुत्र दीनदयाल का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा है। उसकी पत्नी परमेश्वरी देवी मायके थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के संतोषपुरा में रह रही थी। शुक्रवार को घर में मौजूद परिवार के लोग धान की कटाई करने के लिए गए हुए थे। शाम को जब वापस आए तो वीरपाल कमरे में तखत पर मृत अवस्था में मिला। शोर पर आसपास के लोग जमा हो गए। इंस्पेक्टर जहानाबाद प्रदीप कुमार विश्नोई ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है।

पीटीआर आज खुलेगा, पहले दिन फ्री में करे जंगल सफारी

गांव के शुद्ध देशी मावा से तैयार मिठाई से होगा सैलानियों का स्वागत, पिछले 221 दिन के पर्यटन में पहुंचे थे 56741 सैलानी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

शारदा डैम में सफारी वोटिंग को लुत्फ ले सकेंगे सैलानी।

अमृत विचार: जंगल और जंगल जीवों के देखने के शौकीनों का साढ़े चार माह से चल रहा इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। बाघों समेत अपनी खूबसूरती के लिए पूरी दुनिया में मशहूर पीलीभीत टाइगर रिजर्व के दरवाजे सैलानियों के लिए शुक्रवार को खोल दिए जाएंगें। वन मंत्री नए बराही गेट से फीता काटकर नए पर्यटन सत्र का शुभारंभ करेंगे। खास बात यह है कि पहले दिन सैलानी मुफ्त में जंगल सफारी का लुत्फ उठा सकेंगें। वहीं पहले दिन आने वाले सैलानियों का स्वागत गांव के बने शुद्ध देशी मावे से तैयार मिठाई से किया जाएगा। इधर नए पर्यटन सत्र को लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन एवं वन निगम द्वारा सभी तैयारियां देर शाम पूरी कर ली गई। पिछले पर्यटन सत्र के दौरान देशी-विदेशी सैलानियों की बढ़ी आमद को देखते हुए इस बार और बेहतर इंतजाम किए गए हैं।

तराई की गोद में तमाम खूबियों को समेटे पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपनी विशिष्ट जैवविविधता के लिए देश-दुनिया में पहचान बना चुका है। बाघों की बढ़ती आबादी के लिए अंतरराष्ट्रीय टीएक्सटू अवार्ड से नवाजे जा चुके पीलीभीत पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र प्रति वर्ष 15 नवंबर से शुरू होकर 15 जून तक चलता है। हालांकि पिछला पर्यटन सत्र 06 नवंबर से संचालित किया था। वहीं इस बार शासन द्वारा नया पर्यटन सत्र 05 दिन पूर्व ही यानी 01 नवंबर से शुरू करने के आदेश दिए गए हैं। इधर साढ़े चार माह के लंबे अंतराल के बाद पीलीभीत टाइगर रिजर्व शुक्रवार को सैलानियों के लिए खोल दिया जाएगा। गत वर्षों की भांति चूका बीच की जिम्मेदारी वन निगम को दी गई है। वन निगम की ओर चूका बीच की हटों की मरम्मत और रंग-रोगन कर उनको नया रुप दे दिया है। पर्यटन सत्र के दौरान सैलानी वन निगम की वेबसाइट से बुकिंग कराने के बाद चूका बीच की हटों में ठहरते हैं। हालांकि चूका बीच में वाटर हट में रहने का सैलानियों का सपना इस बार भी पूरा नहीं हो सकेगा। वॉटर हट टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा आरक्षित की गई है। इस बार सैलानियों के लिए मुस्तफाबाद में बनाई गई डबल स्टोरी कैंटीन भी आकर्षण का केंद्र रहेगी।

टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सैलानी बिना किसी समस्या के जंगल में सैर कर सकें, इसका टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से खासा ध्यान रखा गया है। वहीं इस बार पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पॉलीथिन ले जाने पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। इसकी व्यवस्था पर टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से की गई है। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि पर्यटन सत्र संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। शुक्रवार को नए पर्यटन सत्र की शुरूआत की जाएगी। नए बराही गेट से वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना दोपहर 12.30 बजे फीता काटकर पर्यटन सत्र की शुरूआत करेंगे। जिले के प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख, गन्ना राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, पीलीभीत नगर पालिका चेयरमैन डॉ.आस्था अग्रवाल समेत अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा मुख्य सचिव वन अनिल कुमार, पीसीसीएफ सुनील चौधरी, पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ अनुराधा वेमुरी, मुख्य वन संरक्षक बरेली वृत्त पीपी सिंह समेत स्थानीय वन अफसर मौजूद रहेगें।

इस बार तीसरे बराही गेट से भी सैलानियों को मिलेगा प्रवेश

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पर्यटन सत्र के दौरान अभी तक सैलानियों को महोफ के गेट नंबर एक और मुस्तफाबाद के गेट नंबर दो से प्रवेश की सुविधा दी जा रही थी। इधर सैलानियों की साल दर साल बढ़ती जा रही संख्या को देखते हुए इस बार सैलानियों के लिए बराही रेंज में बराही गेट को भी खोला जा रहा है। सैलानी अब बराही रेंज में बराही वन विश्राम गृह के पास बने इस नए बराही गेट से भी सफारी बाहन की बुकिंग कर पीलीभीत टाइगर रिजर्व में प्रवेश कर सकेंगे। बता दें कि पर्यटन सत्र के दौरान जंगल के कोर एरिया में सुबह-शाम सफारी वाहनों की आवाजाही और सैलानियों से वन्यजीवन भी प्रभावित होता आ रहा है। मामला संज्ञान में आने पर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने बाघ अभ्यारणों को सप्ताह में एक दिन के लिए सैलानियों के लिए बंद करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में शासन ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व को प्रत्येक बुधवार को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में अब टाइगर रिजर्व सैलानियों के लिए प्रत्येक सप्ताह बुधवार को बंद रहेगा।

खाने को मिलेगा ईडीसी का पेड़ा

टाइगर रिजर्व प्रशासन ने पर्यटन सत्र के पहले दिन आने वाले सैलानियों के निशुल्क जंगल सफारी का तोहफा दिया है। पर्यटन सत्र के शुभारंभ पर आने वाले स्कूली बच्चों समेत सैलानियों के लिए सफारी वाहनों के माध्यम से नि :शुल्क जंगल सफारी की व्यवस्था की गई है। इसके लिए बराही गेट पर सफारी वाहनों का इंतजाम किया गया है। वन अफसरों की ओर से सभी सफारी वाहन चालकों और गाइडों को की जानकारी दी जा चुकी है। वहीं पहले दिन आने वाले सैलानियों को इको डेवलपमेंट कमेटी लालपुर द्वारा तैयार किए गए शुद्ध मावे के पेड़े भी जलपान के तौर पर उपलब्ध कराएं जाएंगें।

भ्रष्टाचार की जांच करने पहुंची टीम, लिए बयान

संवाददाता, बिलसंडा

- बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत पसगवां का मामला

अमृत विचार: ग्राम पंचायत पसगवां में विकास कार्य में भ्रष्टाचार की डीएम से की गई शिकायत पर जांच कराई जा रही है। जांच अधिकारी ने टीम के साथ गांव पहुंचकर सभी पक्षों को सुना और अभिलेख तलब किए । चर्चा हैं कि इसमें गड़बड़ी भी पाई गई है। फिलहाल अब रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी।

बता दें कि क्षेत्र के ग्राम पसगवां के प्रधान और सचिव की शिकायत कुछ ग्रामीणों ने 13 अगस्त को डीएम से की थी। जिसमें ग्राम निधि से 73 लाख रुपये आहरण के सापेक्ष अधिकांश का घोटाला करने के आरोप लगाए गए थे। इस मामले की जांच जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी सुरेश कुमार मौर्य को दी गई। जांच अधिकारी ने 31 अक्टूबर को प्रधान सचिव को अभिलेख के साथ तलब किया था। तय तिथि पर शुक्रवार को जांच करने के लिए टीम पहुंची। शिकायतकर्ता समेत कई लोगों के बयान लिए गए। इसके अलावा मौके पर कराए गए काम की स्थिति को भी परखा। अब रिपोर्ट तैयार कर अधिकारियों को भेजी जाएगी।

भिड़ गए दोनों पक्ष झगड़ हुई

जिस समय टीम जांच करने पहुंची शिकायत कर्ताओं के बयान दर्ज कर रही थी, उसी समय प्रधान पक्ष के लोग आक्रोशित हो गए। इससे दोनों पक्षों में तनातनी का माहौल हो गया। बताते हैं कि प्रधान पक्ष और शिकायतकर्ताओं के बीच कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया। जिसके बाद गाली गलौज, धमकाने के साथ ही हाथापाई भी हो गई। इस दौरान वहां मौजूद अन्य लोगों ने दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया इसके बाद टीम शिकायतकर्ताओं के बयान दर्ज कर सकी।

केंद्र पर किसानों से वसूली का आरोप

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

मंडी सचिव को ज्ञापन देते भाकियू नेता। ● अमृत विचार

- पीलीभीत मंडी में विकास नामक ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग
- ज्ञापन में एक किसान के साथ हुई घटना का दिया हवाला

अमृत विचार: मंडी समिति पीलीभीत के सचिव प्रवीण कुमार अवस्थी को भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को ज्ञापन सौंपा। जिसमें क्रय केंद्रों पर किसान का धान तौल कराने के बदले में 200 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से वसूली करने का आरोप लगाया। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई कराने की मांग की गई है।

क्रय केंद्रों पर दिवाली के बाद से धान की आवक तेज हो चुकी है। केंद्रों पर खरीदे जा चुके धान का उठान नहीं हो सका है। जिसकी वजह से धीमी गति से तौल हो रही है। हालांकि जिम्मेदार सब ठीक बता रहे हैं। वहीं, वारदाना की दिक्कत भी बनी हुई है। डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला शुक्रवार को मंडी समिति पहुंचे और क्रय केंद्रों के हालात परखे। निर्देश दिए कि तेजी से तौल कराई जाए और शाम छह बजे के बाद क्रय केंद्र पर धान की तौल न हो। रात के वक्त डस्टर चलते मिले तो कार्रवाई भी तय है। इधर, भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकर्ताओं ने मंडी सचिव को ज्ञापन सौंपा। जिसमें आरोप लगाया कि किसानों से सरकारी क्रय केंद्रों पर 150 से 200 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से वसूले जा रहे हैं। इमलिया गांव के किसान सर्वजीत सिंह का हवाला देते हुए दावा किया गया कि उक्त किसान से मंडी समिति प्रथम क्रय केंद्र पर धान तोलने के बाद 150 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से मांगे गए। किसान द्वारा रुपए न देने पर केंद्र का ठेकेदार और आढ़ती ने किसान का ट्रैक्टर रोकने का प्रयास किया गया। उनका आरोप था कि ठेकेदार विकास की केंद्र की ठेकेदारी की कोई अथॉरिटी भी नहीं है। इसके बावजूद ठेकेदार किसानों से जबरन वसूली करता है। इस मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही आढ़ती का लाइसेंस निरस्त करने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष नागेंद्र सिंह, जिला मीडिया प्रभारी गुरजीत सिंह विर्क, दिलशाद रजा आदि थे।

लेखपाल को10 हजार की रिश्वत लेते टीम ने पकड़ा

संवाददाता, बीसलपुर (पीलीभीत)

- बीसलपुर तहसील परिसर से हुई धरपकड़ से मची रही खलबली

अमृत विचार: बरेली से आई विजिलेंस टीम ने तहसील कार्यालय परिसर से एक लेखपाल को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। टीम लेखपाल को पकड़कर अपने साथ ले गई। इस कार्रवाई से तहसील कर्मचारियों में खलबली मची रही।

बीसलपुर तहसील में कार्यरत लेखपाल संजीव कुमार गंगवार के पास ग्राम महादेवा का क्षेत्र है। इसके अतिरिक्त उसके पास ग्राम नवदिया सितारगंज का भी अस्थायी चार्ज है। ग्राम महादेवा निवासी सरताज ने तहसील कार्यालय में अपने गांव के लेखपाल संजीव कुमार गंगवार को कृषि भूमि का कुरा बंटवारा कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। कई दिन बीतने के बाद भी लेखपाल ने कृषि भूमि का कुरा बंटवारा नहीं किया। जब कई चक्कर लगाने के बाद भी काम नहीं हुआ तो सरताज परेशान हो गए। लेखपाल इस काम के लिए 10 हजार रुपये रिश्वत मांग रहा था। उसने लेखपाल को अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला भी दिया लेकिन कोई असर नहीं पड़ा। परेशान होकर ग्रामीण ने बरेली विजिलेंस कार्यालय से संपर्क कर कॉल रिकॉर्डिंग में लेखपाल के द्वारा मांगी जा रही रिश्वत की बात सुनाई। इसके बाद विजिलेंस की टीम कार्रवाई को तैयार हुई। पूरी प्लानिंग तय की गई। उसी आधार पर शुक्रवार को सरताज तहसील कार्यालय के पिछले हिस्से में पहुंचे और लेखपाल द्वारा मांगी गई धनराशि उसे देने के लिए बुलाया। जैसे ही ग्रामीण ने 10 हजार रुपये रिश्वत निकाल कर लेखपाल संजीव कुमार गंगवार को दी। वैसे ही पहले से मुस्तैद विजिलेंस टीम ने पकड़ लिया। अपने साथ गाड़ी में बैठाकर बीसलपुर कोतवाली पहुंचे। देर शाम तक कार्रवाई चलती रही और फिर टीम आरोपी को बरेली ले गई। विजिलेंस टीम की कार्रवाई से हड़कंप मचा रहा।

ट्रेडिंग कंपनी ने जमा किया 20 लाख जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डिप्टी कमिश्नर की छापेमारी में पकड़ी गई थी सवा दो करोड़ की टैक्स चोरी
- एक बैटरी कारोबारी ने दिवाली के चलते मांगी थी एक माह की मोहलत, दोनों को नोटिस

रेहान ट्रांसपोर्ट वाले मामले में प्रथमदृष्यता संचालक से 20 लाख रुपये का जुर्माना जमा कराया गया है। आगे कार्रवाई जारी है। नोटिस जारी करते हुए अभिलेख जब्त कर लिए गए है। जिनकी जांच चल रही है। अभी तक सवा दो करोड़ की टैक्स चोरी निकलकर सामने आई है। जांच पूरी होने के बाद अंतिम कार्रवाई की जाएगी। – **अनिरुद्ध सिंह**, डिप्टी कमिश्नर जीएसटी

अमृत विचार : टैक्स चोरी पर शिकंजा कसते हुए एसआईबी की टीम ने गुरुवार देर रात बड़ी कार्रवाई की। डिप्टी कमिश्नर जीएसटी के नेतृत्व में चली छापेमारी में करोड़ों की कर चोरी का खुलासा हुआ। रेहान ट्रेडिंग कंपनी की जांच में सवा दो करोड़ रुपये की टैक्स हेराफेरी सामने आने के बाद विभाग ने सख्ती दिखाते हुए तत्काल 20 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया। टीम देर रात तक दस्तावेजों की जांच में जुटी रही। हालांकि अभी अंतिम निर्णय नहीं निकला है। इधर, दूसरी कार्रवाई में एक बैटरी कारोबारी से भी टैक्स हेराफेरी के बाद उन्हें टैक्स जमा करने के लिए नोटिस दिया गया था। मगर कारोबारी ने दिवाली सीजन का हवाला देते हुए एक माह की मोहलत मांगी, जोकि समाप्त हो चुकी है। अगले सप्ताह उनके मामले में सुनवाई होगी।

गुरुवार देर शाम एसआईबी ने सूचना के आधार पर नौगवां पकड़िया स्थित रेहान ट्रांसपोर्ट पर छापा मारा था। यह छापा जीएसटी डिप्टी कमिश्नर अनिरुद्ध सिंह की अगुवाई में था। जांच में पता चला था कि चार साल में संचालक ने माल भाड़ा और बिक्री से करीब 42.50 करोड़ की आय की थी। जिस पर करीब सवा दो करोड़ का टैक्स जमा होना चाहिए था। मगर संचालक ने हेराफेरी करते हुए सिर्फ आठ लाख रुपये टैक्स अदा किया गया था। इतना ही नहीं माल भाड़े में टैक्स में पांच से 12 फीसदी का टैक्स अदा होता है, इसमें 12 फीसदी अदा करने पर आईटीसी का लाभ मिलता है, लेकिन उन्होंने पांच फीसदी टैक्स अदा कर आईटीसी का लाभ भी ले लिया। कई बिलिंग और अभिलेख भी गायब थे। टीम की कार्रवाई करीब सात घंटे तक चली। जिसमें मौके पर संचालक से वित्तीय वर्ष 2021-22 का 20 लाख का टैक्स जुर्माना के तौर पर जमा कराया है। जबकि अभी जांच चल रही है।

देर रात अभिलेख लेकर लौटी टीम

संचालक को नोटिस जारी करते हुए टीम अभिलेख लेकर देर रात वापस बरेली लौट गई। इधर, 4 अक्टूबर को स्टेशन रोड पर स्थित शुभभ बैटरी करोबारी के यहां जीएसटी टीम ने छापा मारा था।यहां टीम के समाने पांच साल में 100 करोड़ से अधिक का लेनदेन सामने आया था। जबकि कारोबारी ने हेराफेरी करते हुए टैक्स में सिर्फ 15 लाख रुपये जमा किए थे। पोर्टल पर स्वत: ही टैक्स में हेराफेरी देखने को मिली थी। इस पर टीम ने इनके अभिलेख जब्त करते हुए नोटिस जारी किया था। इस पर कारोबारी ने दिवाली सीजन में एक माह की मोहलत मांगी थी, जो समाप्त हो गई है। जीएसटी डिप्टी कमिश्नर अनिरुद्ध सिंह के अनुसार अगले सप्ताह बैटरी कारोबारी के मामले में सुनवाई होना है। जिसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

घर के बाहर महिला को कुत्ते ने काटा

पीलीभीत,अमृत विचार : क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। शहर से लेकर देहात तक रोज सैंकड़ों लोग इनका शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जिला अस्पताल में एंटी रेबीज लगवाने वालों की भीड़ लगी है। शुक्रवार को गजरौला निवासी लीलावती को आवारा कुत्ते ने काट लिया। वह जिला अस्पताल एंटी रेबीज का सीरम लगवाने पहुंची थी। उन्होंने बताया वह घर के बाहर झाड़ू लगा रही थी। आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। जब तक वह भागीं तब तक कुत्ते ने उनके हाथ और पैर में काट कर घायल कर दिया। दोपहर में जिला अस्पताल पहुंच कर एंटी सीरम लगवाया। इसी के साथ जिला अस्पताल में शुक्रवार को 65 लोगों को एंटी रेबीज के टीके लगाए गए।

नेपाल के उत्पाती हाथियों ने महोफ जंगल में डाला डेरा, निगरानी जारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जंगल से बाहर निकलने से रोकने के लिए वन कर्मियों की टीम मुस्तैद
- वन विभाग हाथियों द्वारा किए गए नुकसान के आकलन में जुटा

अमृत विचार: नेपाल से भटककर आए दोनों जंगली हाथियों ने महोफ रेंज के जंगल में डेरा डाले हुए हैं। गुरुवार रात दोनों हाथी जंगल के अंदर ही मौजूद रहे। उत्पाती हाथी कहीं जंगल से बाहर निकलकर रिहायशी इलाकों में न पहुंच जाए, इसको लेकर वनकर्मियों की टीम मुस्तैदी से निगरानी में जुटी हुई है।

करीब पांच दिन दिन पूर्व दो नेपाली हाथी जनपद सीमा में आ पहुंचे थे। गजरौला और बरखेड़ा के रिहायशी इलाकों में दहशत फैलाने के बाद दोनों हाथी बीते सोमवार को जहानाबाद क्षेत्र में जा पहुंचे थे। यहां हाथियों ने गांव उझैनिया रम्पुरा निवासी ओमप्रकाश पर हमला कर घायल कर दिया गया था। मंगलवार रात दोनों हाथियों के जाने के बाद वन अफसरों ने राहत की सांस ली थी। मगर दोनों हाथी बुधवार रात एक बार फिर उग्र हो उठे थे। दोनों हाथी माला रेंज से निकलकर महोफ रेंज में जा पहुंचे थे। बुधवार रात में एक हाथी ने मुस्तफाबाद गेस्ट हाउस क्षेत्र में पहुंचकर स्टाफ क्वार्टर के आसपास जमकर उत्पात मचाने के साथ बाहर रखे सामान को भी बुरी तरह बिखेर दिया था। इसके साथ ही दोनों हाथियों ने महोफ जंगल में कई स्थानों पर जंगल सीमा पर लगी जाल फेसिंग को भी क्षतिग्रस्त कर डाला था। इधर गुरुवार रात दोनों हाथी महोफ रेंज के जंगल में ही डेरा जमाए रहे। वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक जंगली हाथी अकसर रात में ही जंगल से बाहर निकलते हैं। ऐसे में सुरक्षा की दृष्टि से वनकर्मियों की टीम लगातार हाथियों की निगरानी करती रही, ताकि उत्पाती हाथी जंगल से निकलकर रिहायशी इलाके में न पहुंच जाएं।

इधर शुक्रवार को भी टीमें लगातार निगरानी में जुटी रहीं। वन विभाग जंगली हाथियों द्वारा किए गए नुकसान के आकलन में जुटा हुआ है। इसकी रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय भेजी जाएगी। इस संबंध में महोफ रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से रात में गश्त बढ़ाई जा रही है।

बीसलपुर में धान क्रय केंद्र पर बिचौलियों को पकड़ा

संवाददाता, बीसलपुर

- एसडीएम ने तहसीलदार के साथ किया क्रय केंद्रों का निरीक्षण

अमृत विचार : मंडी समिति परिसर में संचालित धान क्रय केंद्रों पर अव्यवस्थाएं हावी हैं। अब एक बिचौलियों को निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम ने पकड़ लिया। उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। केंद्रों पर धीमी गति से तौल की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। फिलहाल एसडीएम ने व्यवस्था दुरुस्त रखने के सख्त निर्देश दिए हैं।

एसडीएम नागेंद्र पांडे शुक्रवार को मंडी समिति पहुंचे और धान क्रय केंद्रों की स्थिति परखी। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष भजनलाल क्रोधी की मौजूदगी में धान खरीद का जायजा लिया। एसडीएम जब पीसीएफ के पांच नंबर धान क्रय केंद्र पर पहुंचे तो वहां मौजूद केंद्र प्रभारी नीरज शुक्ला अपने द्वारा की गई धान की तौल के बारे में कोई भी सही जानकारी नहीं दे सके। केंद्र पर मौजूद बड़ागांव निवासी सूरजपाल का 110 क्विंटल धान तौलने की बात बताई। मगर जब इसके कागज मांगे गए तो नहीं दिखा सके। केंद्र पर मौजूद सूरजपाल भी झूठ बोलता रहा। इस पर एसडीएम ने फटकार लगाई और संबंधित सूरज नामक व्यक्ति को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पीसीयू के धान क्रय केंद्र नंबर चार पर बेहद कम खरीद मिली। मंडी सचिव नाजिम अली ने बताया कि मंडी में अभी तक सभी 30 हजार क्विंटल से अधिक धान की खरीद की जा चुकी है।

छात्रा को रास्ते में रोक की छेड़छाड़ रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी पुत्री गांव में ही पढ़ाई करने जाती थी। आरोप है कि रास्ते में शारिक और तारिक ने उसका मोबाइल नंबर ले लिया। इसके बाद आरोपियों ने रास्ते में रोककर उससे छेड़छाड़ करना शुरू कर दी। उसके साथ अश्लील हरकतें की। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। घर आकर पुत्री ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद परिजनों ने पुत्री को पढ़ने जाने से रोक दिया। इसकी शिकायत जब आरोपियों के पिता से की गई तो उन्होंने गाली गलौज करते हुए पुत्री का अपहरण कर देने की धमकी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सामूहिक शादी के लिए जिले भर से 2333 ने किया आवेदन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- आवेदन पत्रों के सत्यापन का कार्य शुरू, संबंधित बीडीओ व ईओ को सौंपी गई जिम्मेदारी
- जिला समाज कल्याण अधिकारी ने 05 नवंबर तक सत्यापन कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत निर्धारित तिथि तक प्राप्त सभी आवेदनों को सत्यापन के लिए संबंधित विकासखंडों एवं निकायों में भेजा जा चुका है। 05 नवंबर तक सत्यापन कार्य पूरा किया जाना है। सत्यापन के बाद ही पात्रों की सूची शासन को भेजी जाएगी। – **चंद्रमोहन बिश्नोई**, जिला समाज कल्याण अधिकारी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत चल रही आवेदन प्रक्रिया गुरुवार को पूरी हो गई। जनपद भर के 2333 लोगों ने ऑनलाइन आवेदन किए हैं। समाज कल्याण विभाग की ओर से सभी प्राप्त आवेदनों को सत्यापन के संबंधित विकासखंड और नगर पालिका एवं नगर पंचायतों को भेज दिए गए हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा 05 नवंबर तक सभी आवेदनों का सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि 12 नवंबर होने वाले शादी समारोह से पूर्व सभी जोड़ों का यूनिक कोड जेनरेट किया जा सके।

प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग के साथ ही सामान्य वर्ग की गरीब बेटियों की शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना चलाई जा रही है। योजना के तहत अभी तक 51 हजार रुपये व्यय करने का प्रावधान था। इधर इस बार शासन ने प्रति जोड़ा एक लाख की धनराशि खर्च करने का निर्णय लिया है। इसमें 60 हजार रुपये कन्या के खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगें। इसके अलावा 25 हजार रुपये की उपहार सामग्री पर खर्च किए जाएंगें। साथ ही सामूहिक विवाह के आयोजन पर 15 हजार रुपया प्रति जोड़ा खर्च किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले में 466 बेटियों की शादी कराने का लक्ष्य तय किया है। इधर जिला प्रशासन द्वारा सामूहिक शादी समारोह के आयोजन को लेकर 12 नवंबर की तिथि तय कर दी गई है। सामूहिक शादी समारोह को लेकर ऑनलाइन आवेदन के लिए 30 अक्टूबर अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। शासन द्वारा इस वित्तीय वर्ष में 466 सामूहिक शादियों का लक्ष्य दिया था। समाज कल्याण विभाग के मुताबिक निर्धारित तिथि तक 2333 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन सभी आवेदकों ने आवेदन का हार्ड कॉपी समाज कल्याण विभाग में जमा कर दी है। विभागीय अफसरों का कहना है कि जिन आवेदकों ने 30 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन किया है, यदि वे अपने आवेदन की हार्ड कॉपी शुक्रवार शाम तक कार्यालय में जमा कर देते हैं, तो उन सभी को भी इसमें शामिल कर लिया जाएगा। इसके बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इधर समाज कल्याण विभाग ने सभी प्राप्त आवेदनों को सत्यापन के लिए संबंधित विकास खंडों के खंड विकास अधिकारियों एवं नगर पालिका और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को भेजे जा चुके हैं। सभी खंड विकास अधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों को 5 नवंबर तक सत्यापन कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। विभागीय अफसरों ने बताया कि सत्यापन कार्य पूरा होने के बाद पात्रों की सूची शासन को भेजी जाएगी। जहां इन सभी के बायोमेट्रिक व्यवस्था के लिए यूनिक कोड जनरेट किए जाएंगें।

पिछले साल लक्ष्य से दोगुने कराए गए थे विवाह

पिछले वित्तीय वर्ष में जिले में 1192 बेटियों की शादी कराने का लक्ष्य दिया गया था। लक्ष्य के सापेक्ष पिछले वर्ष 2207 जोड़ों की शादी कराई गई थी। इसके तहत गत वर्ष 12 नवंबर को 506 सामूहिक शादियां कराई गई थी। इसके बाद बीते 13 फरवरी को 1323 सामूहिक शादियां कराई। लक्ष्य के अधिक सामूहिक शादियां होने के बावजूद जिले भर से तमाम लोगों ने आवेदन किए थे। मामला संज्ञान में आने के बाद शासन ने वंचित रहे पात्रों की सामूहिक शादियां कराने के निर्देश दिए थे। जिसके चलते बीते 20 मार्च को भी 372 जोड़ों का विवाह कराया गया था।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार,1 नवंबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

कच्ची शराब को लेकर छापामारी, एक पकड़ा

बरखेड़ा, अमृत विचार : आबकारी निरीक्षक बीसलपुर प्रदीप कुमार यादव ने टीम के साथ क्षेत्र में अवैध शराब के धंधेबाजों की धरपकड़ को छापामारी की। इस दौरान परेवा अनूप गांव में टीम पहुंची। एक मकान में दबिश दी गई। इस दौरान कुल 12 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम बालक राम पुत्र स्वर्गीय रामलाल बताया। उसके खिलाफ बरखेड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

बाइक सवार दंपति को घायल करने की रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : बीसलपुर के गांव भसूड़ा निवासी विनोद कुमार ने बरखेड़ा पुलिस को दी तहरीर में बताया 22 अक्टूबर को पत्नी रेखा देवी के साथ बाइक से बरेली में रिश्तेदार के घर गए थे। वापस आते वक्त ससुराल ग्राम रामनगर गजरौला जा रहे थे। शाम करीब पांच बजे बरखेड़ा क्षेत्र के गांव गाजीपुर कुंडा के पास पेट्रोल पंप के समीप पहुंचते ही बाइक सवार ने टक्कर मार दी। जिसमें दंपति घायल हो गए। उन्हें सीएचसी से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। अभी तक इलाज चल रहा था, जिसके चलते तहरीर नहीं दे सके।

अग्रिमा, आदित्य, प्रखर, अंकुर,सौम्या ने जीते खिताब

योनेक्स सनराइज सेकंड सब जूनियर मेजर बैडमिंटन टूर्नामेंट का समापन, विजेता खिलाड़ियों को मिली ट्रॉफी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : गांधी स्टेडियम में चल रहे योनेक्स सनराइज सब जूनियर मेजर बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुक्रवार को समापन हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद और विशिष्ट अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष डॉ.आस्था अग्रवाल रहीं। अग्रिमा सिंह, आदित्य तोमर, प्रखर तिवारी और अंकुर-सौम्या ने खिताब जीते। केंद्रीय मंत्री ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

अंतिम दिन विभिन्न फाइनल मुकाबले खेले गए। जिसमें खिलाड़ियों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंडर 15 बालिका वर्ग सिंगल्स में नोएडा की अग्रिमा सिंह ने आगरा की कुहू को 21-19, 21-17 से हराया। मिक्स डबल्स में आगरा के अंकुर प्रताप सिंह और आजमगढ़ की सौम्या सिंह की जोड़ी ने अनुज चावल व अरुणिमा यादव की जोड़ी को 21-14, 14-21, 21-17 से हराया। बालक वर्ग सिंगल्स में मेरठ के आदित्य तोमर ने अलीगढ़ के अतीक अहमद को 21-17, 18-21, 21-13 से पराजित कर चैंपियनशिप अपने नाम की। अंडर 17 बालक वर्ग सिंगल्स में प्रयागराज के प्रखर तिवारी ने अयोध्या के दिव्यांशु सिंह को 18-21, 21-17, 21-16 से हराया। गर्ल्स डबल्स में नोएडा की अग्रिमा सिंह और आगरा की संघमित्रा गौतम की जोड़ी ने गोरखपुर-कानपुर की जोड़ी अनुष्का सिंह व संमिका गुप्ता को 21-10, 21-11 से हराया।

बालिका वर्ग सिंगल्स में आगरा की कुहू ने दिव्यांशी गौतम को हराकर खिताब जीता। बालक वर्ग डबल्स अंडर 15 में अंकुर प्रताप सिंह (आगरा), अतीक अहमद (अलीगढ़) की जोड़ी ने प्रखर जैन व शुभम सोलंकी को 21-18, 19-21, 21-11 से पराजित किया। अंडर 17 बालक वर्ग डबल्स में गाजियाबाद के अभिनव चौहान और जय सिंह की जोड़ी ने सनराइज चौरसिया व संस्कार यादव की जोड़ी को 21-19, 21-13 से हराया। विजेता खिलाड़ियों को नगद राशि और ट्रॉफी प्रदान की गईं। जिले के बैडमिंटन खिलाड़ी मनोज गंगवार को बैडमिंटन के विकास और उन्नयन के लिए उनके आजीवन योगदान को देखते हुए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र प्रसाद, नगरपालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल, बैडमिंटन एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक मनजीत सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल महेंद्रु, सचिव राजेश सक्सेना, आयोजन सचिव मनोज गंगवार ने अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्य रेफरी राजित श्रीवास्तव, मैच कंट्रोलर मनीष कुमार, इरशाद अहमद, मनीष सिग्नल, हरेंद्र त्रिपाठी, राहुल घोष, अमानत त्रिपाठी, सुधांशु गंगवार, अंशुल कुमार, सत्यम त्रिपाठी, वंदना यदुवंशी, जितेंद्र सिंह, आशीष पटेल, आशीष रस्तोगी और राम नारायण को भी पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, आयोजन समिति के सदस्य संदीप सिंह, सभासद साकेत सक्सेना, दीपेंद्र चौहान, सौरभ पांडे, प्रखर नाथ, जाहिर मलिक, संजय गुप्ता, विक्रम शर्मा, जगन्नाथ, शिवम कश्यप, अभिजीत सिंह, हर्ष कंचन आदि भी सम्मानित किए गए। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद रहे और खेलों का महत्व बताया।

बैडमिंटन खेलते टूर्नामेंट के समापन पर बतौर अतिथि पहुंचे केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद।

खिलाड़ियों के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, चेयरमैन डॉ .आस्था अग्रवाल।

- बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद बांटे पुरस्कार

केंद्रीय मंत्री और चेयरमैन ने भी आजमाए हाथ

बतौर अतिथि गांधी स्टेडियम पहुंचे केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद और नगर पालिका अध्यक्ष डॉ .आस्था अग्रवाल ने भी बैडमिंटन में हाथ आजमाए। दोनों अतिथियों को बैडमिंटन खेलते देख खिलाड़ी भी उत्साहित हो गए। इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी कई खिलाड़ियों व दर्शकों ने पोस्ट किया। जिसकी खासा चर्चा की जाती रही।

स्ट्रेचर ले जाने को लेकर अस्पताल के दो कर्मियों में विवाद

पीलीभीत,अमृत विचार : जिला अस्पताल की इमरजेंसी में गुरुवार रात दो कर्मियों में मरीज को स्ट्रेचर से ले जाने को लेकर विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों में मारपीट की नौबत आ गई।

सीएमओ कार्यालय में तैनात एक कर्मचारी अपनी मौसी को इलाज के लिए जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर आया था। इलाज के बाद उन्हें वार्ड में शिफ्ट किए जाने को लेकर कर्मचारी महिला को लेकर जा रहा था। इसी दौरान इमरजेंसी में तैनात एक अन्य कर्मचारी ने उसे आगे चलने के लिए कहा। इस बात पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों में गाली-गलौज होने लगी। इस दौरान इमरजेंसी में भीड़ जमा हो गई। आवाज सुनकर डॉक्टर और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और दोनों कर्मचारियों को अलग कर दिया। हालांकि, दोनों कर्मचारी एक-दूसरे को पीटने को आगे बढ़ते रहे, जिन्हें डाक्टर ने बड़ी मुश्किल से रोका। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद मामला शांत हुआ।

कटरा में दो घरों से नकदी-जेवर चोरी

शाहजहांपुर,अमृत विचार: कटरा क्षेत्र में चोरी की वारदातें नहीं थम रही है। चोरों ने एक ही गांव में दो घरों को निशाना बनाया।

चोर बक्से और अलमारी का ताला तोड़कर नकदी समेत लाखों रुपये का जेवर चुराकर ले गए। चोरों ने एक घर में चोरी की कोशिश की। दोनों का परिवार बाहर गया था। पुलिस ने मौका मुआयना किया। मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के गांव फीलनगर निवासी रामलखन परिवार के साथ मकान में ताला बंद करके ससुराल गया था। चोरों ने मकान के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ दिया और एक कमरे में गए। चोर बक्सा उठाकर गांव के बाहर खेत पर ले गए। चोरों ने बक्से का ताला लोड़ दिया। चोर बक्से में एक हजार रुपये, सोने के कुंडल, चांदी के बिछुए आदि सामान चुराकर ले गए। चोरों ने इसी गांव निवासी पप्पू मंसूरी के मकान को निशाना बनाया। चोरों ने अलमारी में रखे नकदी और जेवर समेट ले गए थे।

बिलसंडा में धूमधाम से निकाली गई राम बरात

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार: श्रीरामलीला में धनुष यज्ञ के प्रसंग का कलाकारों ने मंचन किया। मंचन में ऋषि विश्वामित्र के साथ राम लक्ष्मण स्वयंवर में पहुंचते हैं।ऋषि विश्वामित्र की आज्ञा पाकर राजा जनक के दरबार में रखे शिव धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाते हैं। इस दौरान धनुष टूट जाता है। चारों ओर जय श्री राम के उद्घोष गूंज उठते हैं। इसके बाद राम बरात शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें मनमोहक झांकियां सजलाई। कई जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया।

इधर, मदन मोहन कॉलोनी स्थित शिव मंदिर पर चल रही श्रीराम कथा का समापन हो गया। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया। आयोजक मंडल ने हवन पूजन कराया। पूर्णाहुति के बाद कन्या भोज के साथ भंडारा शुरू हुआ। जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर धीरज शर्मा,केके मिश्रा, बंटी शुक्ला,राकेश शर्मा,राहुल मिश्रा, डॉ हिमांशु सक्सेना,धर्मेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

राम बरात में सजाई गई झांकी।

- मनमोहक झांकियों पर पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

बिक्री रजिस्टर बैनर न मिलने पर लाइसेंस निलंबित

शाहजहांपुर,अमृत विचार: जनपद में उप कृषि निदेशक एवं जिला कृषि अधिकारी द्वारा लगातार छापे मारी की कार्रवाई की जा रही है जिसमें उर्वरक प्रतिष्ठानों मैसर्स भवानी फर्टिलाइजर नाहिल, मैसर्स ओम नारायण गुप्ता मिर्जापुर, मैसर्स सचिन इण्टरप्राइजेज जलालाबाद एवं मैसर्स महादेव फर्टिलाइजर कांट पर बिलबुक, स्टॉक बोर्ड, स्टॉक बिक्री रजिस्टर एवं बैनर आदि के न पाये जाने पर के लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई प्रस्तावित कर दी गयी है।

जिला कृषि अधिकारी विकास किशोर ने बताया कि खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मैसर्स नर्मदा बायोकेम लिमिटेड कंपनी की ओर से भेजी गई डीएपी उर्वरक को निजी क्षेत्र की 66 फुटकर उर्वरक प्रतिष्ठान पर 939.5 एमटी जनपद के थोक उर्वरक विक्रेताओं द्वारा उपलब्ध करा दी गई है।

बांसुरी फुटबॉल क्लब को हराकर डीएफए कॉलेज पीलीभीत बना विजेता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी के अवसर पर जिला खेल कार्यालय की ओर से गांधी स्टेडियम में फुटबॉल प्रतियोगिता कराई गई। इसकी शुरुआत जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय लेकर कराई।

पहला मैच न्यूरिया और बांसुरी क्लब के बीच हुआ, जिसमें बांसुरी क्लब ने 5 -1 से मैच जीता। दूसरे मैच में स्टार क्लब को राम इंटर कॉलेज ने 5- 4 से हराया। सुभाष चंद्र फुटबॉल व डीएफए फुटबॉल क्लब के बीच मैच में डीएफए ने 3 - 2 से जीत दर्ज की। बीसलपुर को ब्रदर फुटबॉल क्लब ने 1-0 से हराया। पहला सेमी फाइनल डीएफए कॉलेज पीलीभीत और राम इंटर कॉलेज के बीच हुआ। जिसमें डीएफ़ए पीलीभीत ने 2 / 0 से मैच जीता। दूसरे सेमी फाइनल में बांसुरी क्लब ने ब्रदर फुटबॉल क्लब को 2-1 से हराया। फाइनल में डीएफ़ए पीलीभीत ने बांसुरी फुटबॉल क्लब को 3-4 से हराकर जीत दर्ज की। निर्णायक मंडल में गीता देवी , अभिषेक सोनकर, अनु, देव सोनकर,अविनाश कुमार शर्मा रहे। वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 60 किलोग्राम वजन में अर्जुन प्रथम, आदित्य द्वितीय रहे। 65 किलोग्राम वजन में नागेश्वर प्रथम, करन द्वितीय, बिल्लू तृतीय रहे। 71 किलोग्राम वजन में विकास प्रथम, कमल द्वितीय, पंकज कुमार तृतीय रहे। 79 किलोग्राम में विवेक राणा प्रथम, रेहान द्वितीय और पंकज कुमार तृतीय रहे

फुटबॉल खेलते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली ✆ 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170

डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808

सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

व्यापारी नेता ने पुलिस पर लगाया पक्षपात का आरोप

शाहजहांपुर,अमृत विचार: आदर्श उद्योग व्यापार मंडल के जिलाअध्यक्ष पंकज वर्मा सराफ एसपी से मिले। उन्होंने कोतवाली पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगाया हे। पीड़ित व्यापारी नेता ने बताया कि उनके खिलाफ पुलिस ने झूठी रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं कर रही है।

उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष पंकज वर्मा पदाधिकारियों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे और एसपी को एक ज्ञापन दिया। उन्होंने बताया कि दीपावली की रात 2 बजे विनायक कपूर नामक व्यक्ति ने उनके बेटों पर स्कूटी चढ़ाने की कोशिश की। विरोध करने आरोपी ने उनके बेटों से गाली-गलौज की। व्यापारी नेता ने चौक कोतवाली में तहरीर दी। पुलिस ने न ही रिपोर्ट दर्ज की।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण संपन्न

प्रशिक्षण में मौजूद आंगनबाड़ी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: समग्र शिक्षा अभियान के तहत ब्लॉक संसाधन केंद्र बरखेड़ा में चल रहे को लोकेटेड आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण संपन्न हो गया ।

इस दौरान कायकर्ताओं को दिव्यांग बच्चों को सामान्य बच्चों के साथ कैसे केंद्र पर नामांकित करना है और उनके साथ किस तरह का व्यवहार करना है आदि सिखाया गया। अभी तक जो व्यवस्था थी उसमें आंगनबाड़ी केंद्रों पर सामान्य बच्चों को ही पंजीकृत करके उनको बुनियादी शिक्षा से जानकारी दी जाती थी दिव्यांग बच्चों को उन आंगनबाड़ी केंद्रों में नामांकित किया जाएगा जो विद्यालय परिसर में ही संचालित हैं। विद्यालय परिसर में ही संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों को कोलोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्र का नाम दिया गया है। बरखेड़ा के ब्लॉक संसाधन केंद्र पर राज्य स्तर से प्रशिक्षण लेकर लौटे स्पेशल एजुकेटर अजय श्रीवास्तव ,राजेश कुमार, अनिल सोनकर ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षित किया। समेकित शिक्षा के तहत यह प्रशिक्षण कराया गया।

न्यूज डायरी

रंगारंग कार्यक्रम कर बच्चों ने मन मोहा

पीलीभीत, अमृत विचार : गोस्वामी मॉम्स प्राइड स्कूल में सरदार पटेल की 150वी जयंती पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया इसे मनाया गया। प्रबंधक निशांत गोस्वामी, चेयरपर्सन डॉ सोनिया गोस्वामी ने दीप प्रज्वलित करके शुरुआत कराई। संविधान निर्माण में सरदार पटेल की भूमिका पर विशेष संवाद, निबंध प्रतियोगिता और काव्य गोष्ठी कराई गई। भाषण और नाटक का मंचन किया गया। प्रिंस, धनुष, आराध्या, जाह्नवी, आयुष, अवनी, अनन्या, अनुदीप, सक्षम, मीनाक्षी, देवांश, युवराज आदि ने कविताओं से सबका मन मोह लिया।

बच्चों ने तैयार किए ज्ञानवर्धक मॉडल

मझोला, अमृत विचार : एसके पब्लिक स्कूल बिरहैनी में शुक्रवार को विज्ञान एवं सामाजिक अध्ययन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपने नवीन विचारों और कल्पनाशक्ति का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विज्ञान और सामाजिक अध्ययन से जुड़े विविध विषयों पर मॉडल तैयार किए। लवप्रीत सिंह ने वायुमंडल की परतों पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किया। यश कुमार ने सौर जल पंप का कार्यशील मॉडल बनाया। नंदिनी ने सूर्य ग्रहण का सुंदर मॉडल प्रस्तुत किया। अनमोल सागर ने प्रदूषण पर उत्कृष्ट प्रोजेक्ट बनाकर ध्यान आकर्षित किया। जसप्रीत, रमन, हरगुन और जसकीरत ने भी ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत किए। इस मौके पर प्रमोद कुमार, जेपी शुक्ला, लक्ष्मी, सिमरन, माहेनिगार, फरहत फातिमा, प्रियंका, मंदीप, वीरेंद्र, रमनदीप,बलजीत आदि मौजूद रहे। प्रधानाचार्य जीवन शर्मा ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

न्याय न मिलने पर दी गांव से पलायन की चेतावनी

पीलीभीत, अमृत विचार : बिलसंडा के ग्राम मुड़िया बिलहरा के निवासी अंकुल शुक्ला पुत्र रामखिलौना ने एसपी को दिए शिकायत पत्र में बताया कि 24 अक्टूबर को वह रास्ते से जा रहे थे। इस दौरान गांव के ही कुछ लोग नशे में गाली गलौज करते हुए आ रहे थे। विरोध करने पर उनको पीटा। जिसमें पैर में फ्रैक्चर हो गया। इसके बाद परिवार को बिना सूचना दिए थाने लाए। आरोप है कि उन्होंने तहरीर दी लेकिन दरोगा ने समझौतो का दबाव बनाया। एससीएसटी एक्ट का मुकदमा भी दर्ज कर दिया गया। इसके अलावा गांव के अन्य कई लोगों पर दर्ज किए गए मुकदमों को भी झूठा बताया। ये चेतावनी दी गई कि अगर उचित कार्रवाई न हुई तो वह पांच नवंबर को गांव से पलायन करने को मजबूर होंगे। शिकायत पत्र पर गांव के ही पवन कुमार, प्रदीप शुक्ला, मनोज कुमार, रिंकल शुक्ला, शिवम, राजेंद्र, सर्वेश शुक्ला, राम सिंह, अनुज, मोनू शुक्ला आदि के भी हस्ताक्षर हैं। इस मामले में एसओ बिलसंडा सिद्धांत शर्मा का कहना है कि अंकुल शुक्ला नशे की हालत में दूसरे पक्ष के घर में घुस गया था। वहां दीवार कूदते वक्त दूसरी तरफ स्थित नाले में गिरा और पैर में चोट आ गई थी।

छात्रों को नए कानूनों के बारे में जानकारी देकर किया जागरूक

पीलीभीत, अमृत विचार : उपाधि महाविद्यालय में शुक्रवार को सुनगढ़ी पुलिस की ओर से जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। दंड से न्याय की ओर विषय पर नये आपराधिक कानूनों के प्रति जागरुकता किया गया। दरोगा भाविका सिंह, हरसिंह पाल आदि ने विद्यार्थियों को न्यायिक प्रक्रिया में नवीनतम बदलावों से परिचित करवाया।

आग्रह किया कि नए कानून संशोधन सें जागरूक रहते हुए अपने अधिकारों की रक्षा करें और अपने कर्तव्यों का पालन करें। इस दौरान नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध और वाद विवाद प्रतियोगिता भी कराई गई। प्राचार्य डॉ .दुष्यंत कुमार ने विद्यार्थियों को अपने अधिकारों की रक्षा करते हुए नए कानूनी प्रावधानों को लेकर जागरुक रहने का पाठ पढ़ाया। संचालन डॉ .राखी मिश्रा ने किया। इस मौके पर डॉ .शैफाली सक्सेना, डॉ .कविता कनोजिया, डॉ .जितेंद्र मिश्रा, दुर्गेश धर द्विवेदी, मुकुल अग्रवाल, यशिता मिश्रा, अंशिका, माही, पूजा, निहारिका आदि मौजूद रहे।

बाबा के कीर्तन में रात भर झूमे भक्त

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: नगर के एक बरात घर में गुरुवार रात खाटू श्याम का छठवां अर्जी महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। रातभर भजनों पर भक्त झूमते रहे। अर्जी काउंटर पर लोगों ने अपनी अर्जी लिखकर बाबा के चरणों में प्रस्तुत की। प्रबंधक सागर गुप्ता ने बताया है कि सभी अर्जी को बाबा के धाम ले जाया जाएगा।

संकीर्तन में वृंदावन धाम से आई भजन गायिका साध्वी पूर्णिमा उर्फ पूनम दीदी ने भजन गाए तो भक्त झूम उठे। खाटू वाले की कृपा से मेरे सब काम हो रहे है ..भजन काफी सराहा गया। नाथनगर बरेली से आए महा मंडलेश्वर शिवानंद महाराज ने भी भजन गाए। लखनऊ से श्याम लाडली के भजनों ने भक्तों को मोहित कर दिया। सेठो में सेठ मेरा खाटू नरेश..सुनकर जयघोष गूंज उठे। अयोध्या के सृजित पांडे ने खाटू श्याम की महिमा का गुणगान किया। संचालन पंडित रितेश तिवारी ने किया। कोलकाता से आया बाबा खाटू श्याम का भव्य दरबार सजाया गया। इस मौके पर अध्यक्ष सचिन वर्मा, प्रांजल गुप्ता, मनी बाथम, अनिल वर्मा, राजेश कुमार, प्रदीप गुप्त, डॉ.रत्नेश गगवार , जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि नितिन पाठक, डॉ.तौलेराम गंगवार, नरेंद्र गगवार, राजेश कुमार, मनोज गुप्ता, अनमोल मित्तल, दिव्या गंगवार, चौधरी प्रदीप पटेल,आशुतोष मिश्रा, अतुल अग्रवाल, प्रदीप गुप्ता, रामजी गुप्ता, विकास वर्मा, मोहित माथुर ,रचित गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बाबा के संकीर्तन में पहुंचे श्रद्धालु। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

घास डालने के विवाद में दंपती की पिटाई

मझगई, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के बल्लीपुर गांव निवासी पीड़िता मीना देवी ने बताया कि उन्होंने अपनी जमीन से घास साफ कर वहीं डाल दी थी। इसी पर पड़ोसी चंद्र भूषण ने आपत्ति जताई और गाली-गलौज करने लगा। मीना देवी ने कहा कि घास उनकी अपनी जमीन पर है, तो चंद्र भूषण आग-बबूला हो गया। पीड़ित दंपती के अनुसार चंद्र भूषण ने घर में घुसकर मीना देवी और उनके पति दयाशंकर को लात-घूसों से पीटा और जान से मारने की धमकी भी दी। भयभीत दंपती ने थाने में शिकायत की है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में आए दिन छोटे-छोटे विवादों पर मारपीट की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, लेकिन पुलिस की ढिलाई से दबंगों के हौसले और बढ़ रहे हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

रोशननगर, अमृत विचार : हैदराबाद थाना अध्यक्ष सुनील मलिक ने बताया कि 29 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज हुई थी कि बांसबेरिया गांव निवासी परवेज एक किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ बहला फुसलाकर भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज की थी। मेडिकल परीक्षण में पुष्टि होने पर दुष्कर्म की धारा बढ़ाई गई थी। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर चालान भेजा है।

किशोरी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पूर्वी दीक्षिताना निवासी एक पीड़िता ने अपनी 17 वर्षीय पुत्री की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। नगर के मोहल्ला पूर्वी दीक्षिताना निवासी संध्या देवी पत्नी सूबेदार सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री प्रतिज्ञा सिंह नगर के पब्लिक इंटर कॉलेज में कक्षा 10 की छात्रा है। वह 29 अक्टूबर बुधवार को विद्यालय से पढ़कर आई और शाम 5 बजे से घर से लापता है। उन्होंने उसकी काफी तलाश की पर कुछ पता नहीं चला। उसने कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

फंदे से लटका मिला महिला का शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना ईसानगर क्षेत्र के गांव ओझा पुरवा निवासी महेश की 30 वर्षीय पत्नी रीता ने गुरुवार को घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतका के परिजनों ने बताया कि गुरूवार की सुबह से ही रीता से कहासुनी हुई थी। इसके बाद यह घटना हो गई।

नये पर्यटन सत्र पर इस तरह सज रहा दुधवा नेशनल पार्क। ● अमृत विचार

नये पर्यटन सत्र पर इस तरह सज रहा दुधवा नेशनल पार्क। ● अमृत विचार

दुधवा नेशनल पार्क परिसर में सैलानियों के लिए तैयार खड़ी जिप्सियां। ● अमृत विचार

नये नियमों के साथ सैलानियों के लिए आज से खुलेगा दुधवा

दुर्लभ वन्य जंतुओं का दीदार कर सकेंगे पर्यटक, प्रथम शिफ्ट में जंगल सफारी रहेगी मुफ्त

संवाददाता, पलिया कलां/ लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः दुधवा नेशनल पार्क स्वच्छंद विचरण करते दुर्लभ वन्य जीवों के साथ अपनी अनूठी जैव विवधता और पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों के लिए सैलानियों को आकर्षित करता है। दुधवा नेशनल पार्क एक नवंबर यानी आज से पर्यटकों के लिख खुल रहा है। प्रदेश के वन राज्य मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना फीता काटकर उद्घाटन करेंगे। पार्क प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

डीटीआर के उपनिदेशक जगदीश आर ने बताया कि इस बार दुधवा का सत्र 15 दिन पहले शुरू हो रहा है। प्रदेश के वन मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना, क्षेत्रीय विधायक रोमी साहनी एवं वन विभाग के प्रदेश स्तरीय उच्च वन अधिकारियों के साथ शनिवार को प्रातः 8:30 बजे पूजन -अर्चन करने के बाद दुधवा के मुख्य प्रवेश द्वार का फीता काट नए पर्यटन सत्र का शुभारंभ करेंगे। दुधवा नेशनल पार्क में भ्रमण के लिए ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा दी गई है। सभी गेस्ट हाउस और थारू हट्स की सफाई, रंगाई-पुताई पूरी कर ली गई है ताकि सैलानियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस बार पर्यटक पहली बार खुले जंगल में चार गैंडों को स्वच्छंद विचरण करते हुए देख सकेंगे। इसके लिए सभी जिप्सी चालकों और गाइडों को निर्देशित किया गया है।

फील्ड डॉयरेक्टर डॉ. एच राजामोहन ने बताया कि देश-विदेश से आने वाले पर्यटक अब यहां स्वच्छंद घूम रहे बाघ, तेंदुए, हाथी, गैंडे आदि दुर्लभ वन्य जंतुओं एवं जंगल की टहनियों से लेकर तालाबों तक में उछल- कूद कर रहे प्रवासी-अप्रवासी अगणित रंग-बिरंगे पक्षियों का दीदार कर सकेंगे। पार्क प्रशासन ने सैलानियों की सुविधा के लिए 47 जिप्सी और 90 प्रशिक्षित गाइडों की तैनाती की है।

स्वच्छंद विचरण करता गैंडा, बाघ और बारहसिंघा। ● अमृत विचार

दुधवा की कुछ खास जानकारियां

- दुधवा पर्यटन परिसर में 14 थारू हट, वन निगम अंडर में दस हट हैं। वन निगम की हट का पिछले वर्ष किराया दो लोगों किराया 5600 जीएसटी सहित साथ में वेलकम टी, नाश्ता शामिल था।
- 20 बेड की एसी युक्त दो डोरमेट्री का किराया 20 हजार व 10 बेड की एसी युक्त डोरमेट्री 10 हजार रुपये। अगर बात प्रति व्यक्ति की करें तो उसे एक हजार प्लस टैक्स देय होगा।

हाथी शावक भवानी और मसककली बनेगी आकर्षण का केंद्र

दक्षिण सोनारीपुर रेंज के सलूकापुर क्षेत्र में पल रहे 25 हाथियों में से एक वर्ष की भवानी और डेढ़ वर्ष की मसककली पर्यटकों का दिल जीतेंगी। सैलानी इन नन्हीं हथिनियों को फल, मिठाई और अन्य खाद्य सामग्री खिलाकर रोमांचित होंगे।

दुधवा में दिखाई देने वाले प्रमुख वन्यजंतु

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान की आठ वन रेंजों में दिखाई देने वाले प्रमुख वन्य जंतुओं में यहां स्वच्छंद विचरण कर रहे बाघ, तेंदुआ जंगली हाथी, गैंडा, भालू, जंगली सुअर, बारहसिंघा, सांभर, चीतल, पाढ़ा, काकड़, नीलगाय, मगरमच्छ, घड़ियाल, लंगूर, सेही खरगोश, लोमड़ी, सियार, वनबिलाव आदि सैकड़ों वन्य जीव -जंतु व अनगिनत आकर्षक प्रवासी-अप्रवासी पक्षी शामिल हैं।

किशनपुर में वास करता है बाघों का कुनबा

दुधवा टाइगर रिजर्व में करीब 153 बाघ वास करते हैं, लेकिन इन बाघों में आधे से अधिक बाघ किशनपुर रेंज में पाये जाते हैं। इसलिये दुधवा आने वाला पर्यटक बाघों के दीदार के लिये किशनपुर जरूर आना चाहता है।

सैलानी ऐसे पहुंचें दुधवा नेशनल पार्क

दुधवा पर्यटन परिसर पहुंचने के लिए सैलानी दिल्ली से बरेली-पीलीभीत-मैलानी- पलिया होते हुए अपने वाहनों से आ सकते हैं, बरेली तक या मैलानी तक ट्रेन से और उसके बाद बस या टैक्सी से दुधवा पहुंच सकते हैं। इसके अलावा दिल्ली से शाहजहांपुर- मैलानी-पलिया होते हुए भी दुधवा पहुंचा जा सकता है। इसी तरह लखनऊ से लखीमपुर-पलिया होते हुए दुधवा तक के लिए अपने वाहन अथवा बसों से आना सुविधाजनक होगा।

उद्घाटन समारोह में इनकी भी रहेगी मौजूदगी

दुधवा टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक जगदीश आर. ने बताया कि इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रदेश के वन मंत्री व क्षेत्रीय विधायक के अलावा प्रदेश के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन के प्रमुख सचिव अनिल कुमार, प्रधान वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव उत्तर प्रदेश अनुराधा बैमुरी, निदेशक डीटीआर डॉ .एच. राजा मोहन आदि शामिल होंगे।

यहां होता है सैलानियों व बाघों का आमना-सामना

किशनपुर क्षेत्र के सबसे अधिक बाघों की साइटिंग होती है। इसके अलावा गुलरी घाट, घघरौला व सोनारीपुर में टाइगर की जबरदस्त सैलानियों को दिखता है

थारू संस्कृति का अनोखा अनुभव

इस सत्र में आने वाले सैलानी पहली बार चंदन चौकी के थारू शिल्पग्राम में जाकर आदिवासी थारू समाज की संस्कृति से रूबरू हो सकेंगे। यहां पर्यटक थारू समाज के रहन-सहन, खानपान, परिधान, गीत-संगीत और त्योहारों को करीब से जान पाएंगे।

रंगदारी, लूट व पिटाई के आरोपी ने कोर्ट में किया समर्पण

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- **बजरंगदल विभागाध्यक्ष देव जुनेजा का जमानत प्लान फेल**
- **सलाखों के पीछे पहुंचा, दो आरोपी पहले ही जा चुके जेल**

अमृत विचार: रंगदारी और लूट के चर्चित मामले में फरार चल रहा बजरंगदल सीतापुर विभागाध्यक्ष देव जुनेजा आखिरकार पुलिस की आंखों में धूल झोंकते-झोंकते खुद कोर्ट में सरेंडर कर बैठा। तीन महीने से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

राजापुर चौकी के पास वीरू दा ढाबा है। आठ अगस्त 25 की रात करीब साढ़े नौ बजे ढाबा संचालक वीरेंद्र कुमार शर्मा के साथ मारपीट और ढाबे में तोड़फोड़ हुई थी। ढाबा संचालक वीरेन्द्र विश्वकर्मा का आरोप था कि शहर की आवास विकास कालोनी निवासी रोहित शर्मा, अर्पण शुक्ल और सुंदरपुरम निवासी देव जुनेजा उसके ढाबे के सामने किसी से रंगदारी मांग रहे थे। देव जुनेजा बजरंग दल के सीतापुर विभागाध्यक्ष हैं। ढाबा संचालक का आरोप है कि तीनों आरोपी कुछ देर बाद अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ उसके ढाबे पर आए और खाना खाकर जाने लगे। उसने जब खाने के रुपए मांगे तो भुगतान करने से इनकार कर दिया। ऊपर से सुरक्षा के नाम पर पांच हजार रुपए की रंगदारी मांगने लगे। उन्होंने इसका विरोध किया।

आरोप है इस पर भड़के देव जुनेजा ने तमंचा निकालकर उनके सिर पर जोरदार वार किया। बाकी साथियों ने भी घेर कर जमकर मारा पीटा। काउंटर से बीस हजार रुपये नकद और गले से सोने की चेन लूट ली। हमलावर जाते-जाते जान से मारने की धमकी देते रहे। इस दौरान देव जुनेजा ने कहा कि मैं हिंदू संगठन का नेता हूं, कहीं भी जाओ, कोई कुछ नहीं कर सकता। सूचना के बाद भी चौकी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।

कोतवाली सदर पुलिस ने बजरंग दल सीतापुर के विभागाध्यक्ष देव जुनेजा समेत तीनों आरोपियों के खिलाफ रंगदारी, लूट और मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर 12 अगस्त तो आवास विकास निवासी अर्पण शुक्ला और 14 अगस्त को रोहित शर्मा को गिरफ्तार कर चालान भेजा था, लेकिन देव जुनेजा पुलिस के हाथ नहीं आ रहा था। पुलिस उसके घर पर लगातार दबिश दे रही थी। इधर देव जुनेजा पुलिस को गच्चा देकर कोर्ट में लगातार जमानत की अर्जी लगा रहा था, लेकिन हर बार न्यायालय ने उसे खारिज कर दिया। आखिरकार शुक्रवार को उसने खुद कोर्ट में सरेंडर कर दिया।

कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने कस्टडी में लेकर उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि अब इस पूरे प्रकरण की चार्जशीट जल्द दाखिल की जाएगी। शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि देव जुनेजा ने कोर्ट में सरेंडर किया है। उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।

बंदियों से लिया सुविधाओं का फीडबैक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः जेल में बंदियों को दी जा रही सुविधाओं, कारागार की साफ-सफाई व अन्य व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने के लिए मंगलवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) पवन गौतम के साथ जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पड़ताल की।

डीएम ने बंदी ग्रह में जाकर बंदियों का हालचाल जाना एवं खाने-पीने के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही जेल प्रशासन को जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न बैरिकों में जाकर बंदियों से मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कारागार में साफ-सफाई व्यवस्था मिलने पर संतोष व्यक्त किया। निर्देश दिए कि इसी प्रकार प्रतिदिन जेल में साफ-सफाई बनाए रखी जाए। बंदियों से बात कर सुविधाओं का फीडबैक लिया। डीएम-एसपी ने जेल के बैरक, पाकशाला, अस्पताल, आदि का निरीक्षण किया। बंदियों से वार्ता कर स्थिति का जायजा लिया। उनकी समस्याओं के निस्तारण के लिए जेल अधिकारियों को निर्देश दिया।

उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल कक्ष का अवलोकन किया। उन्होंने एक-एक कैमरे के जरिए पूरे परिसर की गतिविधियों को देखा। निर्देश दिए कि इस कंट्रोल कक्ष के माध्यम से भी सतत निगरानी की जाए। निरीक्षण के दौरान कारागार अधीक्षक पीडी सलोनिया, जेलर देवकांत वर्मा, धीरेंद्र प्रताप सिंह राठौर, प्रतिभा सिंह सेंगर मौजूद रहे।

जेल में निरीक्षण करतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल। ● अमृत विचार

- **डीएम ने किया जिला कारागार का निरीक्षण, दिए निर्देश**

बेमौसम बारिश ने तोड़ी किसानों की कमर

संवाददाता, मूड़ा सवारान

- **खेतों में सैकड़ों एकड़ धान की फसल हुई अंकुरित**

अमृत विचार: मानसून की विदाई के बाद भी हो रही बारिश ने पारा तो लुढ़काया साथ ही किसानों दुःखी कर दिया है। खेतों में खड़ी और कटी पड़ी धान की फसल के सड़ने और अंकुरित होने की आशंका बलवती हो गई है। बारिश जारी रही और हवा का साथ मिला तो फसलें तबाह हो जाएंगी।

बेमौसम बारिश को मोंथा चक्रवात का असर बताया जा रहा है। एक दिन पूर्व बारिश के बाद हल्की धूप निकली और दिन में गर्मी जैसा एहसास रहा तो गुरुवार को सुबह से ही बादलों ने आसमान पर ऐसा कब्जा जमाया कि दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रही दिन का तापमान लुढ़क कर 21 डिग्री पहुंच गया, सड़कों पर यातायात भी सिमट गया। किसानों के सामने इन दिनों बड़ी मुसीबत आ गई है। देर से धान लगाने वाले किसानों के खेतों में काटने को तैयार फसल एवं कटी फसल के बनाए गए बोझ बारिश से भीग गए हैं। इसी तरह आलू सरसों के जमाव में देरी करने वाले किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गोला खेल महोत्सव की शुरुआत आज से

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः छोटी काशी में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए पहली बार नगर पालिका परिषद द्वारा शुरू हो रहे गोला खेल महोत्सव की शुरुआत एक नवंबर से मैराथन दौड़ के साथ होगी।

छोटी काशी की खेल प्रतिभाएं निखरे, नगर, जनपद, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपनी पहचान बनाएं, इसके लिए नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने नई पहल की शुरुआत कर गोला खेल महोत्सव की शुरुआत कराई है। उन्होंने पालिका सभागार में नगर के सामाजिक संगठनों, व्यापार मण्डल तथा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के संयोजकों से साथ बैठक कर सेवानिवृत्त खेल शिक्षक श्याममूर्ति शुक्ला के निर्देशन में एक से 14 नवम्बर तक मैराथन, एथलीट, कबड्डी, वालीबॉल, बास्केटबॉल, खो-खो, क्रिकेट, टेबल टेनिस, फुटबॉल, शतरंज, बैडमिन्टन, ताइक्वांडो, हॉकी आदि 13 खेलों की प्रतियोगिताए होंगी। नगर पालिका अध्यक्ष नें बताया कि गोला खेल महोत्सव स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के अन्तर्गत, युवा शक्ति के उत्सव के रुप में होगा, जिसमें युवाओं की सहभागिता, सामाजिक संगठनों, व्यापार मण्डल, शिक्षण संस्थानों एवं समाजसेवियों का सहयोग रहेगा।

पत्रकारों को महोत्सव की जानकारी देते पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू।

- **सरदार पटेल जयंती को समर्पित मैराथन दौड़ से होगा महोत्सव का आरंभ**

बताया कि महोत्सव में एक नवम्बर को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती को समर्पित मैराथन दौड़ राजेन्द्र गिरि स्टेडियम से प्रारंभ होकर अशोक चौराहा, मोहमदी रोड, पुराने बाईपास से विकास चौराहा, अशोक चौराहा से अलीगंज रोड आदि से लखीमपुर रोड से स्टेडियम में समाप्त होगी। जिसमें 103 से अधिक लोग भाग लेंगे।

टीआरबी विधि से गन्ना बुवाई की दी जानकारी

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः धुमराडीह कृषि फार्म पर उन्नकिसेस कृषि कोचिंग संस्थान के संरक्षक विनीत सिंह भदौरिया ने बताया कि टीआरबी विधि से गन्ना बुवाई कर अंतः फसल के रूप में सरसों की बुवाई की गई। पेअर रो मेथड डेढ़ फीट दूर नाली बनाकर उसके बीच में एक बड़ी मेड़ ढाई फीट की दूरी पर बनाई गई। मेंढ़ पर सरसों की अंतः फसल आसानी से ली जा सकेगी। अंतः फसल कटाई के बाद मेंड़ की मिट्टी को गन्ने पर चढ़ाया जाएगा और मेंड़ की जगह नाली बन जाएगी। कुंभी चीनी मिल के प्रबंधक हरीराम वर्मा, गन्ना पर्यवेक्षक धर्मपाल सिंह, फार्म प्रबंधक धीर सिंह, सर्वेश भदौरिया, बलट्टर सिंह आदि मौजूद रहे।

अजबापुर चीनी मिल का पेराई सत्र आरंभ

संवाददाता, पसगवां

विचारः शुक्रवार को अजबापुर चीनी मिल के गन्ना पेराई सत्र का यज्ञ के साथ आरंभ हुआ।

डीसीएम श्रीराम लिमिटेड शुगर एंड डिस्टलरी यूनिट अजबापुर के पेराई सत्र के मुख्य अतिथि विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह, शुगर समूह के अधिशासी निदेशक व सीईओ रोशन लाल टामक, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर आशुतोष त्रिपाठी, यूनिट हेड प्रभात कुमार सिंह ने सबसे पहले बैलगाड़ी लाए रामस्वरूप और ट्राली तुलवाने वाले राम महेश अवस्थी को तिलक लगाकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। बैलों का तिलक लगाकर माल्यार्पण किया।

मुख्य अतिथि, मिल के अधिकारियों व संभ्रांत कृषकों ने नारियल फोड़कर डोगा में गन्ना डाला। इससे पहले अयोध्या से आए यज्ञाचार्य पंडित रमोज वत्स और उनके सहयोगी पंडित राजेश शास्त्री व पंडित कमलेश शास्त्री आदि ने यज्ञ में संपन्न कराया। गायों की पूजा कर उनके चरण छूए। इस अवसर पर हरियावां चीनी मिल के यूनिट हेड प्रदीप त्यागी, एचआर हेड केएन राय, केन हेड डा हरेंद्र त्रिपाठी, जिला पंचायत सदस्य अनूप कुमार सिंह, विजय मिश्र आदि मौजूद रहे।

जब आपको हमारी जरूरत, हम हैं आपके साथ

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- **वृद्धाश्रम कोन में किया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन**

अमृत विचारः राष्ट्रीय वृद्धजन देखभाल कार्यक्रम के तहत बुजुर्ग देखभाल माह के समापन पर शुक्रवार को वृद्धाश्रम कोन में एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सीएमओ संतोष गुप्ता ने वृद्धजनों से कहा कि अब जब आपको हमारी आवश्यकता है, हम आपके साथ हैं।

मुख्य अतिथि सीएमओ ने आश्रम में रह रहे वृद्धजनों से बातचीत की। उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और व्यक्तिगत रूप से सभी से मिले। उन्होंने असमर्थ बुजुर्गों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से सहारा देने के लिए छड़ियां वितरित कीं और कहा कि आप लोगों ने अपने जीवन में समाज और देश के विकास में अमूल्य योगदान दिया है। अब जब आपको हमारी आवश्यकता है, तब हम आपके साथ हैं। स्वास्थ्य विभाग आपकी सेवा में तत्पर रहेगा। सीएमओ ने बताया कि विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसमें रक्तचाप, शुगर, दंत, नेत्र और मानसिक स्वास्थ्य जांच शामिल रही। दवाएं भी वितरित की गईं।

वृद्धाश्रम में कार्यक्रम को संबोधित करते सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता।

उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि जिन वृद्धजनों के आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड अभी तक नहीं बने हैं, उनके लिए तत्काल शिविर लगाकर कार्ड बनवाए जाएं, ताकि किसी भी बुजुर्ग को उपचार के लिए आर्थिक कठिनाई न झेलनी पड़े। शिविर में वृद्धाश्रम के सभी अधिकारी-कर्मचारी, स्वास्थ्य विभाग की टीम और चिकित्सक मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन वृद्धजनों को पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य परामर्श वितरित कर किया गया।

बाघ ने गोवंशीय पशु को बनाया निवाला

संवाददाता, संसारपुर

अमृत विचारः वन रेंज मैलानी की भरिगवां बीट के तहत ग्राम पंचायत कस्बा संसारपुर के मजरा बोझिया के पास गन्ने के खेत में बाघ ने गोवंशीय पशु को निवाला बना लिया। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

हर पांच या छह महीने में बाघ और तेंदुआ का हमला होता रहता है। पूरा क्षेत्र गन्ने का है, जिससे वन्यजीवों को आसानी से छिपने का आश्रय मिल जाता है। गुरुवार रात गांव बोझिया निवासी वेदप्रकाश वर्मा के केले के खेत से बाघ ने गोवंशीय पशु को मार डाला। उसका अधखाया शव अयोध्या प्रसाद के गन्ने के खेत में बरामद हुआ। वन विभाग हरकत में आया और फॉरेस्टर प्रदीप कुमार पांडेय टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वनरक्षक सागर कुशवाहा ने खेत में बने पगचिह्न को देखकर बाघ के होने की पुष्टि की। मृत पड़े गोवंशीय पशु के अवशेष को गड्ढा खोदकर मिट्टी में दफन कराया।

फॉरेस्टर प्रदीप पांडेय ने बताया बाघ की मौजूदा लोकेशन जंगल की तरफ जा रही है। उन्होंने कहा लोगों से कहा कि खेतों पर अकेले न जाएं अगर जाएं तो समूह में जाएं। वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है सभी लोग सतर्क रहें। आसपास के क्षेत्र में इस खबर से लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

राजापुर से सौजन्या चौक तक होगा फोरलेन निर्माण

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- **सीडीओ ने किया निरीक्षण, बिजली विभाग को दी कड़ी चेतावनी**
- **नहरिया से सौजन्या तक चिह्नित पोल 10 दिन में हटाए विभाग**

अमृत विचारः शहर की डॉन बॉस्को नहरिया से सौजन्या चौक मार्ग पर आमजन की परेशानी का सबब बने खतरनाक बिजली पोलों से अब जल्द राहत मिलेगी। सीडीओ अभिषेक कुमार ने शुक्रवार को राजापुर चौराहे से सौजन्या चौक तक निरीक्षण कर फोरलेन परियोजना का जायजा लिया और बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ भ्रमण कर एक-एक खतरनाक पोल को स्वयं चिह्नित किया।

सीडीओ ने कई जगह पोल सड़क के बीचोबीच देखे तो वे भड़क गए। बिजली विभाग के अफसरों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि 10 दिन के भीतर सभी खंभे हट जाएं, किसी भी स्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने खुद पोलों के फोटो खिंचवाकर निगरानी का रिकॉर्ड तैयार करने के भी निर्देश दिए।

सड़क पर रखे ट्रांसफार्मर और पोलों को हटाने का निर्देश देते सीडीओ अभिषेक कुमार।

सीडीओ ने मौके पर ही राजापुर चौराहे से डॉन बॉस्को नहरिया तक चल रहे फोर-लेन निर्माण कार्य की भी समीक्षा की। पोल शिफ्टिंग कार्य की गति देखकर उन्होंने संतोष जताया, लेकिन साथ ही बचे हुए 10 प्रतिशत पोल शिफ्टिंग कार्य को आज शाम तक पूरा करने का अल्टीमेटम दिया। शहरवासी अब और परेशान न हों, काम तेजी से पूरा किया जाए। अधिकारियों ने मौके पर ही पोल शिफ्टिंग की कार्रवाई तेज करने का आश्वासन दिया।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार,1 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खीरी क्षेत्र के गांव झसिया निवासी छैल बिहारी के 26 वर्षीय बेटे राम किशोर की गुरुवार को जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने बताया कि दीवाली के दिन गांव के कुछ लोगों से राम किशोर का विवाद हुआ था। इस दौरान पिटाई से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। हालत में सुधार न होने पर डाक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया था। लखनऊ में इलाज के बाद फायदा न होने पर परिजन राम किशोर को फिर से जिला अस्पताल ले आए और भर्ती करा दिया। जहां गुरुवार की शाम उसकी मौत हो गई।

पत्नी ने पति पर दर्ज कराई मारपीट की रिपोर्ट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर के विकास चौराहा निवासी एक महिला ने अपने पति के नामजद मारपीट और गाली गलौज करने की रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। नगर के विकास चौराहा बांकेगंज रोड निवासी मीनाक्षी श्रीवास्तव ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसका पति दीपक श्रीवास्तव पुत्र राजेंद्र बहादुर श्रीवास्तव उसके और बच्चों के साथ आए दिन मारपीट और गाली गलौज करते हैं। 28 अक्टूबर मंगलवार की रात उसके पति ने उसकी बेटी को मारपीट कर घायल कर दिया। उसने आरोप लगाया कि उसका पति पुलिस के सहयोग से उसे जान से मार देना चाहते हैं। उसने अपने पति दीपक श्रीवास्तव के नामजद रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

पांच पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह ने थाना भीरा क्षेत्र के गांव पिपरिया झाऊ निवासी दिनेश पासी पुत्र सुरेंद्र पासी, रमेश कुमार पुत्र स्वामी दयाल, बृजेश कुमार पुत्र विष्णु पासी, पंचम पासी पुत्र दुजई और थाना फूलबेहड़ क्षेत्र के गांव मतईपुरवा निवासी पासी पुत्र संबारीलाल के नामजद गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है। उन्होंने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया की यह लोग आर्थिक एवं भौतिक लाभ हेतु गैंग बनाकर हत्या जैसे जघन्य अपराध करने के अभ्यस्त है। क्षेत्र में इस गैंग का इतना आतंक है कि लोग पुलिस को भी सूचना देने से डरते हैं। उन्होंने पांचों के नामजद गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है।

राह नहीं, सजा बन गया विलोबी मैदान रोड

पटरियां खोदकर प्रशासन ने बढ़ाई परेशानी, जाम और हादसों से परेशान लोग, स्कूली बच्चों को भी दिक्कत

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

सड़क पर लगा जाम। ● अमृत विचार

पटरियों की उखाड़ी गईं ईंटों के लगे ढेर। ● अमृत विचार

अमृत विचारः शहर की प्रमुख सड़क शहपुरा कोठी से विलोबी हाल होते हुए हमदर्द चौराहा तक इन दिनों लोगों के लिए राह नहीं, रोज की सजा बन चुकी है। प्रशासन ने सड़क के दोनों किनारों की पटरियां खोदकर अधूरा छोड़ दिया है। इससे जहां ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त हो गई है, वहीं आसपास के दुकानदारों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्कूली नन्हे-मुन्ने बच्चों को भी जोखिम उठाना पड़ रहा है।

शहपुरा कोठी से कंपनी बाग होते हुए हमदर्द चौराहा तक जाने वाली यह प्रमुख सड़क है। इसी मार्ग पर दो स्कूल, मुख्य डाकघर भी है। शहर का प्रमुख मार्ग होने के कारण इस मार्ग पर काफी भीड़ भाड़ होती है। यह मार्ग भी काफी खस्ता हाल है। उस मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे सरकार के गड्ढा मुक्त अभियान को मुंह चिढ़ा रहे हैं। प्रशासन ने पखवाड़े भर पहले मरम्मत कराने के लिए सड़क के दोनों किनारों पर लगी इंटरलॉकिंग उखड़वा दी थी। उसके बाद उसमें मिट्टी युक्त पत्थरों के टुकड़ों के जगह-जगह ढेर भी लगा दिए। इन ढेरों को अभी तक फैलाया नहीं जा सका है। इससे सुबह से लेकर देर शाम तक हर मिनट में सड़क पर जाम की स्थिति आम हो चुकी है।

स्कूल जाने वाले बच्चों, ऑफिस कर्मचारियों और एंबुलेंस तक को निकलने में काफी परेशानी हो रही है। सड़क संकरी होने से वाहनों को पास होने में मशक्कत करनी पड़ती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पटरियां खोदने के बाद कोई चेतावनी बोर्ड या बैरिकेडिंग नहीं लगाई गई। रात के अंधेरे में सड़क के किनारे पड़े पत्थरों और गड्ढों की वजह से कई बार बाइक सवार गिरकर घायल हो चुके हैं। लेकिन इसके बावजूद संबंधित विभाग आंख मूंदे बैठा है। राहगीर रवि शुक्ला ने बताया एक हफ्ते से पहले से सड़क खोदी हुई है, लेकिन कोई मरम्मत कार्य नहीं हो रहा। सुबह से शाम तक जाम में फंसे रहना आम बात हो गई है। वहीं गृहिणी रीना वर्मा ने कहना है कि वह बच्चों को स्कूल छोड़ने आती और जाती हैं।

सड़क पर निकलना मुश्किल हो गया है। बच्चों को स्कूल छोड़ना अब खतरे से खाली नहीं रहा है। दुकानदारों का कहना है कि पटरियां खोदने से ग्राहक दुकान तक पहुंच ही नहीं पाते। बिक्री पर भी असर पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि बिना किसी ठोस योजना और वैकल्पिक व्यवस्था के सड़क खोदना जनता के साथ खिलवाड़ है। यह जनहित कार्य नहीं, जनता की परेशानी बन चुका है। स्थानीय नागरिकों ने डीएम और नगर पालिका से हस्तक्षेप की मांग करते हुए तत्काल पटरियां दुरुस्त करने, सड़क किनारे पड़े पत्थरों व मलबे को हटवाने और ट्रैफिक व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

एसडीएम सदर अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि वह यातायात सुचारू रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिए गए हैं, ताकि स्कूली बच्चों और लोगों को आने-जाने में कोई दिक्कत न हो और आराम से आवागमन हो सके।

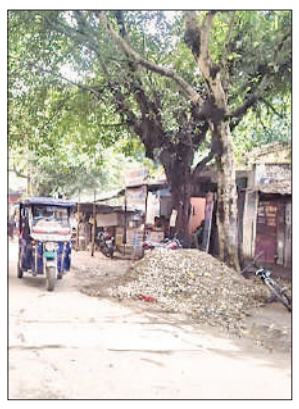

मिट्टी युक्त पत्थरों के लगा ढेर।

सालाना इजलास ए आम 'बेटियां रहमत हैं' का आयोजन

इजलास ए आम में खिताब पेश करते मौलाना। ● अमृत विचार

संवाददाता, बरवर

● सब्जी मंडी में किया गया कार्यक्रम का आयोजन

अमृत विचारः नगर की सब्जी मंडी में एक दिवसीय सालाना इजलास ए आम बेटियां रहमत हैं का आयोजन एडवोकेट तौफीक खां और जमील बेग के संयोजन में संपन्न हुआ। इसमें दूर दराज से आए तमाम उलेमा ए इक़राम ने अपने ख़िताब पेश किए।

मेहमान खूसूसी दारुल उलूम देवबंद वक्फ के मोहतमीम मौलाना सुफियान साहब कासमी ने अपने बयान में कहा की मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने बेटियों को रहमत बताया है। उस वक्त के जमाने जहिलियत में बेटियों को जिंदा दफन कर दिया जाता था, उस वक्त आका सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने समाज को आईना दिखाते हुए बेटियों की हिफाजत के लिए व उनकी अच्छी परवरिश के लिए समाज में जोर दिया। आज हम सभी लोग उनके दिखाए हुए रास्ते पर शपथ लें कि बेटी किसी की हो, बेटियां बेटियां होती हैं।

मोहम्मदी से तशरीफ लाये मुफ्ती अहसानुल्लाह साहब ने अपने बयान में कहा समाज में व्याप्त दहेज रस्म खत्म होनी चाहिए तथा बरात में कम लोग जाएं, जिससे लड़की वालों पर कम बोझ पड़े। दारुल उलूम देवबंद वक्फ के उस्ताद मुफ़्ती इजहारुल हक ने कहा कि बेटियों की शिक्षा पर जोर देना चाहिए। मोहम्मदी के मौलाना इस्लामुल्हक असजद मियां कासमी, शाहजहांपुर से आए मुफ्ती हुसैन कसमी ने भी बयान पेश किए। इस दौरान इजलास ए आम की निज़मत मौलाना उबैद अख्तर कासमी ने की। सदारत मौलाना वासिफ हसन वाइजी साहब लखनऊ ने की। शायरे इस्लाम मुफ़्ती तारिक जमील मौजूद रहे।

खाटू श्याम की भक्ति और उल्लास के रंग में रंगा कस्बा

संवाददाता, निघासन

गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा निकालते श्याम भक्त। ● अमृत विचार

● खाटू श्याम के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर शोभायात्रा में बड़ी संख्या में शामिल हुए भक्त

अमृत विचारः खाटू श्याम के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को निघासन कस्बा भक्ति और उल्लास के रंग में रंग गया। कस्बे के नानक नगर स्थित खाटू श्याम मंदिर से भक्तों ने बड़े धूमधाम के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जिनकी मौजूदगी से गलियां श्याम नाम के जयघोषों और भक्ति गीतों से गूंज उठीं।

सुबह से ही मंदिर परिसर को फूलों, झालरों और रंगीन लाइटों से सजाया गया था। रथ पर सजे बाबा खाटू श्याम की अलौकिक प्रतिमा को देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो उठे। भक्तों ने हाथों में ध्वज और पताका लेकर नाचते-गाते हुए शोभायात्रा में भाग लिया। शोभायात्रा खाटू श्याम मंदिर से शुरू होकर सिंगाही रोड, पलिया रोड, मुख्य बाजार होते हुए पुनः मंदिर परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं और समाजसेवियों ने फूलों की वर्षा कर यात्रियों का स्वागत किया। कई स्थानों पर भक्ति संगीत और जलपान व्यवस्था की गई थी।

मंदिर में लौटने के बाद पंडितों द्वारा वेद मंत्रों के साथ बाबा श्याम का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। पूजा के पश्चात भक्तों ने आरती में भाग लिया और बाबा से परिवार, समाज और देश की खुशहाली की कामना की। शोभायात्रा के सफल आयोजन में जगदीश शर्मा, अनिल मौर्य, अशोक तिवारी, व्यापार मंडल अध्यक्ष आनंद चतुर्वेदी, अशोक चौबिया, मनोज श्रीवास्तव सहित कई गणमान्य नागरिकों का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम के समापन पर मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। वातावरण में चारों ओर श्याम तेरी भक्ति का संसार दीवाना है, जैसे भजनों की गूंज देर रात तक बनी रही। भक्तों ने कहा कि खाटू श्याम जी के जन्मोत्सव से पहले इस शोभायात्रा ने पूरे कस्बे को भक्ति और सौहार्द के माहौल में एकजुट कर दिया।

व्यापारी बोले, आश्वासन नहीं नतीजा चाहिए

संवाददाता, पलिया कलां

● सीओ ऑफिस के पास व्यापारी के घर 50 लाख की चोरी का सुराग नहीं

अमृत विचारः दुधवा रोड स्थित प्रतिष्ठित व्यापारी रामचंद्र गुप्ता के घर में हुई 50 लाख से अधिक की चोरी ने नगर की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना को 24 घंटे से अधिक समय गुजर चुका है, लेकिन पुलिस अब तक खाली हाथ है। इससे नगर के व्यापारियों में भय और आक्रोश का माहौल है। व्यापारियों ने सीओ से मुलाकात की और दो टूक कहा कि हमें आश्वासन नहीं खुलशा चाहिए।

दुधवा रोड पर सीओ ऑफिस के निकट रहने वाले व्यापारी रामचंद्र गुप्ता 26 अक्टूबर को परिवार के साथ बालाजी धाम दर्शन के लिए गए थे। चोरों ने मुख्य दरवाजे और अलमारी के ताले तोड़कर लगभग 50 लाख के जेवरात और 2 लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। घर लौटने पर टूटे ताले और बिखरा सामान देखकर परिवार के होश उड़ गए। सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच कर लौट गई, लेकिन एक दिन बाद भी न तो पुलिस कोई ठोस सुराग जुटा पाई और न ही किसी संदिग्ध की पहचान हो सकी।

घटना से आक्रोशित नगर व्यापार मंडल पलिया के पदाधिकारी शुक्रवार को पीड़ित व्यापारी के घर पहुंचे और पूरी जानकारी ली। व्यापारियों ने इसे पुलिस की पूर्ण लापरवाही और गश्त व्यवस्था की नाकामी बताया। इसके बाद अध्यक्ष गौरव गुप्ता और महामंत्री जसबीर फ्लोरा के नेतृत्व में व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने सीओ पलिया से मुलाकात कर विरोध दर्ज कराया। व्यापारियों ने कहा कि जब सीओ कार्यालय से कुछ ही दूरी पर चोरी हो सकती है, तो नगर की बाकी गलियों और मोहल्लों में आम जनता कितनी सुरक्षित है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। व्यापार मंडल ने मांग की कि पुलिस को न सिर्फ चोरी का शीघ्र खुलासा करना चाहिए, बल्कि नगर में रात्रि गश्त को मजबूत और नशे व जुए के बढ़ते कारोबार पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

सीओ ने व्यापारियों को शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया, लेकिन व्यापारियों ने साफ कहा कि अब व्यापारियों को आश्वासन नहीं, नतीजा चाहिए। इस मौके पर राजेश गुप्ता (तहसील महामंत्री), देवेंद्र अरोड़ा (उपाध्यक्ष), फिरोज खान, ताराचंद गुप्ता, रघुनाथ राठौर सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

1400 मीटर संपर्क मार्ग का जल्द होगा निर्माण

संवाददाता, मैगलगंज

● अलियापुर तिराहा से चपरतला अंडरपास तक बनेगा मार्ग

● गन्ना डायरेक्टर के पत्र पर डीसीएम ग्रुप अजबापुर की पहल

सर्वे के दौरान मौजूद गन्ना डायरेक्टर अनिल राठौर व मिल के अधिकारी।

अमृत विचारः क्षेत्र के गन्ना किसानों के लिए एक खुशी की बात यह है कि जल्द ही क्षेत्र के अलियापुर तिराहा से पब्लिक इंटर कॉलेज के पास से संपर्क मांग की शासन से स्वीकृति होने के बाद शीघ्र ही लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क बनाई जाएगी। क्षेत्रीय गन्ना डायरेक्टर अनिल राठौर के द्वारा इस सड़क को लेकर बराबर चीनी मिल अधिकारियों से प्रयास किए जा रहे हैं। अफसरों ने अलियापुर तिराहा पर सर्वे भी किया।

हाल ही में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर सड़क सुरक्षा सप्ताह आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के गन्ना डायरेक्टर अनिल राठौर ने गन्ना किसानों की इस समस्या को प्रमुखता के साथ उठाया था। साथ ही क्षेत्रीय चीनी मिल डीसीएम अजबापुर भी इस सड़क की पैरवी कर रहा है। सब कुछ सही रहा तो जल्द ही लोक निर्माण विभाग द्वारा 1400 मीटर सड़क का निर्माण शुरू कर दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश शासन के सचिव अभिषेक गंगवार ने प्रमुख अभियंता विकास एवं विभागाध्यक्ष लोक निर्माण विभाग को कार्रवाई के लिए पत्राचार कर जल्द ही इस सड़क को स्वीकृत कराए जाने का निर्देश दिया है। इस सड़क के निर्माण हो जाने से क्षेत्र के तमाम गन्ना किसानों के साथ-साथ क्षेत्र के अन्य लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा और हाईवे पर हो रही दुर्घटनाओं से भी निजात मिल सकेगी।

क्षेत्र की जनता इस पहल के लिए गन्ना डायरेक्टर अनिल राठौर व डीसीएम अजबापुर को धन्यवाद ज्ञापित कर रही है। डीसीएस ग्रुप के निदेशक सीईओ रोशन लाल टामक ने बताया यह सड़क हमारे प्रमुख आगे एजेंडे में है, जल्द ही लोक निर्माण विभाग के द्वारा इस सड़क का निर्माण शुरू होगा। इस सड़क के निर्माण को लेकर नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरुजी, क्षेत्रीय विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह समेत कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू के ने भी पत्राचार किया है।

बढ़ते पाप को देख गंगा, गाय और देवता दुःखी

संवाददाता, पसगवां

● जंगबहादुरगंज में चल रही श्री शिव महापुराण कथा

अमृत विचारः जंगबहादुरगंज में चल रही श्री शिव महापुराण कथा में प्रशान्त प्रभु महाराज ने कहा कि तपस्या में लीन संतो के हृदय में निवास करने वाले साक्षात शिव की कृपा कैसे होगी। यह सोच कर गंगा, गाय व देवता सभी दुःखी हैं। संसार में पाप बढ़ गया है। लोगों ने धन को ही भगवान और ईश्वर को असत्य मान लिया है।

पाप की कमाई टिकाऊ नहीं होती है इसलिए मनुष्य को धर्म करना चाहिए। मनुष्य उस सत्यम परम परमात्मा से लोग विमुख हो रहा है।

कथा में कहा कि नारायण के सम्मुख समस्त देवताओं के साथ उपस्थित होकर महर्षि नारद ने कहा हे गोविंद हम सब आप की शरण में आए हैं। श्री हरि नारायण की कृपा व मार्गदर्शन के बाद जब नारद मुनि हिमालय के घर पहुंचे तो उन्होंने भक्ति के साथ उनका स्वागत सत्कार किया। हिमालय राज की पत्नी मैना देवी ने महर्षि से पुत्री लाली का हाथ देखने का आग्रह किया। सब कुछ जानते हुए भी महादेवी का हाथ देखना शुरू किया।

शैवाचार्य प्रशांत प्रभु महाराज।

नारद ने कहा लाली का पति भिक्षुक होगा, बाघम्बर धारी होगा, अमंगल हारी साक्षात ईश्वर होगा। सुनो तुम्हारी पुत्री तपस्वी, योगी, माता-पिता को मान देने वाली सर्वगुण संपन्न होगी। देवी लाली को दीक्षा देते हुए देवर्षि ने बताया कि पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर नित्य बेलपत्र में कुमकुम व चंदन लगाकर भगवान शिव के 1008 नाम का जप करते हुए पूजन से सौभाग्य की प्राप्ति होगी। शिवलिंग पर जल चढ़ाने से शनि व केतु दोष मुक्त हो जाते हैं। गाय के दूध से जलाभिषेक करने पर रोग नष्ट के साथ संतान का सुख प्राप्त होता है।

गेहूं से 1008 नाम लेकर अभिषेक करके वही गेहूं गोमाता को खिलाने पर पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है। ऐसा मनुष्य को शिवरात्रि व अष्टमी को करना चाहिए। भगवान शिव संध्या के समय पूजन करने से अभिषेक करने से बहुत पसंद होते हैं। प्रातः काल और रात्रि के समय नियमित भजन और पूजन करना चाहिए।

धड़ल्ले से हो अवैध खनन, प्रशासन मूकदर्शक

मझगई, अमृत विचारः थाना क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का कारोबार खुलेआम हो रहा है और प्रशासन मूकदर्शक बना है। ग्रामीणों के अनुसार खनन माफिया पलिया थाना क्षेत्र से आकर मझगई क्षेत्र में अवैध खनन कर रहे हैं। सुबह से देर शाम तक मिट्टी भरी ट्रॉलियां हाईवे पर फर्राटा भरती हैं, लेकिन न तो पुलिस रोकती, न राजस्व विभाग। लगातार शिकायतों के बावजूद प्रशासन आंखें मूंदे है। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अवैध कारोबार न केवल सरकारी राजस्व को चूना लगा रहा है, बल्कि सड़क को नुकसान और पर्यावरण को क्षति पहुंचा रहा है। लोगों ने सवाल उठाया है कि जब अवैध खनन थाने से कुछ ही दूरी पर चल रहा है, तो आखिर पुलिस और प्रशासन की निगाह उस पर क्यों नहीं पड़ रही।

बाइक पर ट्रैक्टर चढ़ाकर हत्या के मामले में केस दर्ज

संवाददाता, पसगवां

● पुलिस ने मुख्य आरोपी की तलाश की तेज

अमृत विचारः उचौलिया थाना क्षेत्र के गांव सिसोरा नासिर में पुरानी रंजिश के चलते बाइक सवार दो भाइयों पर ट्रैक्टर चढ़ाकर एक भाई शकील उर्फ गुड्डू की मौत और दूसरे भाई सगीर के घायल होने के मामले में पुलिस ने हत्या व हत्या के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज की है।

मृतक और आरोपी आपस में साले बहनोई हैं। दोनों में रंजिश चली आ रही थी। गुरुवार को सिसोरा नासिर निवासी 55 वर्षीय सगीर व उसका भाई 50 वर्षीय शकील उर्फ गुड्डू पुत्र कल्लू बाइक से खेत पर जा रहे थे। तभी आरोपी बहनोई हसीब पुत्र मसीत ने ट्रैक्टर बाइक पर चढ़ा दिया। हादसे में दोनों भाई गम्भीर घायल हो गए। दोनों को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल शाहजहांपुर भेजा गया जहां चिकित्सकों ने शकील उर्फ गुड्डू को मृत घोषित कर दिया। गंभीर घायल अवस्था में सगीर शाहजहांपुर मेडिकल कालेज में भर्ती है। शकील उर्फ गुड्डू ने अपनी बहन की शादी गांव के ही हसीब के साथ की थी। शादी के कुछ समय बाद पति पत्नी के बीच विवाद को लेकर रंजिश चल रही थी। लगभग छह माह पहले सगीर व शकील ने मौका पाकर अपने साथियों के साथ हसीब की पिटाई की और जानलेवा हमला कर उसके हांथ पैर भी तोड़ दिए थे। हसीब की तहरीर पर उचौलिया पुलिस ने हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया था। यही रंजिश वारदात का कारण बन गई। प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी जल्द ही गिरफ्तार होगा, बाकी इस मामले में कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है।

गड़बड़झाला ग्रामीणों का आरोप मौरंग की जगह बालू और लगाई जा रही पीला ईंट

अन्नपूर्णा भवन में लग रही अधोमानक सामग्री

संवाददाता, बग्घून

भवन निर्माण के लिए लगी पीला ईंट।

गफ्फारनगर में बन रहा अन्नपूर्णा भवन। ● अमृत विचार

अमृत विचारः क्षेत्र की ग्राम पंचायत गफ्फार नगर में अन्नपूर्णा भवन के निर्माण में अधोमानक सामग्री प्रयोग किए जाने की शिकायत ग्रामीणों ने अधिकारियों को भेजी है।

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम प्रधान राजपाल द्वारा बनाए जा रहे अन्नपूर्णा भवन में घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया। अव्वल ईंट की जगह पीला, मौरंग के स्थान पर बालू का प्रयोग किया जा रहा है। मौके पर ग्रामीणों ने पहुंचकर राजमिस्त्री से बात की तो मिस्त्री छत्रपाल निवासी मूड़ा माफी ने बताया कि मसाला बालू का प्रयोग किया गया है। प्रधान का कहना है कि जिस अनुपात में बालू पास है उसी अनुपात में बालू का प्रयोग किया जाता है।

गांव वालों का कहना है पहले से बाउंड्री बनी हुई थी, जिसमें आरसीसी बीम पुरानी ही प्रयोग कर ली गई है, जिसकी शिकायत करने पर कोई भी अधिकारियों ने जांच नहीं की। ग्राम पंचायत अधिकारी अनुज वर्मा ने बताया कि यदि मानक विहीन कार्य करेंगे तो भुगतान रोका जाएगा। फिर भी प्रधान अपनी मनमानी कर रहे हैं।

> भवन निर्माण में यदि मानक विहीन प्रधान कार्य कराएंगे तो भुगतान रोक दिया जाएगा। वह खुद मौके पर जाकर जांच करेंगे।
> –अतुल वर्मा, जेई, ब्लॉक कुंभी।

बीडीसी ब्रह्मादीन, ग्रामीण अवधेश मौर्य, रोहित मिश्रा, छोटे आदि लोगों को जांच कर मानक के आधार पर कार्य कराने की मांग की है।

लगा बालू का ढेर। ● अमृत विचार

सीतापुर सांसद का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

सीतापुर सांसद राकेश राठौर का स्वागत करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

संवाददाता, मितौली

● संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर की चर्चा

अमृत विचारः कस्बे में बस अड्डे के निकट सीतापुर लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद राकेश राठौर का मितौली कस्बे में पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

राजेश पाल की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। इस दौरान स्थानीय कांग्रेस संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई।

न्यूज ब्रीफ

साईं बाबा की मूर्ति की स्थापना की गई

मितौली, अमृत विचार : क्षेत्र के खुर्रम नगर गांव में ग्रामीणों के सहयोग से एक धार्मिक आयोजन में साईं बाबा की नई मूर्ति की स्थापना की गई। यह कार्य ग्राम प्रधान खुर्रमनगर और साईं बाबा हॉस्पिटल के संचालक डॉ. प्रशांत शुक्ला के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। मूर्ति स्थापना के अवसर पर पूरे गांव में श्रद्धा और भक्ति का माहौल छाया रहा। स्थापना के बाद विधिवत पूजा-अर्चना की गई। जिसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में गांव के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया, प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन की सफलता में स्थानीय नागरिकों का सहयोग सराहनीय की गई। जिन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

ट्रैक्टर चालक और उसके भाई पर रिपोर्ट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : गांव तिनावां निवासी धनीराम ने बताया कि उनका पुत्र वीरेंद्र कुमार 23 अक्टूबर को गांव आ रहा था। तभी ट्रैक्टर चालक नौगंवां निवासी मुकुंदराम ने बेटे को टक्कर मार दी, जिससे दाहिना पैर टूट गया और ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर चला गया। वह परिजनों के साथ ट्रैक्टर का पीछा कर गांव पहुंचे तो मुकुंदराम और उनके भाइयों ने गाली गलौज की। ग्रामीणों से पता किया तो ट्रैक्टर चालक का नाम मुकुंदरम बताया, लेकिन उसके भाई का नाम नहीं बता पाए। पीड़ित के पुत्र का इलाज लखीमपुर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। उसने ट्रैक्टर चालक के नामजद और उसके भाई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रन फॉर यूनिटी पद यात्रा को हरी झंडी दिखाते कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही, डीएम दुर्गाशक्ति नागपाल व अन्य।

पद यात्रा में शामिल छात्राएं। ● अमृत विचार

एकता का संकल्प लेते लोग। ● अमृत विचार

रन फॉर यूनिटी पद यात्रा: राज्य मंत्री ने दिलाया एकता का संकल्प

बोले-देश की एकता और अखंडता के प्रतीक हैं सरदार वल्लभभाई पटेल, जयंती पर जनसमूह ने ली एकता और नशा मुक्ति की शपथ

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर जिले में मेरा युवा भारत के संयोजन से एक भव्य पदयात्रा और कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। कलेक्ट्रेट परिसर से कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने विधायक योगेश वर्मा, विनोद शंकर अवस्थी, मंजू त्यागी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, सीडीओ अभिषेक कुमार और एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह के साथ झंडी दिखाकर पदयात्रा को रवाना किया।

स्वयं मंत्री सुरेश राही हाथों में तिरंगा थामे, भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष के साथ जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों संग पदयात्रा में शामिल हुए। यह पदयात्रा कलेक्ट्रेट से मां जानकी (सौजन्या) चौक, गुरु गोविंद सिंह चौक, घंटाघर, जीआईसी, और परशुराम चौक होते हुए मेमोरियल मैदान तक पहुंची। रास्तेभर स्कूली छात्र-छात्राओं, अधिकारियों, कर्मचारियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजन ने देशभक्ति नारों के साथ हिस्सा लिया। मेमोरियल परिसर में पहुंचकर मंत्री सुरेश राही ने जनप्रतिनिधियों के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत फलदार, छायादार और औषधीय पौधों का रोपण किया। इसके बाद मेमोरियल सभागार में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मंत्री सुरेश राही ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राष्ट्रगान के बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला आरंभ हुई।

सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपा कार्यकर्ता।

एकता का संकल्प दिलाते कारागार मंत्री सुरेश राही।

रन फॉर यूनिटी पद यात्रा में शामिल कारागार राज्यमंत्री, विधायक सदर व अधिकारी।

भाजपा ने मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

संसारपुर। विकास खंड बांकेगंज के कस्बा संसारपुर में भाजपा के बांकेगंज मंडल अध्यक्ष रामानुज मिश्रा के आवास पर लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान सभी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके जीवन चरित्रों पर चर्चा की। वहीं भाजपा के जिला संयोजक प्रदीप दीक्षित ने उनके जीवन से सम्बंधित घटनाओं का जिक्र कर उनको याद किया। संचालन मंडल महामंत्री अनिल वर्मा ने किया। इस मौके पर रामानुज मिश्रा, ठाकुर आकाश सिंह, रामसिंह यादव, अनिल वर्मा, अंकुर लाला, राजेन्द्र जायसवाल, सुरेशचंद्र वर्मा, आशीष वर्मा आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आर्य कन्या की छात्राओं ने गाया स्वागत

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिखा देशभक्ति का रंग आर्यकन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया, एलपीएस के विद्यार्थियों ने ईश वंदना दी, जबकि जीजीआईसी की छात्रा सरस्वती पुरी ने रानी लक्ष्मीबाई पर ओजस्वी देशभक्ति प्रस्तुति से समा बांध दिया। छात्राओं ने योग प्रदर्शन और एम बी डी अकादमी की छात्राओं ने वृद्धजनों के सम्मान पर आधारित शिक्षाप्रद नाटक प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं।

देश की एकता और अखंडता के प्रतीक थे सरदार वल्लभभाई पटेल

कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की आजादी में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारत गणराज्य की नींव मजबूत की। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने अपने त्याग, तपस्या और अदम्य साहस से देश को एक सूत्र में पिरोया। वे हिंदुस्तानियों को एकता के सूत्र में बांधने वाले पुरोधा थे। केंद्र और प्रदेश सरकारें देशभक्ति और राष्ट्रनायकों के सम्मान में निरंतर कार्य कर रही हैं। सरदार पटेल के बलिदान से ही हमें आजादी मिली है। आज जरूरत है कि उनके विचारों और सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ें। जब हम सरदार पटेल के दिखाए रास्ते पर चलेंगे तभी देश तरक्की करेगा और समाज में एकता कायम होगी। राही ने सभी से अपील की कि सरदार पटेल के आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लें।

रन फॉर यूनिटी से दिया एकता, सामाजिक समरसता का संदेश

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: रन फॉर यूनिटी में पुलिस कर्मियों, विद्यालय, महाविद्यालय, कंपटीशन क्लासेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी ने एकता अमर रहे, भारत माता की जय के नारे लगाए। रन फॉर यूनिटी की शुरुआत नगर के शिवम चौराहे से शुरू होकर अलीगंज रोड होते हुए अशोक चौराहा, लखीमपुर रोड होकर पब्लिक इंटर कॉलेज स्थित श्री राजेंद्र गिरि स्टेडियम में समाप्त हुई।

सीओ रमेश कुमार तिवारी ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया था। कोतवाल अंबर सिंह ने युवाओं से सरदार पटेल के आदर्शों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। एकता दौड़ में नगर के विभिन्न विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों के विद्यार्थी, ट्रेनर मौजूद रहे।

बांकेगंज। बीईओ राकेश कुमार के नेतृत्व में ब्लॉक संसाधन केंद्र बांकेगंज से प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय बांकेगंज एवं विनायक इंटर कॉलेज, जानकी देवी इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने रैली प्रारंभ की, जो खंड विकास अधिकारी के कार्यालय तक गई। बच्चों के हाथ में सरदार वल्लभ भाई पटेल के विचारों की पट्टियां थी। रैली के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे लगाए जा रहे थे। बच्चों को भेदभाव न करने और सभी को एक समान समझने की शपथ दिलाई। एआरपी गौरव शुक्ला, सत्यानंद स्नेही, राहुल मौर्य, हेमंतपाल सिंह यादव, अभिनव वाजपेयी, हरिओम, पंकज सिंह, पंकज वर्मा, महेंद्र कुमार, सर्वेश कुमार, सहायक लेखाकार दिनेश कुमार शर्मा एवं छात्र-छात्राएं, शिक्षक, शिक्षिकाएं आदि रहे।

रोशननगर। गोविंदापुर के सरदार पटेल स्मारक इंटर कॉलेज के छात्र/ छात्राओं ने पुलिस स्टाफ के साथ रन फोर यूनिटी मार्च निकाला, जिसमे करीब 250 बच्चे शामिल रहे। बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। परेली के पटेल शांति निकुंज इंटर कालेज में प्रधानाचार्य दयाशंकर वर्मा ने सरदार पटेल की जयंती मनाईं। जमुनहां के उच्च प्राथमिक विधालत में अरविंद पटेल, राजेश अग्निहोत्री ने प्रभात फेरी निकालकर पटेल जयंती मनाई गई।

गोविंदापुर की रन फॉर यूनिटी में शामिल पुलिस और विद्यार्थी।

गोला में पटेल संस्थान के समारोह में बोलते नानकचंद वर्मा।

बांकेगंज की रैली में शामिल स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

सरदार पटेल के विचार आज भी प्रासंगिक

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : अखंड भारत के निर्माता लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती कुर्मी क्षत्रिय समाज कल्याण समिति के द्वारा मिल बाईपास रोड स्थित पटेल संस्थान में समारोह पूर्वक मनाई गई। संस्थान के पूर्व अध्यक्ष मूलचंद वर्मा की अध्यक्षता में हुये जयंती समारोह में वक्ताओं ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया है। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। सरदार पटेल के विचारों और सिद्धांतों पर चलने का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम को पटेल अशोक कनौजिया, सभासद, नानकचंद्र वर्मा, भाजपा नेता विनोद वर्मा, पूर्व अध्यक्ष आनंद वर्मा, रामअवतार वर्मा, रामविलास वर्मा, डॉ रामसरन वर्मा, अध्यक्ष संजील वर्मा, मंत्री आशिकर वर्मा ने भी संबोधित किया। संचालन महेशचंद वर्मा एडवोकेट ने किया। समारोह में प्रधान अरविंद वर्मा, सभासद हरिओम वर्मा, अजय वर्मा, अमरीश वर्मा, सुरेश वर्मा, राजीव पटेल, शिवम पटेल, इंद्रजीत पटेल, रामकुमार, राजेश, अमित वर्मा, वीरपाल वर्मा, छैलबिहारी, संतराम वर्मा, राहुल वर्मा, अरुण वर्मा, अमन वर्मा, श्रीपाल वर्मा आदि मौजूद रहे।

पलिया में पटेल जयंती पर हुए विविध कार्यक्रम

संवाददाता, पलियाकलां

अमृत विचार: नगर के जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित गोष्ठी में प्रधानाचार्य कृष्ण अवतार सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने छात्राओं को संबोधित किया। नगर के सीओ ऑफिस से पलिया कोतवाली तक मैराथन दौड़ आयोजित हुई, जिसमें कई विद्यालयों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त रोटरी क्लब के पदाधिकारियों एवं पुलिस स्टाफ ने भाग लिया। गौरीफंटा कोतवाली प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने सूंडा तिराहे से लेकर ढकिया तिराहे तक रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित किया। चंदन चौकी क्षेत्र के ग्राम गोबरौला में स्थित आवासीय बालिका विद्यालय में पटेल जयंती पर आयोजित गोष्ठी को मुख्य अतिथि जिला पर्यटन कोऑर्डिनेटर भूपेंद्र सिंह, सहित वरिष्ठ शिक्षक लखपति सिंह, राम प्रकाश, रामबाबू आदि ने अपने विचार व्यक्त कर एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

मझगई। रन फॉर यूनिटी पर मेवा लाल राम दुलारी इंटर कॉलेज के स्कूली बच्चों, शिक्षकों और पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। रैली विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर मझगई थाना परिसर तक निकाली गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस दौरान मेवालाल रामदुलारी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुनील सिंह, सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य अतुल तिवारी समेत शिक्षक व पुलिस स्टॉफ मौजूद रहा।

सिंगाही। रन फॉर यूनिटी की शुरुआत थाना परिसर में हुई। एसओ. अजीत कुमार ने सभी को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इसके बाद यात्रा थाने से मुख्य चौराहे तक हुई, जो मुख्य बाजार होते हुए पुनः मुख्य चौराहे पर पहुंचकर समाप्त हुई। दौड़ की अवधि लगभग 45 मिनट रही, जिसमें दूरी करीब एक से डेढ़ किलोमीटर तय की गई। इस दौरान दीवान हिमांशु दिनकर, एसआई आशुतोष सिंह, डॉ. एनयू खान, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सिंगहा कलां श्याम मोहन दीक्षित, जोगेंद्र शाक्य, सभासद राहुल गुप्ता, योगेश वर्मा, राज शर्मा, कौशल कनौजिया, नीरज गुप्ता, अमित शर्मा, अभिषेक मौर्य, अनुज शाक्य, सोनू विश्वकर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

मैगलगंज। पुलिस ने कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें पुलिसकर्मी और श्रीपाल सिंह सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र शामिल हुए।यह दौड़-यात्रा इंटर कॉलेज से शुरू होकर मुख्य चौराहे से होते हुए भारतीय इंटर कॉलेज तक और फिर विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के परिसर में समाप्त हुई।

उचौलिया। कस्बे के बनका गांव रोड स्थित देवी मंदिर पर राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन हुआ। यहीं से बनकागांव की ओर रन फार यूनिटी छात्रों युवाओं व सभ्रांत लोगों ने प्रतिभाग किया। पुलिस और स्वयं सेवी संस्था सेवा ने इसे सफल बनाया।

पटेल जयंती पर विद्या मंदिर में विद्यार्थियों को नए कानून बीएनएस, बीएनएसएस की दी जानकारी

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर मिशन शक्ति के विशेष अभियान के तहत सरस्वती विद्या मंदिर में विद्यार्थियों को नए कानून बीएनएस, बीएनएसएस की जानकारी देते हुए क्विज प्रतियोगिता कराई गई। नगर के लखीमपुर रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर उप निरीक्षक अपूर्वा शर्मा, आरक्षी, प्रियंका, अवनीश मौर्य ने विद्यार्थियों को मिशन शक्ति के विशेष अभियान के तहत विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता को सरल शब्दों में बताते हुए कहा कि बीएनएस अपराधों को परिभाषित कर उनके लिए दंड निर्धारित करती है और बीएनएसएस किसी अपराध की जांच और प्रक्रिया से संबंधित है। विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

लोकतंत्र रक्षक सेनानी सदानंद वर्मा का निधन

केशवापुर, अमृत विचार: सदर तहसील व ब्लॉक के घुग्घुलपुर गांव निवासी लोकतंत्र सेनानी सदानंद वर्मा ने 100 वर्ष की उम्र में 30 अक्टूबर गुरुवार को शाम करीब 4 बजे अपने घर पर ही अंतिम सांस ली, जिनका अंतिम संस्कार 31 अक्टूबर को राजकीय सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव पर ही किया गया।

सदानंद वर्मा।

लोकतंत्र सेनानी नायक सदानंद वर्मा का जन्म गोला तहसील के गांव बिलहरी में हुआ था। उनके पिता नत्थूलाल वर्मा करीब 85 वर्ष पूर्व घुग्घुलपुर में अपनी ससुराल में रहने लगे थे। सदानंद वर्मा 1975 के लोकतंत्र संरक्षण आंदोलन में मेंटेनेंस ऑफ इंटरनेशनल सिक्योरिटी एक्ट, डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट के तहत इंदिरा गांधी सरकार में जेल भेजे गए थे। 2006 में मुलायम सिंह की सरकार ने इन सभी सेनानियों को पेंशन व सम्मान किया था। सदर तहसील के न्यायिक मजिस्ट्रेट आलोक मिश्रा और हैदराबाद थाना प्रभारी सुनील कुमार मलिक ने सदानंद वर्मा के घर पहुंचकर पुष्प चक्र अर्पित किया। पुलिस लाइन लखीमपुर से पहुची गारद ने सलामी दी। अंत्येष्टि में कानूनगो नाथूराम राना, लेखपाल मुनीष शुक्ला, रोहित वर्मा, क्षेत्रीय लेखपाल लाल बहादुर गुप्ता, ढकवा चौकी इंचार्ज खेमेन्द्र कुमार पूरे पुलिस फोर्स व सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और पटेल जयंती मनाई

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कांग्रेस भवन में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रवि तिवारी ने की। कांग्रेसजनों ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी जी की पुण्यतिथि एवं सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती मनाई।

कार्यक्रम की शुरुआत दोनों नेताओं के चित्रों पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि के साथ हुई। कांग्रेसजनों ने उनके दिखाए मार्ग पर चलने और देश की एकता, अखंडता व समृद्धि के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए रवि तिवारी ने कहा कि 31 अक्टूबर हमारे लिए ऐतिहासिक दिन है।

आज हम दो महान विभूतियों को नमन कर रहे हैं। सरदार पटेल ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता से स्वतंत्र भारत को एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया।इंदिरा गांधी न सिर्फ भारत की, बल्कि विश्व राजनीति की सबसे सशक्त महिला थीं। उन्होंने अपने दृढ़ निश्चय और मातृत्व भाव से देश को नई दिशा दी। इस दौरान राजेन्द्र गुप्ता, कोमल सिंह, चंद्रप्रभा अवस्थी, संध्या जायसवाल, जिला महासचिव अब्दुल रहीम, रामपाल शाक्य, जावेद अली एडवोकेट, जमील अहमद, गुलफाम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा कार्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल और आचार्य नरेंद देव के चित्र पर पुष्प अर्पित करते सपा जिलाध्यक्ष रामपाल सिंह यादव। ● अमृत विचार

कांग्रेस कार्यालय पर श्रद्धांजलि देते कांग्रेसी।

सरदार पटेल के निर्णय लोहे की तरह अडिग

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल और आचार्य नरेंद्र देव की जयंती मनाई गई। सपा नेताओं ने दोनों महापुरुषों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनके योगदान को याद किया। पूर्व एमएलसी शशांक यादव ने कहा कि सरदार पटेल के निर्णय लोहे की तरह अडिग और दृढ़ होते थे। गोष्ठी की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रामपाल सिंह यादव ने की। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल सदैव राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रतीक रहे हैं। उन्होंने गरीबों, वंचितों और समाज के सबसे कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए जीवन भर संघर्ष किया। ईमानदारी और निष्ठा के साथ देश की सेवा की। पूर्व विधायक रामसरन ने कहा कि सरदार पटेल ने अपने जीवन को राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित किया।गोष्ठी का संचालन जिला महासचिव अंसार महलूद ने किया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष अशोक कश्यप, वीरेंद्र वर्मा, उमेश गिरि, रियाजुल्ला खां, मजिस्टर यादव, आरिफ खां, फैसल खां, नाजिम अली, नवी शेर, रामनिवास निषाद सहित अनेक सपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी नेताओं ने सरदार पटेल और आचार्य नरेंद्र देव के आदर्शों पर चलने और समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने का संकल्प लिया।

रामलीला में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला

बेलरायां/सिंगाही, अमृत विचार: सिंगाही कस्बे में चल रही ऐतिहासिक रामलीला में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कलाकारों ने नारद मोह की लीला का ऐसा जीवंत मंचन किया कि पूरा रामलीला मैदान मंत्रमुग्ध हो उठा। मंचन के दौरान दिखाया गया कि कैसे देवऋषि नारद भगवान विष्णु के भजन में इतने लीन हो जाते हैं कि स्वयं इंद्र का सिंहासन हिलने लगता है। इंद्र भयभीत होकर उनके तप को भंग करने के लिए कामदेव और अप्सरा को भेजते हैं, परंतु नारद जी अडिग रहते हैं। कामदेव स्वयं नतमस्तक होकर क्षमा मांगता है। यहीं से नारद के भीतर अभिमान आ जाता है कि उन्होंने कामदेव पर विजय पा ली। वह यह बात गर्व से एक-एक कर ब्रह्मा, महेश और विष्णु से कहते हैं। भगवान विष्णु, नारद के अहंकार को समाप्त करने के लिए अपनी माया से एक सुंदर नगर और रूपवती राजकुमारी विश्वमोहिनी की रचना करते हैं। राजा श्रीलनिधि के आमंत्रण पर नारद जब उस नगर में पहुंचते हैं, तो राजकुमारी की हस्तरेखा देखकर विश्वमोहिनी से विवाह की इच्छा व्यक्त करते हैं और भगवान विष्णु से हरि रूप देने की प्रार्थना करते हैं, लेकिन माया के प्रभाव से उन्हें वानर रूप मिल जाता है। इसी बीच भगवान विष्णु स्वयं प्रकट होकर विश्वमोहिनी से विवाह कर लेते हैं। तब नारद जी क्रोधित होकर भगवान विष्णु को श्राप देते हैं कि जिस प्रकार मैं एक स्त्री के वियोग में व्याकुल हुआ हूं, उसी प्रकार आपको भी एक स्त्री के वियोग में व्याकुल होना पड़ेगा और जिस वानर का रूप आपने मुझे दिया, वही वानर पृथ्वीलोक पर आपकी सहायता करेंगे। भगवान विष्णु मुस्कराते हुए नारद को समझाते हैं कि यह सब उनकी माया थी, जिससे उनके भीतर का अभिमान समाप्त हो गया। लीला में कलाकारों के सजीव अभिनय, संवाद और संगीत ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की हालत गंभीर

तिलहर, अमृत विचार : शुक्रवार सुबह नगर के मोहल्ला निजामगंज निवासी अमित ने किसी बात से क्षुब्ध होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजनों ने तत्काल सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

NOTICE

I, R SHREEDURGA (EXISTING NAME OF WIFE AS PER ARMY RECORDS) IS LEGALLY WEDDED SPOUSE OF NO 2610477M RANK HAVILDAR NAME PRAKASH T PRESENTLY RESIDING AT AMARAVATHI NAGAR VILLAGE, UDUMALPET TALUK, TIRUPPUR DIST, TAMILNADU, PIN-642102. HAVE CHANGED MY NAME FROM R SHREEDURGA TO SHREE DURGA R. VIDE AFFIDAVIT DATED. 27.10.2025

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली,शनिवार,1 नवंबर 2025

एमबीबीएस 950, पीजी की 271 सीटें बढ़ीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में सीटें बढ़ाने को मिली अनुमति

अमृत विचार : प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और पीजी (एमडी-एमएस) की सीटों में बड़ा इजाफा किया गया है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी), नई दिल्ली ने प्रदेश में कुल 950 एमबीबीएस और 271 पीजी सीटें बढ़ाने की अनुमति प्रदान की है। इन नई सीटों पर सत्र 2025-26 से विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक डॉ. अपर्णा यू ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि बढ़ाई गई 950 एमबीबीएस सीटों में 200 सीटें राजकीय मेडिकल कॉलेजों की हैं। इनमें अमेठी के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में 100 सीटें, ईएमआईसी मेडिकल कॉलेज नोएडा और ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज वाराणसी में 50-50 सीटों की वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार निजी मेडिकल कॉलेजों में 750 सीटें बढ़ाई गई हैं। एफएच मेडिकल कॉलेज आगरा, श्री सिद्धि विनायक मेडिकल कॉलेज संभल और नारायणा मेडिकल कॉलेज कानपुर में 100-100 सीटें बढ़ाई गईं। इसके अलावा एराज मेडिकल कॉलेज लखनऊ, इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज लखनऊ, नेशनल कैपिटल रीजन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज मेरठ, केएमसी मेडिकल कॉलेज महराजगंज, श्री राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बरेली, कृष्ण मोहन मेडिकल कॉलेज मथुरा, एसकेएस मेडिकल कॉलेज मथुरा, अजय सांगल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज शामली और श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में 50-50 सीटें बढ़ाई गई हैं। डीजीएमई ने बताया कि अब प्रदेश में एमबीबीएस की कुल सीटें 11,850 हो गई हैं, जिनमें राजकीय कॉलेजों में 5,450 और निजी कॉलेजों में 7,350 सीटें शामिल हैं।

नोएडा एयरपोर्ट पर कैलिब्रेशन फ्लाइट की सफल लैंडिंग

हवाई संचालन की दिशा में अहम कदम, ऑपरेशनल क्लियरेंस की प्रक्रिया को मिलेगी गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर तब दर्ज हुआ जब शुक्रवार को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की कैलिब्रेशन फ्लाइट ने सफलतापूर्वक एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। यह उड़ान हवाई अड्डे के नेविगेशन और कम्युनिकेशन सिस्टम की सटीकता जांचने के लिए की जाती है, जो किसी भी नए एयरपोर्ट के संचालन से पहले अनिवार्य होती है।

दरअसल, कैलिब्रेशन फ्लाइट एक विशेष परीक्षण उड़ान होती है, जिसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि एयरपोर्ट के इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस), रडार, और एयर नेविगेशन उपकरण अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप काम कर रहे हैं। फ्लाइट के दौरान विशेष रूप से सुसज्जित विमान अलग-अलग ऊंचाइयों और कोणों पर उड़ते हुए ग्राउंड सिस्टम से प्राप्त सिग्नल की ताकत, स्थिरता और सटीकता की जांच करते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में फ्लाइट इंस्पेक्टर, टेक्निकल इंजीनियर, और एटीसी विशेषज्ञ शामिल रहते हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कैलिब्रेशन फ्लाइट की सफल लैंडिंग कराने वाली टीम।

- किसी भी नए एयरपोर्ट के संचालन से पहले अनिवार्य होती है कैलिब्रेशन फ्लाइट

एएआई द्वारा उपयोग किए जाने वाले कैलिब्रेशन विमान में अत्याधुनिक माप उपकरण लगे होते हैं। उड़ान से प्राप्त डेटा का बाद में विश्लेषण किया जाता है ताकि किसी भी तकनीकी विचलन को तुरंत ठीक किया जा सके और उपकरणों की सटीकता सुनिश्चित हो। कैलिब्रेशन फ्लाइट का पूरा होना यह दर्शाता है कि जेवर एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय स्तर की विमानन सुरक्षा मानकों के और करीब पहुंच गया है। इसके बाद एयरपोर्ट के लिए ऑपरेशनल क्लियरेंस की प्रक्रिया को गति मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

हृषिकेश भास्कर ने संभाला कार्यभार

अमृत विचार, लखनऊ : हृषिकेश भास्कर याशोद ने शुक्रवार को सचिव राजस्व, राहत आयुक्त एवं चकबंदी आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। इसके बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की और राजस्व, राहत व चकबंदी से संबंधित कार्यों एवं लंबित प्रकरणों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में जनसामान्य से जुड़े राजस्व व राहत कार्यों में पारदर्शिता और त्वरित निस्तारण किया जाना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश सरकार की मंशानुसार राहत कार्यों में संवेदनशीलता तथा फील्ड स्तर पर सक्रियता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि जनता को समयबद्ध सहायता मिल सके।

गोरखपुर में साहित्यिक महाकुंभ आज से

अमृत विचार, लखनऊ : गोरखपुर पुस्तक महोत्सव के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के परिसर में साहित्यिक महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। 1 नवंबर से 9 नवंबर तक चलने वाले इस आयोजन की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को करेंगे। गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में प्रथम गोरखपुर पुस्तक महोत्सव का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट (राष्ट्रीय पुस्तक न्यास) की तरफ से किया जा रहा है। यह आयोजन नगर की गहरी आध्यात्मिक, कलात्मक और साहित्यिक विरासत का एक भव्य उत्सव होगा। पुस्तक महोत्सव में आमजन प्रतिदिन शामिल हो सकेंगे। इसमें सभी लोगों के लिए प्रवेश निशुल्क होगा।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस में 1600 को ट्रेनिंग

अमृत विचार, लखनऊ : कारपोरेट और सर्विस फील्ड की मांग के अनुसार अपडेट प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए सैमसंग इंडिया के सहयोग से संचालित सैमसंग इनोवेशन कैंपस के तहत गोरखपुर विश्वविद्यालय के 1600 विद्यार्थियों ने ट्रेनिंग ली। इन विद्यार्थियों को शनिवार को प्रमाण पत्र का वितरण किया जाएगा। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित प्रमाण पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ विद्यार्थियों को अपने हाथों से प्रमाण पत्र सौंपेंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री योगी से मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

अब लाल सलाम नहीं, जय श्रीराम

बिहार पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष को ललकारा, कीं चुनावी जनसभाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा व राजग प्रत्याशियों के समर्थन में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन रैली व जनसभा कर विपक्ष को ललकारा। मुख्यमंत्री ने महागठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि बिहार चुनाव में राहुल गांधी की एंट्री हो चुकी है, यही हमारे प्रत्याशियों की जीत की गारंटी है। योगी ने पहली रैली सिवान में एनडीए प्रत्याशी मंगल पांडेय, दरौंदा से कर्णजीत सिंह और बड़हरिया से इंद्रदेव सिंह पटेल के समर्थन में की। वहीं दूसरी जनसभा योगी ने वैशाली की लालगंज विधानसभा से बीजेपी प्रत्याशी संजय कुमार सिंह के समर्थन में की। जबकि तीसरी सभा भोजपुर के अगिआंव विधान सभा क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशी महेश पासवान के पक्ष में की। इस दौरान योगी ने कम्युनिस्टों पर भी तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि जैसे गधे के सिर से सींग गायब हो गये, वैसे ही भारत ही नहीं दुनिया से कम्युनिस्टों का पत्ता साफ हो गया।

उन्होंने कम्युनिस्टों पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि जिस बिहार ने देश को स्वर्णयुग दिया, वहां अब लाल सलाम नहीं बल्कि जय श्रीराम का नारा गूंजेगा। योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों आरजेडी, कांग्रेस और भाकपा माले पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे सब गरीबों के राशन पर डकैती डालने का प्रयास कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आरजेडी, माले, कांग्रेस ये सब एक ही थाली के चट्टे बट्टे हैं। ये सब भारत की विरासत का विरोध करते हैं। गुलामी की मानसिकता का समर्थन करते हैं। आक्रांताओं को आमंत्रित करते हैं। अयोध्या में राममंदिर का विरोध करते हैं। सीतामढ़ी में सीता मइया के मंदिर का विरोध करते हैं। भारत के नागरिकों को लड़ाने का काम करते हैं। पर्व त्योहार के पहले दंगा कराने की कोशिश करते हैं। मगर, यूपी में आप सबने देखा होगा, वहां अब दंगा नहीं, बल्कि सब चंगा है। माफिया गायब हो चुके हैं, उनका जहन्नुम का टिकट काट दिया गया है।

बिहार में आयोजित चुनावी जनसभा के मंच से उपस्थित जनसमूह का अभिवादन करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में पार्टी प्रत्याशी व अन्य।

जो राम का नहीं वो हमारे किसी काम का नहीं

मुख्यमंत्री बोले, कांग्रेस कहती थी कि राम हुए ही नहीं। आरजेडी राम मंदिर का रथ रोकते थे। सपा वाले रामभक्तों पर गोलियां चलाते थे और कम्युनिस्ट तो किसी दूसरे लोक के बारे में ही सोचते हैं। उन्होंने कहा कि जो राम का नहीं वो हमारे किसी काम का नहीं। जो राम का विरोध कर रहा है वो राष्ट्र का विरोध कर रहा है। जो राष्ट्र का विरोध कर रहा है वो हमारे किसी काम का नहीं, उसे राष्ट्र से बाहर का रास्ता दिखाना है।

राहुल गांधी की एंट्री हमारी जीत की गारंटी

बिहार चुनावी दौरे में योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि राहुल गांधी जब भी प्रचार करने आते हैं, एनडीए की जीत तय हो जाती है। वे बीजेपी और एनडीए की जीत की सबसे बड़ी गारंटी हैं।

कमियों का तय समय सीमा में सुधार करें चिकित्साधिकारी : घोष

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि अस्पतालों में समर्पित भाव से गुणवत्तापरक स्वास्थ्य व्यवस्था को स्थापित किया जाए। चिकित्सकीय और तकनीकी मानव संसाधन पूरी निष्ठा से रोगियों की सेवा के लिए तत्पर रहें। जिन जिलों में शिकायतें या कमियां पाई गईं, वहां मुख्य चिकित्साधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों को तय समय सीमा में सुधार करें।

अपर मुख्य सचिव शुक्रवार को कानपुर मंडल की स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों की व्यापक समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने चिकित्सकीय इकाइयों को इंगित करने वाले साइन बोर्ड और जियो टैगिंग के साथ ही अग्निशमन सुरक्षा के मानकों को पूरा करने का भी निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए कि मंडलायुक्त प्रत्येक माह स्वास्थ्य विभाग की प्रगति समीक्षा करें और तीन माह बाद अनुपालन बैठक आयोजित की जाए। बैठक से पहले राज्य व मंडल स्तर के अधिकारियों और विशेषज्ञों की दो सदस्यीय 57 टीमों ने कानपुर मंडल के सभी जिलों की करीब 36 प्रतिशत स्वास्थ्य इकाइयों का स्थलीय भ्रमण कर जमीनी हकीकत जानी।

पूर्वी यूपी में आज से होगी धान की खरीद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उन्नाव, रायबरेली और लखनऊ में भी 28 फरवरी 2026 तक चलेगी खरीद
- धान (कॉमन) 2369 और (ग्रेड ए) का 2389 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी तय

अमृत विचार : खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत पहली नवंबर से पूर्वी यूपी में धान खरीद शुरू होकर 28 फरवरी तक चलेगी। इस अवधि में लखनऊ संभाग के उन्नाव, रायबरेली और लखनऊ में भी धान खरीद होगी। वहीं पहली अक्टूबर से पश्चिमी यूपी और लखनऊ संभाग के हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर में धान खरीद चल रही है।

दरअसल, सरकार ने इस वर्ष धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि भी की है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (कॉमन)-2369 और (ग्रेड ए) का 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। वहीं योगी सरकार की नीतियों पर समर्थन जताते हुए दो महीने में 2.17 लाख से अधिक किसानों ने बिक्री के लिए पंजीकरण भी करा लिया है।

पूर्वी यूपी के संभागों में पहली नवंबर से धान खरीद पूर्वी यूपी के चित्रकूट, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवीपाटन, बस्ती, आजमगढ़, वाराणसी, मीरजापुर व प्रयागराज संभाग में शुरू होगी। इसके साथ ही लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव में भी पहली नवंबर से खरीद होगी, जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगी।

दो महीने में 2.17 लाख किसानों का पंजीकरण

धान बिक्री के लिए पहली सितंबर से पंजीकरण प्रारंभ हो गया था। 31 अक्टूबर (सुबह 11 बजे) तक 2,17,625 किसानों ने पंजीकरण करा लिया। वहीं पश्चिम उत्तर प्रदेश के 17 हजार से अधिक किसानों से एक महीने के भीतर 1.06 लाख मीट्रिक टन से अधिक की धान खरीद की जा चुकी है। योगी सरकार के निर्देश पर तेज गति से चल रहे कार्य की बदौलत 3920 क्रय केंद्र भी खुल गए हैं। धान बिक्री के लिए किसानों का पंजीकृत होना अनिवार्य है। किसानों को खाद्य व रसद विभाग की वेबसाइट fcs.up.gov.in या मोबाइल ऐप UP KISAN MITRA पर पंजीकरण कराना होगा।

सपा सरकार बनने पर पटेल के नाम पर बनाएंगे तकनीकी यूनिवर्सिटी : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की सरकार बनने पर लौह पुरुष सरदार पटेल के नाम पर युवाओं के लिए माडर्न और तकनीकी यूनिवर्सिटी बनाएंगे। सरदार पटेल का जो रास्ता था, वही पीडीए का रास्ता है।

सपा प्रमुख शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मौजूद सभी नेताओं ने सामाजिक न्याय के राज की स्थापना और सन् 2027 में सपा सरकार बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। अखिलेश यादव ने कहा कि सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। आरएसएस पर साम्प्रदायिक सौहार्द खराब करने नफरत फैलाने का आरोप था। आज भी भाजपा समाज में नफरत फैलाती है। अपनी कमियों को छिपाने के लिए भाजपा सरदार पटेल की बात करती है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की सीमाओं को बढ़ाया था। भाजपा सरकार में देश की सीमाएं सिकुड़ रही हैं। इनसेट-

गन्ना मूल्य बढ़ाने का विज्ञापन अंग्रेजी अखबार में : गन्ना मूल्य बढ़ाए जाने पर सपा प्रमुख ने कहा कि गन्ना मूल्य में 30 रुपये से ज्यादा की वृद्धि होनी चाहिए थी, साथ ही तंज कसा कि सरकार ने गन्ना मूल्य और भुगतान का विज्ञापन अंग्रेजी अखबार में छपवाया। अब बताओ कितने किसान अंग्रेजी में इसे पढ़े होंगे।

प्रेस कांफ्रेंस करते सपा प्रमुख अखिलेश।

बिहार में आज से चुनाव प्रचार करेंगे सपा प्रमुख

अमृत विचार,लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शनिवार 1 नवंबर से 5 नवंबर 2025 तक बिहार विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी जनसभाएं करेंगे। वे मतदाताओं से समर्थन की अपील करेंगे। चुनावी सभाओं का तय कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। चुनावी सभाओं की शुरुआत 1 नवंबर को यादव पूर्णिया के धमदहा, मधुबनी के बबूराही और दरभंगा के बहादुरपुर में तीन जनसभाओं से करेंगे। अगले दिन समस्तीपुर, सीतामढ़ी और छपरा में रैलियां करेंगे। इस प्रकार 5 नवंबर तक जिलों में एक-एक दिन में कई कई रैलियों को संबोधित करेंगे।

नरेन्द्र देव की जयंती मनाई

अमृत विचार,लखनऊ : आचार्य नरेन्द्र देव की 136वीं जयंती पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गोमती नदी किनारे स्थित आचार्य नरेंद्र देव के स्मारक पर पहुंचकर पुष्पांजलि कर नमन किया। इस मौके पर नरेन्द्र देव के परिवारीजन पौत्र यशोवर्धन तथा मीरा वर्धन मौजूद रहे।

आठ जिलों में 2,434 करोड़ की 15 परियोजनाएं मंजूर

3043 फ्लैट, 98 प्लॉट और 50 दुकानें होंगी विकसित, बैठक में रेरा ने दी स्वीकृति

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने मुख्यालय पर 187वीं बैठक में 15 नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। आठ जिलों में यह परियोजनाएं 2,434 करोड़ रुपये से तैयार की जाएंगी। लखनऊ व शाहजहांपुर में सबसे अधिक तीन-तीन आवासीय व व्यावसायिक परियोजनाएं विकसित की जाएंगी।

शुक्रवार को बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने की। इस दौरान परियोजनाओं के प्रस्ताव रखे गए। कुल 15 रियल एस्टेट परियोजनाओं में लखनऊ में 3, शाहजहांपुर में 3, मथुरा में 2, मुरादाबाद में 2, गाजियाबाद में 2 व हापुड़, नोएडा और झांसी में 1-1 परियोजना को मंजूरी दी गई। इनमें कुल निवेश 2,434 करोड़ अनुमानित है। परियोजनाओं के माध्यम से 3,043 फ्लैट, 98 प्लॉट और 50 दुकानें विकसित की जाएंगी। इनमें अधिकांश परियोजनाएं आवासीय हैं, जबकि व्यावसायिक परियोजनाएं मुरादाबाद, गाजियाबाद और हापुड़ में स्वीकृत की गई हैं।

शाहजहांपुर व पीतल नगरी मुरादाबाद को मिलेगी नई पहचान

शाहजहांपुर में सबसे अधिक तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। यह क्षेत्र अब तेजी से उभरते हुए रियल एस्टेट केंद्र के रूप में पहचान बना रहा है। पीतल उद्योग के लिए प्रसिद्ध मुरादाबाद की स्वीकृत 2 परियोजनाओं में एक आवासीय और एक व्यावसायिक परियोजना शामिल है। इनमें आधुनिक अपार्टमेंट्स, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और ऑफिस स्पेस तैयार किए जाएंगे, जो शहर की पहचान को और भी आधुनिक स्वरूप देंगे। इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी नई जान आएगी।

मथुरा में पर्यटन पर फोकस

धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण ब्रज नगरी मथुरा में भी 2 नई आवासीय परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। ये योजनाएं तीर्थ, पर्यटन और स्थानीय मांग को ध्यान में रखते हुए तैयार की जा रही हैं। इन परियोजनाओं से मथुरा के रियल एस्टेट सेक्टर को नई गति मिलेगी और शहर में आधुनिक आवासीय ढांचे का विकास होगा। इसी तरह गाजियाबाद और हापुड़ में स्वीकृत व्यावसायिक परियोजनाएं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के व्यापारिक और औद्योगिक ढांचे को और मजबूत करेंगी।

दर्शन को रखे जाएंगे बुद्ध के अवशेष

अमृत विचार, लखनऊ : सारनाथ स्थित मूलगंध कुटी, विहार की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर भगवान बुद्ध के अवशेषों के सार्वजनिक दर्शन के लिए अनावरण किया जाएगा। आगामी 3 से 5 नवंबर 2025 तक भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेषों को बौद्ध श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए रखा जाएगा। सारनाथ वही पुण्य भूमि है, जहां भगवान बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश धर्मचक्र प्रवर्तन दिया था।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि अस्थि अवशेष दर्शन के लिए बड़ी संख्या में बौद्ध भिक्षुओं और आस्थावानों के पहुंचने का अनुमान है। श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया, नेपाल तथा कोलकाता, गुजरात, बिहार, उत्तर प्रदेश, लद्दाख और हिमालयी क्षेत्रों से बौद्ध भिक्षु-भिक्षुणियां सारनाथ पहुंच रहे हैं। यह आयोजन महाबोधि सोसायटी ऑफ इंडिया, सारनाथ केंद्र और वियतनामी बौद्ध संघ के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि भगवान बुद्ध के अवशेषों को साल में दो बार बुद्ध पूर्णिमा और कार्तिक पूर्णिमा पर सार्वजनिक दर्शन के लिए रखा जाता है।

धर्म पर संकट स्थायी नहीं होता : राधाकृष्णन

उपराष्ट्रपति ने काशी में किया धर्मशाला का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में शुक्रवार को श्री काशी नाटकोट्टाई संस्था के नए धर्मशाला भवन का उद्घाटन किया। नाटकोट्टाई संस्था द्वारा 60 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस आधुनिक धर्मशाला भवन का लोकार्पण समारोह के संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि धर्म को कुछ समय के लिए संकट हो सकता है, लेकिन वह कभी स्थायी नहीं होता। आज धर्म की विजय हुई है, यह इमारत उसी की साक्षी है। उन्होंने कहा कि 25 वर्ष पूर्व जब मैं काशी आया था, तब मैं मांसाहारी था। गंगा स्नान के बाद जीवन में इतना परिवर्तन आया कि मैंने शाकाहार अपना लिया।

राधाकृष्णन ने कहा कि 25 साल पहले की काशी और आज की काशी में जमीन-आसमान का अंतर है। यह परिवर्तन केवल दो कर्मयोगियों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि जहां नाटकोट्टाई समूह सक्रिय होता है, वहां सेवा, धर्म और प्रगति साथ-साथ चलती है। यह भवन उसी भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह धर्मशाला केवल एक इमारत नहीं, बल्कि उत्तर और दक्षिण भारत के सांस्कृतिक बंधन का नया अध्याय है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि काशी में गंगा नदी से लेकर तमिलनाडु की कावेरी नदी तक हमारी साझी परंपरा ये याद दिलाती है कि भाषाएं भले ही अलग हों, भारत की आत्मा एक ही है जो शाश्वत समावेशी और अटूट है। मुख्यमंत्री योगी ने 'वनक्कम काशी' से अपने संबोधन को शुरू करते हुए कहा कि ये हमारे लिए सुखद संयोग है कि यूपी की इस यात्रा में उपराष्ट्रपति बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में पधारे हैं।

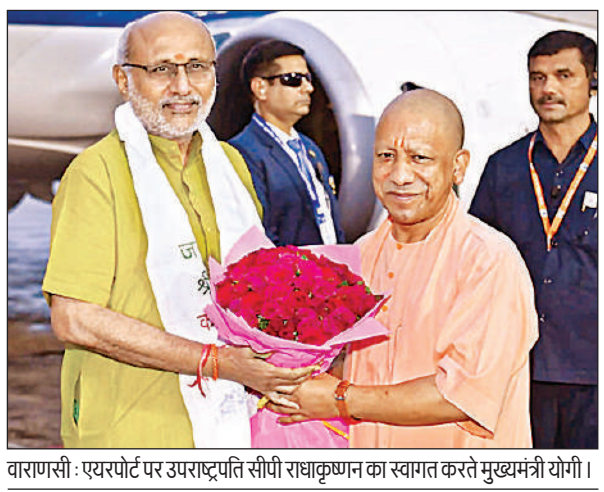

वाराणसी : एयरपोर्ट पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का स्वागत करते मुख्यमंत्री योगी।

उपलब्धि | लखनऊ को यूनेस्को ने 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' किया घोषित

लखनऊ के खानपान को वैश्विक सम्मान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विश्व मंच तक पहुंची अवधी स्वादों की महक

अमृत विचार : प्रदेश ने वैश्विक पहचान की नई ऊंचाई छू ली है। राजधानी लखनऊ को यूनेस्को ने 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' घोषित किया है। यह सम्मान उस शहर को मिलता है जो अपनी खानपान परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और नवाचार से विश्व को प्रेरित करता है। यह घोषणा उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित यूनेस्को की 43वीं जनरल कॉन्फ्रेंस में 'वर्ल्ड सिटीज डे' के अवसर पर की गई।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश का गौरव बन चुका है। लखनऊ की यह उपलब्धि उसके समृद्ध खानपान और संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति है। उन्होंने कहा कि लखनऊ की गैस्ट्रोनॉमी को मिली यह पहचान पर्यटन क्षेत्र की बढ़ती शक्ति और 'विकसित उत्तर प्रदेश' के विजन को साकार करने का प्रमाण है।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने लखनऊ के लिए नामांकन 31 जनवरी 2025 को केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को भेजा था। विस्तृत समीक्षा के बाद भारत सरकार ने 3 मार्च 2025 को यूनेस्को को अंतिम डॉसियर प्रस्तुत किया। 31 अक्टूबर को आयोजित कॉन्फ्रेंस में लखनऊ को औपचारिक रूप से 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' नेटवर्क में शामिल किया गया।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति अमृत अभिजात ने बताया कि यूनेस्को की इस सूची में अब दुनियाभर के 70 शहर शामिल हैं। इस वर्ष आठ नए शहरों को इस नेटवर्क में स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि लखनऊ का यह चयन उसकी व्यंजन परंपरा और पाक कला धरोहर को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने वाला है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में लखनऊ में 82.74 लाख पर्यटक आए, जबकि 2025 के पहले छह महीनों में ही 70.20 लाख पर्यटक पहुंच चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

बीएएमएस की 1 को होने वाली परीक्षा अब 8 नवंबर को होगी

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा की वजह से परीक्षाओं की तिथियों में परिवर्तन किया है। परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार के मुताबिक 1 नवंबर को होने वाली बीएएमएस की द्वितीय एवं चतुर्थ वर्ष की मुख्य और पूरक परीक्षा अब 8 नवंबर को होगी। उन्होंने प्राचार्यों और केंद्राध्यक्षों को भी इस संबंध में विद्यार्थियों को सूचित करने के निर्देश दिए हैं।

बरेली कॉलेज में अभी गर्ल्स छात्रावास शुरू होने में लगेगा समय

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में महिला छात्रावास शुरू होने में अभी कुछ दिन का समय और लगेगा। पुलिस भर्ती परीक्षा की वजह से दो दिन कॉलेज बंद होने और इसके बाद कार्तिक पूर्णिमा के अवकाश होने और मिड टर्म की परीक्षाएं होने के चलते इसे अगले सप्ताह से शुरू किया जाएगा। पहले इसे 1 नवंबर से शुरू करने का निर्णय लिया गया था। छात्रावास वार्डन प्रो. शैव्या त्रिपाठी ने बताया कि छात्रावास शुरू करने की तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं लेकिन छुट्टियों के अलावा छात्राएं मिड टर्म की परीक्षा के बाद ही रहने पर सहमति जता रही हैं। इसकी वजह से कुछ दिनों बाद छात्रावास शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री रोजगार मेले में नौकरी के नाम पर ठगी, रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र निवासी एक युवक से मुख्यमंत्री रोजगार मेले में नौकरी देने के नाम पर 960 रुपये की ठगी कर ली गई। पीड़ित ने मामले की शिकायत एसएसपी अनुराग आर्य से की। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। ग्राम उगनपुर निवासी अर्जुन सिंह ने बताया कि 6 अगस्त को बरेली कॉलेज परिसर में आयोजित मुख्यमंत्री रोजगार मेले में उसने रोजगार पाने के लिए आवेदन किया था। उसके पास सिया सिंह नाम के व्यक्ति ने फोन किया और कहा कि उसकी नौकरी 22,500 रुपये वेतन पर लग गई है। उसने उसे फर्जी ज्वाइनिंग लेटर भी भेज दिया। उसने पुलिस वेरिफिकेशन के नाम पर 960 रुपये की ठगी कर ली।

दो बार बायोमेट्रिक हाजिरी लगाने का किया विरोध

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में दो बार बायोमेट्रिक हाजिरी का शिक्षकों ने विरोध जताया है। शुक्रवार को भौतिकी विभाग में शिक्षक संघ की आमसभा में दो बार हाजिरी न लगाने का निर्णय लिया गया। शिक्षक संघ ने कहा कि शासन के 8 अगस्त 2024 के निर्देश के तहत सभी शिक्षक महाविद्यालय में प्रवेश करने पर अपनी बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कर नियमानुसार अपना कार्य कर रहे हैं। प्राचार्य की ओर से 17 अक्टूबर को दो बार बायोमेट्रिक उपस्थिति लगाने की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। प्राचार्य के इस निर्देश के तहत शिक्षकों ने दो बार की बायोमेट्रिक उपस्थिति तब तक नहीं करने का निर्णय लिया जब तक कि शासन से इस संबंध में कोई संशोधित निर्देश प्राप्त नहीं होता।

हत्या में चार भाइयों सहित पांच को आजीवन कारावास

केमरी के स्वार खुर्द में 23 मार्च 2024 को हुई थी किसान की हत्या

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

- सभी पर 12 हजार का जुर्माना, एडीजे प्रथम की कोर्ट ने सुनाया फैसला

अमृत विचारः किसान की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या करने में एडीजे प्रथम की कोर्ट ने चार भाइयों और एक भतीजे सहित पांच को आजीवन कारावास सजा सुनाई है। सभी आरोपियों पर 12 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

केमरी थाना क्षेत्र के स्वार खुर्द निवासी मदन सिंह के अनुसार उसके पिता अमर सिंह 13 मार्च 2024 को वह खेत से काम निपटाने के बाद घर लौट रहे थे। तभी पिता अमर सिंह की गांव के ही बुद्धसेन से किसी बात को लेकर गाली-गलौज हो गई। इस दौरान बुद्धसेन के भाई चरन सिंह, रनुआ, रामपाल, पप्पू, भूरा अपने हाथों में लाठी-डंडे लेकर आ गए थे। उसके बाद अमर सिंह को पीटकर घायल कर दिया था। जानकारी मिलने के बाद घायल अमर सिंह के परिजन पहुंचे और उसको अस्पताल ले गए। उपचार के दौरान अमर सिंह मौत हो गई। तहरीर के आधार केमरी पुलिस ने चार सगे भाइयों सहित पांच लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की थी। जिसके बाद पुलिस ने विवेचना के चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी थी। जिसकी सुनवाई एडीजे प्रथम की कोर्ट में हो रही थी। शुक्रवार को न्यायिक अधिकारी ने बुद्धसेन, रामपाल, रामचरन, पप्पू, भूरा को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। एडीजीसी प्रताप सिंह मौर्य ने बताया कि सभी दोषियों पर 12 हजार का जुर्माना डाला है।

19 माह के बाद आया फैसला

ग्रामीण की पीटकर हत्या करने के मामले में 19 माह के बाद फैसला आ गया है। इस मामले में पुलिस ने कड़ी पैरवी की थी। वहीं अभियोजन पक्ष की ओर से 7 गवाहों को पेश किया गया था। जिनके बयान हुए थे। इस मामले में रामपाल, भूरा हरपाल ने कोर्ट में सरेंडर किया था। 19 माह पहले मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा था। धारा 147 में 2 वर्ष और एक हजार का जुर्माना लगाया है। धारा 148 में 3 वर्ष की सजा और 10 हजार का जुर्माना और 302 में आजीवन कारावास और दस हजार का जुर्माना लगाया है।

सुखदेव प्राकट्य और धुंधकारी मोक्ष का सुनाया वृतांत

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः नीलकंठ मैदान में गुरुवार शाम को साप्ताहिक श्रीमद् भागवत कथा के पहले दिन वृंदावन धाम के कथा व्यास पंडित नरोत्तम शास्त्री ने धुंधकारी मोक्ष परीक्षित जन्म और भगवान सुखदेव के प्राकट्य की कथा का प्रसंग सुनाया।

भागवत कथा के पहले दिन पंडित सुरेश शुक्ला, कथा के मुख्य यजमान अमित गुप्ता सपत्नीक ने विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के द्वारा पूजन कर एवं दीप प्रज्वलित किया। वृंदावन धाम के कथा व्यास आचार्य नरोत्तम शास्त्री ने भगवान सुखदेव जी के प्राकट्य की कथा का प्रसंग सुनते हुए कहा कि सुखदेव व्यास ऋषि के आयोनिज पुत्र थे, जिन्होंने महाभारत की रचना की थी। उनका सिर तोते का था। नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, श्रीराम बाजपेई, मुनेन्द्र शुक्ल, विजय वाजपेई, अजय रस्तोगी, अशोक अवस्थी, कृष्ण कुमार बाजपेई, श्रीराम राजपूत आदि मौजूद रहे।

संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई लड़ने को रहें तैयार : सांसद

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

कांग्रेस सांसद का माल्यार्पण कर स्वागत करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

- कांग्रेस के संविधान बचाओ संवाद सम्मेलन में बोले राकेश राठौर

अमृत विचार : पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की शहादत दिवस और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में जिले भर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए। गोला के गांव अजान स्थित गणपति मैरिज लॉन में संविधान बचाओ संवाद कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि सीतापुर के सांसद राकेश राठौर ने कहा कि कार्यकर्ता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार रहें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और क्षेत्र के लोग शामिल हुए। मुख्य अतिथि सांसद राकेश राठौर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जातीय जनगणना के माध्यम से सामाजिक न्याय को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। राहुल गांधी जी का जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी का संदेश देश में समान अवसर की नई दिशा तय करेगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता ग्राम पंचायत से लेकर विधानसभा तक संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार रहें। कार्यक्रम के समापन पर रानी लक्ष्मीबाई इंटर कॉलेज, शहाबुद्दीनपुर पहुंचकर नेताओं ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और स्थानीय लोगों से शिष्टाचार भेंट की। इंदिरा गांधी की शहादत को याद करते हुए कांग्रेसजनों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। जिलाध्यक्ष प्रहलाद पटेल, युवा कांग्रेस नेता अनुराग यादव, राजेश पाल, रविंद्र राठौर, रामसनेही राठौर, कोमल सिंह, चंद्रप्रभा अवस्थी, संध्या जायसवाल, रामकुमार वर्मा, के.के. मिश्रा, मुकेश राठौर, अमर सिंह, प्रेम वर्मा, नसीम मंसूरी, कैलाश वर्मा, राकेश विश्वकर्मा, इकबाल अहमद, बिजेंद्र राठौर एडवोकेट, छत्रपाल राठौर, अनुराग यादव, कुशाल राठौर, रामाश्रय राठौर आदि रहे।

बाल कल्याण समिति को एफआईआर दर्ज करने को निर्देश का अधिकार नहीं

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- बदायूं के मामले में हाईकोर्ट ने सीडब्ल्यूसी का आदेश रद्द किया

अमृत विचारः इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के तहत गठित बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने का कोई अधिकार नहीं है। बदायूं की सीडब्ल्यूसी द्वारा पारित आदेश को रद्द करते हुए न्यायमूर्ति चव्हाण प्रकाश की एकल पीठ ने कहा कि समिति केवल बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के उल्लंघन के मामलों में किशोर न्याय बोर्ड या संबंधित पुलिस प्राधिकरण को रिपोर्ट भेज सकती है, लेकिन सीधे एफआईआर दर्ज कराने का आदेश नहीं दे सकती। मामले के अनुसार बदायूं की एक गर्भवती नाबालिग लड़की, जिसकी शादी पहले ही हो चुकी थी, सीडब्ल्यूसी ने उसका बाल विवाह मानते हुए जांच के बाद पुलिस को 2006 के अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। इस आदेश को लड़की के पिता और पति ऋषि पाल एवं अन्य ने चुनौती दी। याचिका में तर्क दिया गया कि समिति ने अपनी सीमित शक्तियों का अतिक्रमण किया है और वह धारा 156(3) सीआरपीसी के अंतर्गत न्यायिक शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि जेजे अधिनियम की धारा 27 व 30 के अनुसार समिति की शक्तियां केवल देखभाल, संरक्षण और पुनर्वास संबंधी कार्यवाहियों तक सीमित हैं।

विद्या निकेतन के मेधावी पुरस्कृत

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में भारत विकास परिषद की ओर से हाईस्कूल और इंटर के मेधावियों को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को देश की एकता और अखंडता की रक्षा करने की शपथ दिलाई।

प्रधानाचार्य महेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने स्वतंत्र भारत को एक सूत्र में पिरोने वाले, परिश्रमी और दृढ़ इच्छा शक्ति वाले सरदार वल्लभभाई पटेल के दृढ़ संकल्प, अदम्य इच्छाशक्ति और भारत की एकता के लिए किए गए उनके अद्वितीय योगदान के बारे में बताया।

प्रधानाचार्य मधु त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को सरदार पटेल के सिद्धांतों पर चलने और देश की एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई। विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हुए बैनर और पोस्टर हाथों में लेकर सरदार पटेल अमर रहें, साथ खड़े साथ बढ़े, एक भारत, श्रेष्ठ भारत के जयघोष लगाए।

सरस्वती विद्या निकेतन कॉलेज में मेधावी को पुरस्कृत करते प्रधानाचार्य महेंद्र त्रिपाठी।

- विद्यार्थियों ने देश की एकता और अखंडता की रक्षा का लिया संकल्प

प्रार्थना सभा में भारत विकास परिषद् नैमिष प्रान्त द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन में विद्यालय के हाईस्कूल परीक्षा 2025 के टॉपर हर्ष जायसवाल, उमा यादव, इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के टॉपर सक्षम अरोरा, माही गुप्ता को शील्ड, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

बेहतरीन शिक्षण कार्य के लिए डिम्पल शुक्ला, अवधेश अवस्थी को भी सम्मानित किया गया। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष अनुज खरे, कोषाध्यक्ष संजय शुक्ला, मनोज वर्मा, प्रियंका गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अवैध बसों पर चला डंडा, 22 बसें बंद की, 122 का चालान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- 1 से 31 अक्टूबर तक मंडल में चले विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान की गई कार्रवाई

अमृत विचारः परिवहन विभाग ने 1 से 31 अक्टूबर तक चलाए विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत 560 बसों की जांच की, जिसमें 112 बसों का चालान और 22 बसें सीज कीं। इसके अलावा पांच बसें को तकनीकी दृष्टि से गलत पाया गया, जिन पर सुधारात्मक कार्रवाई की गई। वहीं, विभाग ने 3.25 लाख रुपये का शमन शुल्क भी वसूला है।

आरटीओ प्रवर्तन प्रणव झा ने बताया कि यह अभियान अवैध बस संचालन, बिना परमिट परिवहन, कर चोरी और यात्री सुरक्षा उल्लंघन के विरुद्ध चलाया गया था। जिसमें कुल 560 बसों की जांच की गई, इनमें बरेली में 180 बसों की जांच में छह बसें बिना परमिट संचालन में पाई गईं और 18 बसों में परमिट शर्तों का उल्लंघन पाया गया। कुल 47 बसों का चालान किया। आठ बसों को सीज और तीन बसों से 57 हजार का जुर्माना वसूला गया।

इसी तरह बदायूं में 175 बसों की जांच में 11 बसें परमिट शर्तों का उल्लंघन करते पाई गईं। इनमें कुल 11 बसों के चालान कर चार बसों को सीज किया। वहीं पांच बसों से 72 हजार का जुर्माना वसूला गया। पीलीभीत में 88 बसों की जांच हुई, इनमें 4 बसें बिना परमिट पाई गईं। 26 बसें परमिट शर्तों का उल्लंघन कर संचालन कर रहीं थी। कुल 33 बसों के चालान कर सात बसों को सीज करने की कार्रवाई की गई है। इसमें नौ बसों से 1.46 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। वहीं शाहजहांपुर में 117 बसों की जांच की गई, जिनमें पांच बसें बिना परमिट पाई गईं।

नुक्कड़ नाटक से किया जागरूक

संवाददाता, मूड़ा सवारान

नुक्कड़ नाटक का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

- अधिकारियों ने महत्वपूर्ण योजनाओं के संबंध में दी जानकारी

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की शाखा मूडा सवारान द्वारा के जागरूकता सप्ताह के दौरान ग्राम पंचायत रहीम नगर ग्रंट के गांव हिकमत नगर में कैंप लगाकर बैंक द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बैंक अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई। साथ ही नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने खाताधारकों एवं ग्रामीणों को नाटक के माध्यम से जागरूक किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा मूड़ा सवारान ने हिमकमत नगर गांव में कैंप लगाकर खाता धारकों एवं ग्रामीणों को बैंक की महत्वपूर्ण योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि नाबार्ड के जिला प्रबंधक प्रसून ने खाता धारकों को किसान क्रेडिट कार्ड,पशुपालन क्रेडिट कार्ड,मत्स्य पालन क्रेडिट कार्ड,स्वयं सहायता समूह, क्रेडिट गारंटी फंड, सर्विस और मैन्युफैक्चरिंग, मार्जिन मनी योजना, खाद्य प्रसंस्करण योजना, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर आदि योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए ग्राहकों को सरलता से समझाया। कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्रीय प्रबंधक सुमित कौशिक ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना,प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक में फोन पे,गूगल पे,पेटीएम आदि पहले से ही संचालित थी एवं वर्तमान में बैंक द्वारा मोबाइल बैंकिंग व नेट बैंकिंग की सुविधा भी प्रारंभ कर दी गई है जिससे सभी खाताधारक व्यापारी वर्ग दुकानदार अपनी दुकान पर बारकोड लगाकर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। साथ ही बताया कि जालसाजों से खाता धारकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। किसी अनजान व्यक्ति से अपना ओटीपी एवं लिंक साझा न करें। शाखा प्रबंधक बलवीर सिंह, क्षेत्रीय कार्यालय अधिकारी धीरज कुमार, वित्तीय साक्षरता सलाहकार धर्मेंद्र चक्रवर्ती,शाखा कार्मिक सोहनलाल,बैंक मित्र धीरज कुमार,अयाज,अमन आदि मौजूद रहे।

स्पेशल ट्रेनें चलाने के साथ कई के ठहराव में बदलाव

बरेली, अमृत विचारः उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल ने कार्तिक मेला को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्टेशनों गढमुक्तेश्वर, कंकाठेर, रामगंगा ब्रिज, सिंभोली, हापुड़ और राजघाट पर 3 से 6 नवंबर तक विशेष व्यवस्था की है। कई ट्रेनों के अस्थायी ठहराव इन स्टेशनों पर दिए गए हैं। इसके अलावा कई मेला स्पेशल ट्रेनें भी चलाई जाएंगी। 4 और 5 नवंबर को 04301/04302 मुरादाबाद-गाजियाबाद मेला स्पेशल और 04303/04304 दिल्ली-हरिद्वार चलेंगी। इन ट्रेनों में एलसीएफ कोच लगाए जाएंगे ताकि अधिक यात्रियों को समायोजित किया जा सके। इसके अलावा 64567 अब गढ़मुक्तेश्वर से चलेगी। 4 नवंबर से 64568 से नई समय सारिणी के अनुसार संचालित होगी।

233 पूजा विशेष ट्रेनें आज से कई मार्गों पर चलेंगी

बरेली, अमृत विचारः त्योहारों के बाद अपने गंतव्य को लौटने वाले यात्रियों के लिए पूर्वोत्तर रेलवे ने 233 पूजा स्पेशल ट्रेनें 2,949 फेरों में विभिन्न मार्गों पर चलाने का निर्णय लिया है। इनमें से 147 पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से 1,585 फेरों में चलेंगी और 86 पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से होकर 1,364 फेरों में संचालित होंगी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि 1 नवंबर को चलने वाली प्रमुख ट्रेनों में 05325 गोमतीनगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस, 05062 टनकपुर-अछनेरा, 01454 गाजीपुर सिटी-हडपसर पुणे, 05037 गोमतीनगर-पनवेल और 05131 गोरखपुर-बहराइच शामिल हैं। इसके अलावा 03528 गोरखपुर-आसनसोल, 01052 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस ट्रेनें हैं।

न्यूज डायरी

शहादत दिवस पर याद की गईं इंदिरा गांधी

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शहादत दिवस पर कांग्रेसियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भाव पूर्ण स्मरण किया। नगर के अशोक चौराहा स्थित इंदिरा पार्क में कांग्रेस के नगर अध्यक्ष अजीत जैन के नेतृत्व में मनाए गये शहादत दिवस पर कांग्रेसियों ने राष्ट्रहित में किये गये कार्यों की चर्चा कर याद किया। योगेंद्र वाजपेयी, हाजी नसीर अहमद, सुधीर शुक्ला, तौसीफ गाजी, पप्पू बाजपेयी, अनस हुसैन, राकेश विश्वकर्मा, आदेश गुप्ता, कमलेश कुमार गुप्ता, नूरुल हसन, मनोज जायसवाल आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

मुख्य मार्ग पर भरा शारदा का पानी आवागमन में दिक्कत

मूड़ा सवारान, अमृत विचार : ब्लॉक बिजुआ क्षेत्र के मटेहिया गांव में शारदा नदी की बाढ़ का पानी अभी भी खेतों और प्रमुख मार्गों पर भरा हुआ है। इससे किसानों की फसलें जलमग्न हैं और जनजीवन प्रभावित हो रहा है। आमतौर पर किसान गन्ने की कटाई के बाद गेहूं की फसल बोते हैं लेकिन इस बार पानी सूखने में दो महीने से अधिक का समय लगने का अनुमान है। इससे गेहूं की बुवाई में देरी होगी और किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। पानी भरे होने के कारण किसान पैदल खेतों तक नहीं जा पा रहे हैं। धान की फसल गल गई है, जबकि गन्ने की फसल भी कमजोर पड़ गई है। स्थिति यह है कि पानी में मगरमच्छ भी आ गए हैं। बीते दिनों एक व्यक्ति पर मगरमच्छ का हमला भी हो चुका है।

दूल्हा बने बरगद का इमली रानी के साथ कराया विवाह

केशवापुर, अमृत विचार : सदर ब्लॉक की ग्राम पंचायत खेतौसा में शुक्रवार को पंचायत भवन में रोपे गए बरगद वृक्ष का विवाह धूमधाम से अमृत वाटिका में रोपी गई इमली रानी से पंडित जी ने मंत्रोच्चार कर सम्पन्न कराया। इस विवाह में वर पक्ष से ग्राम प्रधान जसवंत वर्मा, विश्वदेव वर्मा, लालमन वर्मा, रामकुमार, झाऊलाल वर्मा ने सारी रश्मो को निभाया। कन्या पक्ष से रामदास वर्मा ने पिता, रामप्यारी ने माता बनकर, कमलेश वर्मा, रामनरेश, शिवसागर लाल, जवाहरलाल, सुरेश विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा ने अपनी पत्नी सहित कन्यादान करते हुए सारी रश्मो को निभाया। धूमधाम से भांगड़ा और आतिशबाजी के साथ पहुंची बारात का स्वागत गांव के बालगोविंद वर्मा, किशोरी लाल, रामगोपाल वर्मा ने किया।

गो ज्ञान प्रतियोगिता में काव्या प्रथम, स्वाति रही द्वितीय

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : श्री धर्मादा समिति, गोशाला में हुई गो ज्ञान प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की काव्या शुक्ला ने प्रथम, सीजीएन पीजी कॉलेज की स्वाति गुप्ता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नगर के गोशाला में गो माता और सामान्य ज्ञान के प्रश्नों पर आधारित गो ज्ञान परीक्षा के विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि बालमुकुंद पांडे, नगर पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू ने पुरस्कृत कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। गोला टूरिज्म संगठन द्वारा आयोजित इस नि:शुल्क प्रतियोगिता नगर के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों से 100 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में निर्णय केवल ज्ञान के आधार पर किया गया, आयु, वर्ग के आधार पर नहीं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की काव्या शुक्ला, द्वितीय स्थान पर सीजीएन पीजी कॉलेज की स्वाति गुप्ता, तृतीय स्थान पर सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज के रुद्राक्ष शुक्ला, चतुर्थ स्थान पर शुभाषिनी त्रिवेदी रहे। मुख्य अतिथि, आयोजक एवं मंच द्वारा गोला टूरिज्म संगठन को उत्कृष्ट आयोजन हेतु संगठन के अध्यक्ष इं. विनायक श्रीवास्तव, सचिव इं. मिलिंद शुक्ल, विशेष सदस्य अवनीश प्रजापति, विशेष दीक्षित, गोला टूरिज्म क्रिएटर्स क्लब संयोजक वीरेंद्र कुमार गुप्ता वीनू को सम्मानित किया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना सं0 49/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से ''खुली'' निविदा आमंत्रित करते है।

क्र.सं.1:–कार्य का विवरणः बरेली सिटी स्टेशन पर 12 क्रू रूम के साथ रनिंग रूम का प्रावधान। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 1,94,42,365.84, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 2,47,200/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 08 माह।

क्र.सं.2:–कार्य का विवरणः इज्जतनगर डिवीजन के अन्तर्गत ऑटो कोरिनेटर्स के लिए ए.एम.सी. एवं सोडियम हाइपोक्लोराइड की आपूर्ति (इज्जतनगर, बरेली सिटी, बदायूँ, कासगंज मथुरा, पीलीभीत, काठगोदाम, फतेहगढ़ एवं कन्नौज में 3 वर्षो के लिए कुल 43 पम्पिंग स्टेशन)। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 1,07,02,553.20, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 2,03,500/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 36 माह।

क्र.सं.3:–कार्य का विवरणः समइं/लाइन के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत भोजीपुरा–लालकुआँ अनुभाग एवं इज्जतनगर–कासगंज अनुभाग में यार्ड सुधार एवं अपग्रेडेशन कार्य के स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत बेल्डिंग कार्य। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 94,22,386.14, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 1,88,500/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 06 माह।

क्र.सं.4:–कार्य का विवरणः समइं/लाइन/इज्जतनगर के अधिकार क्षेत्र के तहत एल.एच.एस एप्रोच रुफिंग एवं डीवाटरिंग में सुधार कार्य। अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 1,58,84,649.93, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 2,29,400/– निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 08 माह।

1. क्रम सं. 1 से 3 की ई– निविदा दिनांक 21.11.2025 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। 2. क्रम सं. 4 की ई– निविदा दिनांक 24.11.2025 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। 3. ई–निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी0), इज्जतनगर
मुजाधि/डब्लू–317

ट्रेनों में बीडी/सिगरेट न पियें

कार्यालय ग्राम पंचायत सिजौलिया वि.ख. नवाबगंज जिला बरेली

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में स्वीकृत मनरेगा कार्य योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत को आवंटित उपलब्ध धनराशि से कराये जाने हेतु निम्नांकित विवरणानुसार कार्यो के शासकीय विभाग से पंजीकृत उच्च कोटि की सामग्री आपूर्तिकर्ताओं/फर्मो से उच्च कोटि की ईट, रोड़ा, सीमेन्ट, बजरी, बजरफुट, रेता, सरिया व अन्य आवश्यक सामग्रियां निर्माण कार्य से प्रस्तुत होती है के लिये निविदायें आमंत्रित की जाती है। सीलबंद निविदायें ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 03.11.2025 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से दिनांक 07.11.2025 को अपरान्ह 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिनांक समय 4:00 बजे उपस्थित आपूर्तिकर्ताओं के सामने खोली जायेगी। कोई निविदा प्राप्त न होने पर कुटेशन प्राप्त कार्य कराने का अधिकार ग्राम पंचायत का होगा। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत को निहित होगा। मनरेगा के कार्यो का विवरण :

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	राममूर्ति की जगह से ब्रजलाल के खेत तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	428000

ग्राम प्रधान–मुख्तियार अहमद **सचिव–संजय वर्मा**

कार्यालय परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी, 35 यू/4ए रामपुर बाग, बरेली

पत्रांक: 374/परि.ग्रा.का./बरेली/प्रद.पत्रा./2025–26 **अल्पकालीन निविदा** दिनांक: 31.10.25

उ.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, बरेली द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में दिनांक 01.12.2025 से 10.12.2025 तक 10 दिवसीय मण्डल स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शन का आयोजन वेशली प्रगति मैदान, विशप मण्डल इण्टर कॉलेज, हिन्द सिनेमा हॉल के सामने, बरेली में किये जाने हेतु निम्नलिखित कार्य हेतु निविदायें जैम पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

1. टिन–टेण्टेज, ऑक्टोनार्मस स्टाल निर्माण आदि कार्य सभी करों सहित। 2. लाइट डेकोरेशन एवं साउण्ड सिस्टम, फ्लावर डेकोरेशन बुके फूल माला, जनरेटर इत्यादि। 3. प्रचार–प्रसार, प्रशस्ती पत्र/ प्रमाण पत्र हैण्डबिल/ विभागीय योजना का पम्फलेट, सुरक्षा व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी। 4. जल एवं साफ–सफाई व्यवस्था / जलपान / लंच पैकेट / चाय / काफी/ अतिथि सत्कार / स्मृति चिन्ह / जूट बैग (ग्रामोद्योग सामान सहित एवं किराये पर वाहन)।

उपरोक्तानुसार सभी निविदाकर्ता फार्म/व्यक्तियों जो कार्य करने वाले अनुभवी पंजीकृत, जी.एस.टी. (वैट), एवं आयकर फाइल करने वाली फर्मो से समस्त कार्यवाही जैम पोर्टल के माध्यम से पूर्ण की जायेगी। निविदा दिनांक 15.11.2025 के अपरान्ह 12:00 बजे तक जैम पोर्टल पर अपलोड की जा सकती है। बिना कारण बताये किसी एक निविदा या समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार समिति का होगा, जिसे किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकेगी।

परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी, बरेली मण्डल, बरेली

पूर्वोत्तर रेलवे

निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/प्लांट, यॉंत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती है:– **निविदा सं. एवं कार्य का विवरणः EL-MWS-GKP-2025-26-14** "रिप्लेसमेंट ऑफ आइसोलेशन स्विच फॉर स्टार्टिंग बैट्री इन 2200 पावर कार्स @ ₹1,36,476.44 (डब्ल्यू बी आइटम नं. 818/2025–26), एलॉटेड क्वांटिटी 130 नं. पावर कार्स।" **अनुमानित लागतः** ₹1,12,01,733.60; **बयाने की राशिः** ₹2,06,000/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** 0.00; **कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकार पत्र जारी होने की तिथि सेः** 24 महीना। • ऑनलाइन ई–निविदा जमा करने की तिथि 24.11.2025 समय 11:30 बजे तक। • पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य यॉंत्रिक इंजीनियर/प्लांट (कार.) गोरखपुर
मुजाधि/यांत्रिक–86

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

अमृत विचार

शनिवार, 1 नवंबर 2025

झूठे ज्ञान से खबरदार रहिए, यह अज्ञान से भी ज्यादा खतरनाक है।
–जार्ज बर्नाड शॉ, आइरिश नाटककार

विश्व वर्चस्व की दहलीज

भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा सात बार की विश्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया को हराना महज एक मैच की जीत नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र में युगांतरकारी घटना है। कौशल तथा तकनीकी दृष्टि से कठिन यह मुकाबला हार की हैट्रिक लगा कर आ रही भारतीय टीम की मानसिक मजबूती और उसके समन्वय का कड़ा इम्तिहान था। यह मैच फाइनल से भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि पिछले दस वर्षों में खेले गए अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में 75 प्रतिशत से अधिक जीत प्रतिशत बनाए रखने वाली ऑस्ट्रेलिया को हराना, महिला क्रिकेट में लगभग 'असंभव' माना जाता है। हालांकि यह भारत ही है, जिसने उसे कई बार टक्कर दी है और विश्व कप के सेमीफाइनल में पहले भी हराया है।

2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को अंतिम ओवर तक चुनौती दी थी, जबकि 2023 की बाइलैटरल सीरीज में भारत ने उन्हें सुपर ओवर में हराकर इतिहास रचा था। इस विजय से साफ है कि भारतीय महिला क्रिकेट ने खुद को दुनिया की शीर्ष चार टीमों, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की कतार में दृढ़ता से स्थापित कर लिया है। भारतीय टीम केवल प्रतिस्पर्धी नहीं, विजेता मानसिकता वाली टीम बन चुकी है। भारत ने पिछले पांच वर्षों में टी-20 और वनडे दोनों प्रारूपों में लगभग 63 प्रतिशत मुकाबले जीते हैं। यह किसी भी उभरती क्रिकेट शक्ति के लिए शानदार रिकॉर्ड है। बल्लेबाजी में निरंतर सुधार इसका सबसे बड़ा आधार है। नमूने के बतौर स्मृति मंधाना ने पिछले 24 महीनों में 42.7 के औसत से रन बनाए हैं और स्ट्राइक रेट 130 से ऊपर रखा है। हरमनप्रीत महिला क्रिकेट इतिहास की सर्वश्रेष्ठ बैटर में शुमार हैं। जेमिमा ने अभी शानदार शतक बनाया, तो शेफाली वर्मा और रिचा घोष जैसी निरंतर आक्रामकता महिला क्रिकेट में दुर्लभ है। गेंदबाजी में भी भारत ने प्रभावी प्रगति की है। रेनुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा ने इस क्षेत्र में कई कीर्तिमानी कारनामे अंजाम दिए हैं, हालांकि 'डेथ ओवर्स' की गेंदबाजी और स्पिन विकल्पों में और गहराई लाने की ज़रूरत है।

कई बार शुरुआती सफलता को हमारे गेंदबाजों ने अपने भोथरे आक्रमण से गंवा दिया है। फिलहाल टीम की सबसे बड़ी चुनौती निचले क्रम की बैटिंग और फील्डिंग है। निचले क्रम की बैटर्स का औसत सिर्फ 11.2 रन प्रति खिलाड़ी है, जो ऑस्ट्रेलिया की 17.6 और इंग्लैंड की 15.8 से बहुत पीछे है। हमारा कैच ड्रॉप प्रतिशत 12 के आसपास है। संसार की ऊपरी पायदान वाली टीमों में सबसे अधिक। इन दोनों क्षेत्रों में सुधार अत्यंत आवश्यक है, हालांकि इधर यह टीम न केवल खेल तकनीकी बल्कि मानसिक दृढ़ता में भी मजबूत हुई है। यह वही आत्मविश्वास है, जिसने ऑस्ट्रेलिया जैसी अजेय टीम को किस्मत से नहीं बाकायदा अपने खेल से मात दी। इसे देख लगता है भारतीय महिला टीम क्रिकेट के स्वर्ण युग की दहलीज पर है। बल्लेबाजी की निरंतरता, गेंदबाजी की धार और फील्डिंग की सटीकता को संयम और समन्वय के साथ बरकरार रखा गया, तो वह निकट भविष्य में ऐसी टीम बन सकती है, जिसे क्रिकेट के तीनों प्रारूपों- टेस्ट, वनडे और टी-20 में हराना लगभग असंभव होगा।

प्रसंगवश

हलाल सर्टिफिकेशन का समाजशास्त्र

उत्तर प्रदेश में हलाल सर्टिफिकेशन एक बार फिर चर्चा में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में हलाल-प्रमाणित उत्पादों की बिक्री और खरीद पर हाल ही में लगे प्रतिबंध का पुरजोर बचाव किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे प्रमाणन से जुटाई गई राशि का आतंकवाद, लव जिहाद और धर्मांतरण के लिए दुरुपयोग किया जा रहा था। आरएसएस शताब्दी समारोह में बोलते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि हलाल प्रमाणन सरकारी नियंत्रण से बाहर एक समानांतर, अनियंत्रित प्रणाली बन गई थी। यूपी में हलाल सर्टिफिकेशन को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के बयान के बाद हलाला सर्टिफिकेट पर राजनीति गरमा गई है।

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

ज्ञात हो कि नवंबर 2023 में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर हलाल प्रमाणन वाले खाद्य उत्पादों के उत्पादन, भंडारण, वितरण और बिक्री पर रोक लगा दी थी, जबकि निर्यात के लिए निर्मित उत्पादों को छूट दी गई थी। हलाल सर्टिफिकेशन के खिलाफ लखनऊ में देश का पहला केस दर्ज किया गया था। इसमें चार के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की गई थी। हलाल एक अरबी शब्द है, जिसका अर्थ होता है वैध या अनुमति प्राप्त। आमतौर पर यह शब्द मांस के संदर्भ में प्रयोग किया जाता है। इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार, हलाल तरीके से मांस तैयार करने में जानवर को झटके से नहीं काटा जाता, बल्कि धीरे-धीरे उसकी गर्दन से खून निकाला जाता है। इससे शरीर में ब्लड क्लॉटिंग नहीं होती और पूरा खून बाहर निकल जाता है।

ऐसे मांस को इस्लाम में 'जिबह' करना कहा जाता है और इसी मांस को खाना जायज माना गया है, हालांकि अब हलाल शब्द सिर्फ मांस तक सीमित नहीं रहा। आजकल खाने-पीने, कॉस्मेटिक और दवाओं तक में यह सर्टिफिकेशन दिया जाता है, ताकि यह साबित हो सके कि उनमें कोई हराम तत्व (वर्जित चीज) नहीं है। यानी कि हलाल सर्टिफिकेशन एक तरह का 'पवित्रता प्रमाणपत्र' है, जो बताता है कि उत्पाद इस्लामिक मान्यताओं के अनुरूप है और सभी धर्मों के लोग इसे बेझिझक इस्तेमाल कर सकते हैं। मुस्लिम धर्म गुरुओं के अनुसार, हलाल सर्टिफिकेशन सिर्फ मांस ही नहीं, बल्कि खाने-पीने, दवाओं और कॉस्मेटिक उत्पादों से भी जुड़ा है।

भारत में हलाल सर्टिफिकेशन अनिवार्य नहीं है, बल्कि यह एक स्वैच्छिक प्रक्रिया है। यानी खाद्य निर्माता को इसे लेना आवश्यक नहीं है। भारत में हलाल सर्टिफिकेशन को सरकार द्वारा राष्ट्रीय मानक के रूप में नियंत्रित नहीं किया गया है। भारत में हलाल सर्टिफिकेट जारी करने का कोई सरकारी तंत्र नहीं है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) केवल खाद्य सुरक्षा से संबंधित मानक तय करता है, लेकिन हलाल सर्टिफिकेट नहीं देता। देश में 'हलाल सर्टिफिकेशन' की सिर्फ चार संस्थाएं हैं। चारों इस्लामी हैं। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने ही इन निजी संस्थाओं को 'हलाल सर्टिफिकेशन' के लिए अधिकृत किया है।

आरोप है कि कई कंपनियां बिना जांच के पैसे देकर सर्टिफिकेट हासिल कर लेती हैं। उत्तर प्रदेश में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां फर्जी हलाल सर्टिफिकेशन के जरिए लोगों को गुमराह किया गया। सरकार ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए इसे प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया। इस सर्टिफिकेशन का चलन 1974 में मांस के लिए ही हुआ था, लेकिन 1993 में अन्य उत्पादों पर भी लागू कर दिया गया। अब दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी उत्पाद, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक, मसाले, तेल सरीखे शाकाहारी उत्पाद, फलियां, मेवे, अनाज और चीनी आदि भी 'हलाल सर्टिफिकेशन' के दायरे में हैं।

सांसों पर छाई सर्दियों की जहरीली चादर

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में सर्दियों का मौसम भले ही राहत और ठंडक लेकर आता हो, पर यही मौसम हमारे शहरों की हवा को सबसे ज़्यादा जहरीला बना देता है। दिसंबर और जनवरी के महीनों में दिल्ली, लखनऊ, पटना, कानपुर और कोलकाता जैसे शहरों का आसमान धुंध और धुएं से ढक जाता है। सुबह की ठंडी हवा अब ताजगी नहीं देती, बल्कि गले में जलन और आंखों में चुभन छोड़ती है। लोग जब मास्क लगाकर सड़क पर निकलते हैं, तो यह सिर्फ संक्रमण से बचाव के लिए नहीं, बल्कि सांस लेने लायक हवा की कमी से बचने का प्रयास भी है। सवाल यह है कि आखिर सर्दियों में हवा इतनी खराब क्यों हो जाती है और इसे कैसे समझा जाए।

हाल ही में वैज्ञानिकों ने भारत की सर्दियों की वायु गुणवत्ता को गहराई से समझने की कोशिश की। उन्होंने एक उन्नत वायुमंडलीय मॉडल का प्रयोग किया, जो हवा में मौजूद गैसों और कणों की गति, मिश्रण और रासायनिक बदलावों को समझने में मदद करता है। इस अध्ययन में पूरे भारतीय उपमहाद्वीप को बारह गुणा बारह किलोमीटर के छोटे हिस्सों में बांटकर यह देखा गया कि प्रदूषक किस तरह फैलते हैं और किस इलाके में जमा हो जाते हैं। अध्ययन 2015-16 की सर्दियों में किया गया, जब कई हिस्सों में वायु प्रदूषण चरम पर था।

वैज्ञानिकों ने गैसों और धूल-कणों की रासायनिक प्रक्रिया को समझने के लिए विशेष गणनाएं कीं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध आंकड़ों को भारत की स्थिति के अनुसार बदला, ताकि परिणाम यथार्थ के करीब हों। अध्ययन से यह पता चला कि सर्दियों में महीन कणों, कालिख, नाइट्रोजन यौगिकों, गंधक और अन्य गैसों का उत्सर्जन कई गुना बढ़ जाता है। ठंडी और स्थिर हवा इन प्रदूषकों को ऊपर उठने नहीं देती, इसलिए वे जमीन के पास फंसे रहते हैं और हवा को दूषित करते हैं।

अध्ययन में दिल्ली, अहमदाबाद, बेंगलूरु, चेन्नई, आगरा, लखनऊ, पटना, मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद जैसे दस प्रमुख शहरों के निगरानी आंकड़ों की तुलना मॉडल के परिणामों से की गई। नतीजे बताते हैं कि वैज्ञानिक मॉडल ने महीन कणों की मात्रा का अनुमान काफी सटीक लगाया। नाइट्रोजन डाईऑक्साइड की सांद्रता भी ठीक तरह से आंकी गई। कार्बन मोनोऑक्साइड का अनुमान थोड़ा कम रहा, पर अंतर बहुत अधिक नहीं था। ओजोन के स्तर को दिल्ली में मॉडल ने ठीक दिखाया, लेकिन दूसरे शहरों में दिन के समय यह वास्तविक मापों से अधिक निकला। इन नतीजों से यह स्पष्ट हुआ कि उत्तर और पूर्व भारत के शहर, विशेषकर गंगा के मैदानी इलाकों वाले शहर सर्दियों में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

इस क्षेत्र में खेती के बाद पराली जलाना, डीजल वाहनों का उत्सर्जन, औद्योगिक धुआं और ठंडी हवा- सभी मिलकर प्रदूषण का बोझ बढ़ाते हैं। तापमान कम होने से हवा का प्रवाह धीमा हो जाता है और प्रदूषक हवा में मिल नहीं पाते। परिणामस्वरूप पूरा क्षेत्र धुएं की परत से ढक जाता है। अध्ययन ने यह भी दिखाया कि दिन और रात के दौरान प्रदूषण के उतार-चढ़ाव का पैटर्न वास्तविक मापों के समान था। यानी, मॉडल हवा में मौजूद कणों और गैसों के व्यवहार को सही तरह समझ पा रहा था। यह सकारात्मक संकेत है कि भारत में ऐसे वैज्ञानिक उपकरण अब उपलब्ध हैं, जो वायु गुणवत्ता की सटीक भविष्यवाणी कर सकते हैं।

फिर भी अध्ययन ने कुछ कमियां भी उजागर कीं। सबसे पहले, भारत में अभी तक स्थानीय स्तर पर उत्सर्जन के ताजा और नियमित आंकड़े नहीं जुटाए जाते। अधिकतर आंकड़े सालाना औसत पर आधारित हैं, जबकि वास्तविकता में प्रदूषण हर दिन बदलता है। किसी दिन ट्रैफिक ज्यादा होता है, किसी दिन पराली जलाने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। अगर रोजाना का उत्सर्जन डेटा तैयार हो, तो हवा की गुणवत्ता का अनुमान और सटीक लगाया जा सकता है।

दूसरी जरूरत है कि देश के पास एक राष्ट्रीय उत्सर्जन सूची हो, जिसमें हाल के वर्षों के आंकड़े और स्थानीय गतिविधियों का असर शामिल किया जाए। तीसरी बड़ी जरूरत है कि वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें। आज भी भारत के अधिकतर ग्रामीण इलाकों में हवा की गुणवत्ता का कोई मापन नहीं होता, जबकि गांवों में भी अब पराली जलाने, ईंधन के धुएं और सड़क निर्माण जैसी गतिविधियों से प्रदूषण बढ़ रहा है।

यदि इन सुधारों को लागू किया जाए तो वैज्ञानिक मॉडल न केवल अधिक सटीक होंगे, बल्कि सरकारों और नीति-निर्माताओं को भी ठोस निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। उदाहरण के लिए, अगर किसी शहर या राज्य के पास यह जानकारी हो कि किस दिन और किस स्रोत से कितना प्रदूषण हुआ, तो नीति बनाना और नियंत्रण करना आसान हो जाएगा। यह चेतावनी प्रणाली बनाने में भी मदद करेगा ताकि लोगों को पहले से बताया जा सके कि आने वाले दिनों में हवा कितनी खराब होगी।

यह अध्ययन हमें एक गहरी सीख देता है कि सर्दियों में बढ़ता प्रदूषण केवल मानवीय गलती का नतीजा नहीं है। यह मौसम, भूगोल, औद्योगिक गतिविधियों और हमारी जीवनशैली का संयुक्त प्रभाव है। जब तक हम इसे समझकर स्थानीय स्तर पर उपाय नहीं करेंगे, तब तक यह संकट हर साल और गहराता जाएगा। साफ हवा किसी विलासिता की चीज नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का बुनियादी अधिकार है। विज्ञान, समाज और शासन- तीनों को मिलाकर इस अधिकार की रक्षा करनी होगी। जब तक हम अपने शहरों और गांवों की हवा के प्रति उतने ही जागरूक नहीं होंगे, जितने हम अपनी राजनीति या अर्थव्यवस्था को लेकर हैं, तब तक सर्दियों की यह धुंध हमारी सांसों को रोकती रहेगी। साफ हवा का सपना तभी पूरा होगा, जब विकास के हर कदम के साथ पर्यावरण का संतुलन भी हमारे विचारों का हिस्सा बनेगा।

वैज्ञानिक अध्ययन से पता चला है कि सर्दियों में महीन कणों, कालिख, नाइट्रोजन यौगिकों, गंधक और अन्य गैसों का उत्सर्जन कई गुना बढ़ जाता है। वे जमीन के पास फंसे रहते हैं और सांस लेने वाली हवा को दूषित करते हैं।

आमने

मेरी एक इच्छा है, वो ये कि हिंदू धर्म में पली-बढ़ी पत्नी उषा वेंस एक दिन कैथोलिक चर्च से प्रभावित होंगी और ईसाई धर्म अपना लेंगी, लेकिन अगर वो ऐसा नहीं करतीं, तो ईश्वर ने कहा है कि हर किसी को आजादी है, इसलिए यह मेरे लिए कोई समस्या नहीं है।
–**जेडी वेंस**, अमेरिकी उपराष्ट्रपति

सामने

अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने कहा कि वो हिंदू परंपराएं, जिन्हें उनकी पत्नी और लाखों अमेरिकी मानते हैं, पर्याप्त अच्छी नहीं हैं। किसी ऐसे व्यक्ति के लिए, जो सभी अमेरिकियों का राष्ट्रपति बनना चाहता है, इस तरह का कमेंट, यह कोई जीतने वाली रणनीति नहीं है।
–**सुहाग शुक्ला**, हिंदू-अमेरिकन फाउंडेशन की निदेशक

भारत का मजबूत उपभोग तंत्र और चुनौतियां

प्रो. एचसी पुरोहित
डीन, दून यूनिवर्सिटी

जीएसटी 2.0 के अमल में आने से उपभोक्ता वस्तुओं पर अब 5 और 18 प्रतिशत की दर से कर लग रहा है, जिसके कारण अधिकांश उपभोक्ता वस्तुएं सस्ते दामों पर मिल रही हैं। सितंबर माह के आखिरी सप्ताह के बाद के आंकड़े आर्थिक विचारकों और नीति-निर्माताओं के लिए उत्साहवर्धक हैं। नवरात्रि से ही दुपहिया वाहनों सहित सभी प्रकार के ऑटोमोबाइल उत्पादों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री ने यह उम्मीद जगा दी है कि भारत का मजबूत उपभोग तंत्र किसी भी प्रकार की चुनौती या झटके का सामना करने में सक्षम है। इसका प्रमुख कारण जीएसटी दरों में बदलाव और आयकर स्लैब में मिली राहत से मध्य वर्ग की बढ़ी क्रय-शक्ति मानी जा सकती है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि इस वर्ष सितंबर में भारत के आठ प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में तीन प्रतिशत अधिक रही। इस दौरान इस्पात और सीमेंट सेक्टर का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है, जिसका मुख्य कारण सरकार द्वारा संचालित बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की बढ़ती मांग है। इससे इस्पात की मांग भी बढ़ी, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 14.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़े बताते हैं कि सितंबर माह में औद्योगिक उत्पादन चार प्रतिशत की दर से बढ़ा है, जिसका प्रमुख कारण विनिर्माण क्षेत्र की 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर है। देश में विनिर्माण क्षेत्र की लगातार हो रही वृद्धि निवेशकों को आकर्षित कर रही है, जिससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हर वर्ष बढ़ रहा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश अप्रैल से जुलाई के मध्य 208.57 प्रतिशत बढ़कर 10.8 अरब डॉलर पहुंच गया, जो एक सुखद संकेत है। वर्ष 2023-2024 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 61.88 लाख करोड़ था, जो वर्ष 2024-2025 में बढ़कर 68.75 लाख करोड़ हो गया है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, सर्वाधिक 20 प्रतिशत एफडीआई में अमेरिका की हिस्सेदारी है और सिंगापुर 14.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। विनिर्माण के क्षेत्र में सर्वाधिक एफडीआई 48.4 प्रतिशत है, जो अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है। लगातार बढ़ रहा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने में सहायक होगा।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के आंकड़े बताते हैं कि नवरात्रि से दीपावली तक कुल 6.05 लाख करोड़ का कारोबार हुआ, जिसमें 5.40 लाख करोड़ वस्तुओं की बिक्री से संबंधित है तथा 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से, जिसमें पैकेजिंग, यात्रा, ट्रांसपोर्ट इत्यादि शामिल हैं। ई-कॉमर्स के लिए भी यह सीजन काफी शानदार रहा, जिसमें क्विक कॉमर्स ऑर्डर्स में 120 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक आर्थिक नरमी के बावजूद मजबूत सरकारी खर्च, बढ़ती घरेलू मांग और निर्यात में वृद्धि के कारण तेजी से बढ़ रही है।

डिलॉयट इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सकल घरेलू उत्पाद चालू वित्त वर्ष में 6.7 से 6.9 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अन्य देशों की तुलना में मजबूती से उभरती हुई एक आर्थिक शक्ति है। व्यापार और निवेश की अनिश्चितताओं के कारण वृद्धि का सटीक आकलन थोड़ा मुश्किल अवश्य है, परंतु कर सुधार और त्योहारी सीजन में उपभोक्ता वस्तुओं की बढ़ती मांग से निजी निवेश के बढ़ने की प्रबल संभावना है, जिससे बढ़ी हुई उपभोक्ता मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। डिजिटल भुगतान प्रकिया के अमल में आने से व्यापारिक गतिविधियां आसान एवं पारदर्शी हुई हैं, जिससे आम व्यक्ति का भरोसा बढ़ा है।

आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 के दौरान डिजिटल ट्रांजेक्शन मात्रा की दृष्टि से 99.7 प्रतिशत रहा है, जबकि मूल्य के हिसाब से यह 97.5 प्रतिशत है। इतनी बड़ी मात्रा में डिजिटल ट्रांजेक्शन का होना भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली एवं डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मजबूती को दर्शाता है, जिसके अंतर्गत क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, आरटीजीएस, यूपीआई आदि शामिल हैं। लगातार बढ़ रहे डिजिटल ट्रांजेक्शन से लेनदेन व भुगतान प्रक्रिया सुचारु होने के साथ ही पारदर्शिता भी बढ़ी है।

देश का मजबूत उपभोग तंत्र और औद्योगिकीकरण की बढ़ती गति का प्रमुख कारण तेजी से सुदृढ़ होता ढांचागत स्वरूप, लगातार सुधरता लॉजिस्टिक तंत्र एवं पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था है, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अर्थव्यवस्था की विकास दर को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही है। समावेशी विकास के लिए गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सुदूर ग्रामीण अंचलों तक करना आवश्यक है। साथ ही, क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन रोकने के लिए ग्रामीण, कृषि, औद्यानिकी एवं वानिकी आधारित उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करना होगा। लगातार बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और प्राकृतिक आपदाओं से बाधित होती विकास की गति को बनाए रखने के लिए दीर्घकालीन समाधान के उपायों पर कार्य करना भी बड़ी चुनौती है।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के आंकड़े बताते हैं कि नवरात्रि से दीपावली तक कुल 6.05 लाख करोड़ का कारोबार हुआ, जिसमें 5.40 लाख करोड़ वस्तुओं की बिक्री से संबंधित है।

सोशल फोरम

साहित्यकार आंद्रे जीड व दोस्तोएव्स्की का 'संवाद'

रात की ठंडी हवा में पेरिस की गलियों पर एक आदमी टहल रहा है। उसके चेहरे पर थकान है, पर आंखों में एक अजीब चमक। यह आंद्रे जीड हैं, अपने समय के सबसे बेचैन और खोजी साहित्यकार।

डॉ. सत्यजीत साहू
ब्लॉगर

वह बुदबुदाते हैं, "क्या कोई लेखक इतना गहरा हो सकता है कि हमें हमारी अपनी परछाइयों से मिला दे?" यह प्रश्न उन्हें बार-बार उसी ओर ले जाता है- फ़्योदोर दोस्तोएव्स्की।

किसी कैफे की मेज पर जीड बैठे हैं। सामने किताबों का ढेर, क्राइम एंड पनिशमेंट, द ब्रदर्स करमझोव, द इडियट। कॉफी का प्याला ठंडा हो चुका है, पर वह पन्नों में डूबे हैं।

"आंद्रे, तुम बार-बार इन रूसी किताबों में क्यों खो जाते हो? यूरोप में और भी महान लेखक हैं, शेक्सपियर, गेटे, पास्काल।"

"क्योंकि यहां, इन पन्नों में, मैं इंसान को उसकी पूरी सच्चाई में देखता हूं, उसकी कमजोरियों, उसके अपराधों, उसके भगवान और शैतान के बीच फंसे अस्तित्व को।"

जीड लिखते हैं, "पश्चिम में हमने साहित्य को अक्सर सजावट की कला बना दिया है। पर दोस्तोएव्स्की के यहां साहित्य चाकू की धार है। वह इंसान की हकीकत को परतों को काटता है, रक्त बहाता है और फिर घाव पर प्रकाश डालता है।"

वे मानते हैं कि दोस्तोएव्स्की को पढ़ना आसान नहीं है। यह ऐसा है मानो कोई आपको अंधेरे कमरे में धकेल दे और कहे, "अब देखो, यह तुम हो।"

एक रात जीड अपने कमरे में अकेले हैं। वे अपनी नोटबुक में दोस्तोएव्स्की से संवाद करते हैं।

जीडः "फ़्योदोर, तुम क्यों इतने क्रूर हो अपने पात्रों के साथ?"

दोस्तोएव्स्की (कल्पना में): "क्योंकि पीड़ा ही सत्य का रास्ता है। बिना पीड़ा के इंसान केवल मुखौटा है।"

जीडः "पर तुम्हारे पात्र टूटते-फूटते क्यों हैं?"

दोस्तोएव्स्कीः "टूटने में ही ईश्वर से मिलने की संभावना है। पूर्णता केवल ईश्वर में है, मनुष्य में नहीं।"

आंद्रे जीड अंततः लिखते हैं, 'दोस्तोएव्स्की ने मुझे यह सिखाया कि साहित्य केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि जिंदगी का दार्शनिक सफर है और इस सफर में लेखक और पाठक दोनों को साहस चाहिए।'
-फेसबुक वाल से

सामयिकी

बिहार चुनावः मुद्दे से ज्यादा जातीय समीकरण हावी

इस समय बिहार में विधानसभा का चुनाव प्रचार अपनी चरम सीमा पर है। बिहार में छः और 11 नवंबर को दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए सभी दलों ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। बिहार में इस चुनाव में मुख्य मुकाबला दो गठबंधनों के बीच में है। एनडीए और महागठबंधन। एनडीए का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नितीश कुमार कर रहे हैं, जबकि महागठबंधन की बागडोर लालू यादव और तेजस्वी यादव के हाथों में है। प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी भी बिहार में दो सौ से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

बिहार चुनाव में विभिन्न दलों द्वारा बहुत सारे लोक लुभावन वादे किए जा रहे हैं और बहुत सारे मुद्दे जोर-शोर से उठाए जा रहे हैं,

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

मगर चुनाव में जातिवाद का मुद्दा इन सभी मुद्दों पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। सभी दलों का मुख्य फोकस जातीय समीकरणों को अपने पक्ष में साधने पर है। महागठबंधन की नजर जहां यादव, अल्पसंख्यक एवं अति पिछड़ा वर्ग के वोटरों पर है, तो वहीं एनडीए सामान्य जाति, कुर्मी, जनजाति एवं अति पिछड़ी जातियों के मतदाताओं को अपने पाले में लाकर एक बार फिर सरकार बनाने की जुगत में है।

बिहार जाति जनगणना 2023 के अनुसार बिहार में यादव सबसे बड़ी जाति है। बिहार की कुल आबादी का लगभग 14.27% आबादी यादवों की है। इसके बाद अत्यंत पिछड़ा वर्ग 36 प्रतिशत, अनुसूचित जाति 6 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति 1.68 प्रतिशत हैं। अन्य प्रमुख जातियों में ब्राह्मण 3.65 प्रतिशत राजपूत 3.45 प्रतिशत भूमिहारों की 2.86 प्रतिशत आबादी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 18 प्रतिशत आबादी अल्पसंख्यक समुदाय की है।

यदि हम बिहार की आबादी का धार्मिक विश्लेषण देखें, तो हम पाएंगे कि बिहार में लगभग 81 प्रतिशत आबादी बहुसंख्यक हिंदू समाज की है। अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय की भागीदारी लगभग 18 प्रतिशत है। शेष एक प्रतिशत आबादी अन्य अल्पसंख्यक जैसे ईसाई, जैन और बौद्ध समुदाय के लोगों की है। बिहार में सत्ता का ऊंट किस करवट बैठेगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा, मगर सभी राजनीतिक दलों के बीच बड़ा दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। वर्तमान चुनावी परिप्रेक्ष्य में हमारा लोकतंत्र जातिगत समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमता नजर आ रहा है। आज हर राजनीतिक दल का फोकस जातिगत समीकरण साधने पर है, इसलिए चुनाव में भी जातियों का वर्चस्व आज भी बना हुआ है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि आजादी के 79 वर्ष बाद भी हमारा लोकतंत्र जातिगत समीकरणों के दंश से नहीं उबर पाया है।

सभी राजनीतिक पार्टियां अपनी चुनावी रणनीति जातीय समीकरणों को ध्यान में रखकर बनाती हैं। राजनीतिक दलों के विकास के तमाम दावे उस समय खोखले साबित हो जाते हैं, जब वे चुनाव में प्रत्याशियों की सूची जारी करते हैं। अधिकांश प्रत्याशी उसी जाति से होते हैं, जिस जाति के वोट उस विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक होते हैं। इन उलझे हुए जातिगत समीकरणों के कारण ही कोई भी राजनीतिक दल चुनाव में प्रत्याशी घोषित करते समय कोई रिस्क नहीं लेना चाहता है और जातिगत समीकरणों के आधार पर ही प्रत्याशी घोषित करता है। जाति विशेष का होना प्रत्याशी की सबसे बड़ी विशेषता बन जाती है और ऐसे में कर्मठ, योग्य और जुझारू नेताओं पर जाति विशेष के प्रत्याशी को वरीयता दी जाती है। हम भले ही आधुनिकता और प्रगतिशीलता का कितना भी ढिंढोरा क्यों न पीट लें, मगर हमारा लोकतंत्र आज भी जातिगत समीकरणों के भंवर में उलझा हुआ है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

मोबाइल की लत से अराजक होता बचपन

अत्याधुनिक तकनीक से जहां दुनिया करीब आई है, वहीं बच्चों में मोबाइल गेम्स की लत वर्तमान में एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। अत्यधिक या अनुचित उपयोग बच्चों में कई नकारात्मक घटनाओं का कारण बन सकता है। फ्री फायर जैसे हिंसात्मक या फाइटिंग गेम्स खेलने से बच्चों में आक्रामकता, चिड़चिड़ापन और गुस्सा बढ़ रहा है। सोशल इंटरेक्शन की कमी के कारण सामाजिक व्यवहार में बदलाव आता है। छोटे बच्चे वाले अधिकांश घरों में स्थिति एक जैसी है, अभिवावक सबकुछ समझते हुए अनजान बने हुए हैं, मगर हाल की कुछ घटनाएं और ओपीडी में बढ़ने वाली बच्चों की संख्या से, एक बार फिर मोबाइल गेम्स की लत और उसके गंभीर दुष्प्रभावों पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

-पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

गेम की लत बना रही बच्चों को चिड़चिड़ा

मोबाइल गेम्स की लत बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रही है। हालांकि किसी विशेष मामले में बिना पूरी जानकारी के सटीक टिप्पणी करना संभव नहीं है, लेकिन सामान्य तौर पर देखा गया है कि लगातार मोबाइल पर गेम खेलने वाले बच्चों में नकारात्मकता, चिड़चिड़ापन और आक्रामकता जैसे लक्षण तेजी से उभरते हैं। ऐसे बच्चे अक्सर इंपल्सिव यानी बिना सोचे-समझे निर्णय लेने वाले हो जाते हैं। उनके भीतर गुस्सा, धैर्य की कमी, और याददाश्त में कमी जैसे मानसिक बदलाव दिखाई देते हैं। साथ ही पढ़ाई में मन न लगना, एक आम समस्या बनती जा रही है। अभिभावकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि बच्चा दिनभर में कितनी देर मोबाइल इस्तेमाल कर रहा है। सलाह दी कि बच्चों को अलग से मोबाइल फोन नहीं देना चाहिए। यदि पढ़ाई के लिए मोबाइल की आवश्यकता हो, तो वह परिवार का साझा मोबाइल होना चाहिए, जिसे बच्चा अकेले कमरे में ले जाकर उपयोग न कर सके। मोबाइल का इस्तेमाल ऐसे माहौल में होना चाहिए, जहां अन्य सदस्य भी मौजूद हों। सही मार्गदर्शन से ही बच्चों को इस डिजिटल लत से बचाया जा सकता है।

-डॉ. आदर्श त्रिपाठी, बाल मानसिक रोग विशेषज्ञ, केजीएमयू

मोबाइल बन रहे बच्चों के लिए नशा, बढ़ रही समस्याएं

जैसे शराब और सिगरेट का नशा धीरे-धीरे बढ़ता है, वैसे ही मोबाइल गेमिंग की लत भी बच्चों में गहराती जाती है। शुरुआत में बच्चा 10 मिनट गेम खेलकर जितना संतुष्ट होता है, कुछ समय बाद वही संतुष्टि पाने के लिए उसे आधा घंटा, फिर कई घंटे तक खेलना पड़ता है। यह एक प्रकार का नशा है, जो मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों में बच्चों को प्रभावित करता है। इनमें हिंसा, गोलीबारी और अत्यधिक उत्तेजना वाले कई लेवल होते हैं, जिससे खेलने के दौरान बच्चे में अचानक उत्तेजना बढ़ जाती है, हृदय गति तेज हो जाती है और गंभीर स्थिति में हृदयाघात (हार्ट फेल) तक हो सकता है। इसलिए उन्होंने अभिवावकों को चेताया कि यदि बच्चा पढ़ाई से दूरी बना रहा हो, मोबाइल पर ज्यादा समय बिता रहा हो और परिवार या दोस्तों से बातचीत कम कर रहा हो, तो यह संकेत हो सकते हैं कि वह अवसाद या गेमिंग डिस्आर्डर का शिकार हो रहा है। इस स्थिति में अभिभावकों को चाहिए कि बच्चे के साथ अधिक समय बिताएं, उसकी दिनचर्या पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लें।

-डॉ. दीप्ती सिंह, मनोचिकित्सक, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल

मोबाइल गेम्स से पड़ने वाले दुष्प्रभाव

- गेम्स ऐप पर्चेज करने को बच्चे माता-पिता की अनुमति के बिना भी पैसे खर्च कर देते हैं।
- ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार होकर बच्चों ने माता-पिता के बैंक अकाउंट तक खाली कर दिए।
- फ्री फायर व पब जैसे गेम्स खेलने से रोके जाने पर बच्चों में बढ़ती है आत्महत्या की प्रवृत्ति।
- मोबाइल गेम्स खेलने से मना किए जाने पर हमला करने पर भी उतारू हो जाते हैं बच्चे।

मोबाइल की लत के लिए अभिभावक भी जिम्मेदार

आधुनिक परिवेश में बच्चों को खेलने की बजाय मोबाइल पकड़ा देना एक आम प्रवृत्ति बन चुकी है, जो भविष्य में गंभीर मानसिक और सामाजिक समस्याओं का कारण बनती जा रही है। आजकल मोबाइल देखकर खाना खाते हैं, दूध-पानी पिलाया जाता है, यानी बच्चे मोबाइल लेकर ही बड़े हो रहे हैं। बच्चा शुरुआत से ही गैजेट के प्रति आकर्षित हो रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि यह नशा माता-पिता खुद ही बच्चों में डाल रहे हैं। अभिभावकों को खुद पर नियंत्रण रखना होगा। यदि किसी कारणवश बच्चे को घर पर अकेला छोड़ना पड़े, तो बेहतर होगा कि घर में इंटरनेट की सुविधा सीमित कर दी जाए। इसके लिए वाई-फाई का पासवर्ड बदलना या स्पीड कम करने जैसे तकनीकी उपाय किए जा सकते हैं। साथ ही माता-पिता को चाहिए कि बच्चों की आदतों और दिनचर्या पर नजर रखें। यदि बच्चा लगातार मोबाइल में ही व्यस्त रहता है, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसकी जगह उन्हें मैदान में खेलने और लोगों के संपर्क में रहने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, जिससे वे सामाजिक रूप से सक्रिय रहें और अवसाद से दूर रहें।

-डॉ. देवाशीष शुक्ल, बलरामपुर अस्पताल, चिकित्सा अधीक्षक एवं मानसिक रोग विशेषज्ञ

बम से ज्यादा धमक पिता जी की आंखों में थी

पलछिन

बात उन दिनों की है, जब हमारी उम्र यही कुछ 10-12 वर्ष की रही होगी। घर में सात भाई बहन हैं। जाहिर है कि खूब धमाचौकड़ी होती थी। त्योहारों पर तो स्कूलों की छुट्टियां हो जाती थीं और दिन भर सिर्फ खेलना व मस्ती करना होता था। दीपावली पर स्कूल की छुट्टियां हो गईं। वैसे तो पिता जी (शिवनाथ सक्सेना) मना करते थे कि घर पर कोई पटाखा नहीं जलाएगा, लेकिन हम बच्चे कहां मानने वाले। उन दिनों बच्चे चटाई, लक्ष्मी बम और सुतली बम के दीवाने होते थे। हम भाई बहन भी सुतली बम खरीद लाए। सुतली बम बड़ा धमाका करता था। इस बम की एक धमक से घर तो घर, मोहल्ले के घरों के बर्तन गिर जाते थे। पिता जी दफ्तर गए और हमने दिन में पटाखे चलाना शुरू कर दिए। घर के आंगन में ही पटाखा बजा रहे थे। मां जी डांटती थीं लेकिन बच्चों की खुशी देखकर वह भी धमाके में बच्चों की हंसी-खुशी का आनंद लेती थीं। पटाखे चलाते-चलाते शाम के साढ़े पांच बज चुके थे और हमें ध्यान नहीं रहा कि पिता जी का दफ्तर से आने का समय हो गया। हम घर के घेर (आंगन) में पटाखे जला रहे थे कि दरवाजे की कुंडी बजी और पिता जी घर में घुस गए। बड़े भाई-बहन तो कुंडी की खटखट से भांप गए और कमरे में भाग गए और किताबें खोलकर पढ़ने लगे। हम पटाखे जलाने में इतना डूबे हुए थे कि पता ही नहीं चला कब पिता जी घेर में हमारे पीछे आकर खड़े हुए। जैसे ही हमने उनकी आंखों में देखा तो बम के धमाके से ज्यादा धमक पिता जी आंखों में थी। अब समझ नहीं आया क्या करें, पटाखे नाली में फेंके और खुद भी गिर गए और पिता जी को देखते हुए कमरे में भागे और बस्ता निकाल कर किताबें खोलकर पढ़ना शुरू कर दिया। इस बार दिवाली पर जब घर गए तो मोहल्ले में बच्चों के सुतली बमों ने पिता जी की याद दिला दी।

डॉ. अतुल सक्सेना
वरिष्ठ चिकित्सक
राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी

लव बड्र्स

मोहब्बत जो वक्त से जीत गई

कहते हैं, कुछ कहानियां वक्त नहीं, एहसास लिखते हैं। ऐसी ही एक कहानी है शिवेंद्र और दिव्या की, जिसमें न सिर्फ प्यार है, बल्कि संघर्ष, जिद्द और उस मुस्कुराहट की मिठास भी है, जो हर रिश्ते को जिंदा रखती है। शिवेंद्र और दिव्या की मुलाकात किसी फिल्मी अंदाज में नहीं हुई थी, पर जो हुआ वो दिल के इतने करीब था कि याद बन गया। कॉलेज के दिनों में जब शिवेंद्र ने पहली बार दिव्या को देखा, तो बस एक पल को लगा, "यही है वो", लेकिन उस 'एक पल' को रिश्ते में बदलने के लिए उन्हें वक्त, हिम्मत और बहुत सारी कोशिशें करनी पड़ीं। दिव्या का सादापन और उसकी मुस्कान, दोनों में एक सुकून था। वहीं शिवेंद्र की बातों में वो अपनापन था, जो किसी को भी खींच ले। दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे बातों, मुलाकातों और इंतजारों में बदलती चली गई। हर दिन एक नया बहाना ढूंढना, हर बार एक नया कारण बनाना कि कहीं न कहीं मिल सकें। यही उनका रोजमर्रा का रोमांच बन गया था।

रूठने-मनाने का सिलसिला तो जैसे इनकी कहानी की धड़कन थी। दिव्या की नाराजगी अक्सर बेवजह होती, पर शिवेंद्र को उसे मनाने का हर बहाना अच्छा लगता था। कभी एक छोटी-सी चॉकलेट, कभी एक नोटबुक के बीच रखा खत, तो कभी बस एक चुप्पी में भरा माफीनामा- यही था उनका प्रेम का तरीका, लेकिन जब बात शादी तक पहुंची, तब जिंदगी ने उनकी परीक्षा ली। घरवालों को मनाना, समाज की नजरों से लड़ना, अपने सपनों को संभालते हुए रिश्ते को बचाना- दोनों के लिए आसान नहीं था। दिव्या के घर में हजार सवाल और शिवेंद्र के मन में सिर्फ एक जवाब- "वो मेरी जिंदगी है।" कई रातें बेचैनी में गुजरीं, कई दिन उम्मीद में। कभी सब ठीक लगता, तो कभी सब बिखरता नजर आता, लेकिन दोनों ने तय कर लिया था कि हार नहीं माननी। शादी की तारीख तय होने तक दोनों के दिलों में जैसे तूफान था- कहीं कुछ रुक न जाए, कहीं ये सफर अधूरा न रह जाए। फेरों के दिन जब शिवेंद्र ने दिव्या की आंखों में देखा, तो वहां सिर्फ आंसू नहीं थे- वहां सालों की जद्दोजहद, इंतजार और जीत की चमक थी।

जब पंडित ने कहा "सप्तपदी पूर्ण हुई", तो ऐसा लगा जैसे वक्त ठहर गया हो। हर धड़कन ने कहा- "अब सब ठीक है।" आज सालों बाद भी जब शिवेंद्र और दिव्या अपनी पुरानी तस्वीरें देखते हैं, तो चेहरे पर वही मुस्कान लौट आती है। वो कहते हैं- "प्यार वही सच्चा है, जो वक्त से डरता नहीं और रिश्ते वही मुकम्मल हैं, जो रूठने-मनाने में टूटते नहीं।" उनकी कहानी इस बात का सबूत है कि मोहब्बत अगर सच्ची हो, तो मंजिल देर से सही, पर मिलती जरूर है। फोटो चाहे पुरानी हो या नई, पर उनकी कहानी हर फ्रेम में मुस्कुरा रही है। क्योंकि शिवेंद्र और दिव्या ने सिर्फ एक-दूसरे से नहीं, जिंदगी से भी मोहब्बत की है।

-शिवेंद्र और दिव्या
कानपुर

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,938.71	25,722.10
गिरावट	465.75	155.75
प्रतिशत में	0.55	0.60

सोना 1,25,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 1 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

व्यवसाय तीन साल से लंबित जीएसटी रिटर्न नहीं भर पाएंगे

नई दिल्ली। जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने कहा कि व्यवसाय नवंबर कर अवधि से तीन साल या उससे अधिक समय के लिए देय जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे। जीएसटीएन ने कहा कि सभी जीएसटी-पंजीकृत व्यवसायों के लिए मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक रिटर्न नियत तिथि से तीन साल की समाप्ति के बाद दाखिल करने पर रोक लगा दी जाएगी। यह प्रतिबंध जीएसटी मंच पर नवंबर 2025 कर अवधि से लागू किया जाएगा, जिसका मतलब है कि कोई भी रिटर्न जिसकी देय तिथि तीन साल या उससे अधिक पहले थी और नवंबर कर अवधि तक दाखिल नहीं किया गया है, उसे दाखिल करने से रोक दिया जाएगा।

स्थानीय निकायों को भी रेरा के दायरे में लाया जाए

नई दिल्ली। रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के अध्यक्ष आनंद कुमार ने रेरा को ज्यादा शक्तियां देने की वकालत करते हुए शुक्रवार को कहा कि उसके पास स्थानीय निकायों को भी निर्देश देने का अधिकार होना चाहिये। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा भारतीय रियल एस्टेट के विकास पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रेरा बनने के बाद रियल एस्टेट सेक्टर पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, लेकिन इसमें अब भी कुछ कमियां हैं, जिन्हें दूर किया जाना चाहिए।

एप्पल ने भारत में सर्वकालिक अधिकतम राजस्व किया दर्ज

नई दिल्ली। आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल ने जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान भारत में अब तक का रिकॉर्ड राजस्व कमाया है। यह दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में मजबूत वृद्धि का संकेत है, जहां प्रौद्योगिकी दिग्गज खुदरा उपस्थिति एवं स्थानीय विनिर्माण को बढ़ा रहा है। कंपनी ने बयान में कहा कि एप्पल ने इस तिमाही में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत अधिक कुल 102.5 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व दर्ज किया।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता जारी रखे भारत

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन ने दिया सुझाव, निर्यात में भी विविधता लाने पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने शुक्रवार को कहा कि भारत को निर्यात में विविधता लानी चाहिए और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत तेज करनी चाहिए। साथ ही अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के लिए उसके साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए।

देव ने 'प्रथम आईएसआईडी@40 विशिष्ट व्यक्ति व्याख्यान' को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा नीतियों एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कमी के बावजूद भारत के लिए विश्व वस्तु व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए कई अवसर हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है विनिर्माण के लिए भारत की व्यापार नीति एशिया, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका, कुछ विकसित देशों में निर्यात में विविधता लाने, एफटीए को तेज करने और अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखने की होनी चाहिए। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि नियम-आधारित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सदैव संरक्षणवाद से बेहतर है।

उनकी यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका, भारत पर रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का दबाव बना रहा है। अमेरिका ने 22 अक्टूबर को रूस की दो सबसे बड़ी कच्चा तेल उत्पादक कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिए थे। साथ ही सभी अमेरिकी संस्थाओं और लोगों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने पर रोक दिया गया है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत का जुर्माना लगाया है। यह अमेरिकी बाजारों में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत के जवाबी शुल्क के अतिरिक्त है। कुल मिलाकर भारतीय सामानों पर अमेरिका में 50 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लग रहा है। भारत ने इन शुल्कों को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया है।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे आकार का कोई भी उभरता हुआ बाजार मजबूत निर्यात वृद्धि के बिना एक दशक या उससे अधिक समय तक सात या आठ प्रतिशत की दर से नहीं बढ़ा है। देव ने कहा, 1700 में विश्व सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत थी। कुछ अनुमानों से पता चलता है कि 2043 तक विश्व सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत हो जाने की संभावना है। सुधार के बाद के पिछले तीन दशकों में भारत की औसत वृद्धि दर छह से 6.5 प्रतिशत प्रति वर्ष रही है।

निवेश दर वृद्धि की चालक, 35% होनी चाहिए

एस महेंद्र देव ने निवेश दर को वृद्धि का चालक बताते हुए कहा, भारत को सात प्रतिशत वृद्धि दर प्राप्त करने के लिए निवेश दर को वर्तमान 31-32 प्रतिशत से बढ़ाकर 34-35 प्रतिशत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र को भारत में अधिक निवेश करना चाहिए क्योंकि अब दोहरे बही-खाते की कोई समस्या नहीं है। देव ने कहा, सरकारी पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है। इसका कई गुना प्रभाव पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी मांग बढ़ने से निजी निवेश में वृद्धि होगी।

> भारत में 200 से 500 कर्मचारियों वाली कई और मध्यम स्तर की विनिर्माण इकाइयां होनी चाहिए। विनिर्माण क्षेत्र में अन्य बातों के अलावा, बड़ी समस्या यह है कि अधिकतर कंपनियां 10 से कम श्रमिकों के साथ काम कर रही हैं और उनका आकार छोटा है। - एस महेंद्र देव

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में तीन महीने की सबसे बड़ी गिरावट

मुंबई, एजेंसी

- 6.925 अरब डॉलर घटकर 695.355 डॉलर रह गया

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 6.92 अरब डॉलर घटकर 695.35 अरब डॉलर रह गया। इसके एक सप्ताह पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.49 अरब डॉलर बढ़कर 702.28 अरब डॉलर हो गया था।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 24 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.86 अरब डॉलर घटकर 566.54 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि आलोच्य सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.01 अरब डॉलर घटकर 105.536 अरब डॉलर रह गया।

इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 5.8 करोड़ डॉलर घटकर 18.66 अरब डॉलर रह गए। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 60 लाख डॉलर बढ़कर 4.608 अरब डॉलर हो गया।

पहली छमाही में केंद्र का राजकोषीय घाटा बढ़ा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के अंत में केंद्र का राजकोषीय घाटा समूचे वित्त वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत रहा। लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में राजकोषीय घाटा 2024-25 के बजट अनुमान का 29 प्रतिशत था। मौजूदा कीमतों पर 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 5,73,123 करोड़ रुपये रहा। केंद्र का अनुमान है कि 2025-26 के दौरान राजकोषीय घाटा देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत यानी 15.69 लाख करोड़ रुपये रहेगा।

फोर्ड चेन्नई संयंत्र में 3,250 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- नए निवेश के बाद 2.35 लाख होगी प्लांट की वार्षिक क्षमता

अमेरिकी वाहन विनिर्माता कंपनी फोर्ड ने नई पीढ़ी के इंजन बनाने के लिए अपने चेन्नई संयंत्र में 3,250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी की ओर से शुक्रवार को इस संबंध में घोषणा की गई। इसके बाद संयंत्र की वार्षिक क्षमता 2.35 लाख इंजन हो जाएगी।

मोटर वाहन विनिर्माता ने कहा कि उसने तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें रणनीतिक दिशा को रेखांकित किया गया है जो फोर्ड+ योजना के तहत भारत की विनिर्माण विशेषज्ञता का लाभ उठाती है। इससे पहले कंपनी 2021 में भारतीय बाजार से बाहर निकल गई थी। फोर्ड ने बयान में कहा कि इस वर्ष के अंत में शुरू होने वाली परियोजना में तैयारी और निवेश के बाद चेन्नई संयंत्र की वार्षिक क्षमता 2.35 लाख इंजन होगी।

इसमें 2029 में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। बयान में कहा गया, 3,250 करोड़ रुपये के प्रारंभिक अपेक्षित निवेश के साथ इस परियोजना से 600 से अधिक नौकरियों के साथ-साथ पूरे उद्योग में अप्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की उम्मीद है। फोर्ड मोटर कंपनी के अध्यक्ष (अंतरराष्ट्रीय बाजार समूह) जेफ मैरेंटिक ने कहा, हमें अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने और फोर्ड के विनिर्माण नेटवर्क में चेन्नई संयंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है।

शेयरों की बिकवाली से सेंसेक्स में 466 अंकों की गिरावट

मुंबई। निजी बैंकों के शेयरों में बिकवाली और वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच शुक्रवार को स्थानीय बाजार लगातार दूसरे दिन नुकसान में रहे। सेंसेक्स लगभग 466 अंक गिर गया जबकि निफ्टी में 156 अंकों की गिरावट रही।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 465.75 अंक यानी 0.55 प्रतिशत टूटकर 83,938.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 498.8 अंक गिरकर 83,905.66 अंक तक आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 155.75 अंक या 0.60 प्रतिशत गिरकर 25,722.10 पर आ गया। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, कंपनियों के मिलेजुले नतीजे और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों पर स्पष्टता की कमी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

सेबी:110 वरिष्ठ पदों के लिए आवेदन मांगे

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 110 वरिष्ठ पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। ये पद सामान्य, विधि, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, आधिकारिक भाषा और इंजीनियरिंग के लिए ग्रेड ए अधिकारी के हैं। सामान्य वर्ग में 56 पद, सूचना प्रौद्योगिकी के लिए 22, विधि के लिए 20, अनुसंधान के लिए चार, राजभाषा के लिए तीन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के लिए दो और इंजीनियरिंग (सिविल) के लिए तीन पद हैं। अभ्यर्थी 28 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्रदूषण से मौतें कम करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा अपनाए भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

- लैंसेट काउंटडाउन ने कहा- बढ़ती अर्थव्यवस्था होने से ये आसान

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी क्षमताएं उसे कोयले से स्वच्छ नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने का अनूठा अवसर देती हैं। लैंसेट काउंटडाउन की एक शीर्ष अधिकारी ने यह उम्मीद जताते हुए नवीकरणीय ऊर्जा में अधिक सरकारी निवेश का आग्रह किया ताकि भारत में प्रदूषण से होने वाली मौतों को कम किया जा सके।

लैंसेट काउंटडाउन की कार्यकारी निदेशक मेरीना बेलेन रोमानेलो ने एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में काम करने की काफी गुंजाइश है। उन्होंने जोर दिया कि इन उपायों से नागरिकों को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ होंगे। रोमानेलो ने कहा, भारत एक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में उभर रहा है और स्थानीय इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी नवाचार में इसकी उन्नत क्षमताएं इस बदलाव का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है। कोयले महंगा और अत्यधिक प्रदूषणकारी है, और इससे स्वच्छ, नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने के लिए पर्याप्त निवेश और मजबूत सरकारी समर्थन की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाने के लिए भारत सरकार के प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन पूरी क्षमता हासिल करने के लिए इसे और मजबूत करना चाहिए। 'द लैंसेट' पत्रिका की एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार मानव-जनित पीएम2.5 प्रदूषण के कारण 2022 में भारत में 17 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा 2010 से 38% अधिक है। जीवाश्म ईंधन के उपयोग से 44% मौतें हुईं। मृत्यु दर की गणना का तरीका पूछने पर रोमानेलो ने बताया कि ये पद्धतियां आंकड़ों को जोड़ती हैं जो बताती हैं कि दुनिया के हिस्सों में कितना प्रदूषण पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आंकड़े भले ही अनुमान पर आधारित हैं, लेकिन वैज्ञानिक विधियों के आधार पर वायु प्रदूषण से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी समझ का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राष्ट्रीय

बिहार चुनाव: पुलिस सर्विस से इस बार पॉलिटिक्स सर्विस में उतरने वाले तमाम

सभी दलों ने पूर्व आईपीएस अधिकारियों को टिकट देने में दिखाई है दरियादिली

पटना, एजेंसी

खाकी वर्दी पहनने वाले तमाम पुलिस अधिकारी इस बार विधानसभा चुनाव में खादी का रौब पाने के लिए बेताब नजर आ रहे हैं। सभी दलों ने उन्हें टिकट देकर अपना प्रत्याशी बनाने में दरियादिली दिखाई है। इनमें सर्वाधिक संख्या पूर्व आईपीएस अधिकारियों की है।

बिहार में पुलिस अधिकारियों के राजनेता बनने का सिलसिला वैसे तो काफी पुराना है। कई खाकीधारी जनप्रतिनिधि बनने में कामयाब भी रहे हैं। इस बार वर्ष 2025 के चुनावी रण में भी कई खाकीधारी चुनावी रण में कूदे हैं और पूरी शिद्दत से अपना चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

पूर्व आईपीएस अधिकारी और बिहार के सुपर कॉप कहे जाने वाले शिवदीप लांडे जमालपुर और अररिया विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। बक्सर विधानसभा सीट पर इस बार भाजपा के टिकट पर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट और असम के सिंघम के नाम से मशहूर पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा चुनावी अखाड़े में उतरे हैं। महाकवि आरसी प्रसाद सिंह ,उदयनाचार्य, पंडित सुरेंद्र झा सुमन जैसे दार्शनिकों और साहित्यकारों की धरती रोसड़ा (सुरक्षित) सीट से तमिलनाडु के पूर्व पुलिस महानिदेशक वीके रवि को कांग्रेस ने टिकट दिया है।

छपरा विधानसभा क्षेत्र से हिमाचल प्रदेश कैडर पूर्व आईपीएस अधिकारी जय प्रकाश सिंह भाग्य आजमां रहे हैं। दरभंगा से जमशेदपुर के पूर्व पुलिस अधीक्षक और बिहार के पूर्व महानिदेशक (होमगार्ड) राकेश कुमार मिश्रा खादी का रुतबा हासिल करने के लिए चुनाव प्रचार में धूल फांक रहे हैं। भोरे (सुरक्षित) सीट से पूर्व मंत्री चंद्रिका राम के पुत्र और पूर्व आईपीएस अधिकारी और विधायक सुनील कुमार जदयू के टिकट पर दूसरी बार यहांजीत का परचम लहराने के लिए बेताब हैं। नोखा से सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक नसरुल्ला खां जनसुराज के उम्मीदवार हैं। पूर्व डीआईजी राम नारायण सिंह राष्ट्रवादी जनलोक पार्टी (सत्य) के उम्मीदवार के रूप में बैकुंठपुर में जोर आजमाइश कर रहे हैं। सिंह भाजपा के कार्यकर्ता थे लेकिन टिकट नही मिलने की वजह से विद्रोही स्वर के साथ मैदान में कूद गए हैं।

बिहार की राजनीति में पहले से अफसरों की भरमार

बिहार में पूर्व आईपीएस अधिकारियों की एक लंबी फेहरिस्त है, जो खाकी से खादी तक का सफर तय कर चुके हैं। पहला नाम दिल्ली के पूर्व पुलिस कमिश्नर और पूर्व मुख्यमंत्री सत्येंद्र नारायण सिंह के पुत्र निखिल कुमार का है जो सेवानिवृत्ति के बाद वर्ष 2004 में कांग्रेस के टिकट पर औरंगाबाद के सांसद बने। केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह बनाने वालों में पूर्व आईजी ललित विजय सिंह का नाम भी शामिल है। पूर्व आईजी सैयद फजल अहमद 1984 में मुंगेर सीट से लोकसभा चुनाव हार चुके हैं। पूर्व डीआईजी राजेन्द्र शर्मा 1991 के लोकसभा चुनाव में जहानाबाद सीट से भाजपा के टिकट पर हार चुके हैं। पूर्व आईजी बलवीर चांद भी वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव में गया सीट से हार चुके हैं। पूर्व डीजीपी ध्रुव प्रसाद ओझा को भी वर्ष 2004 में बेगूसराय लोकसभा क्षेत्र की जनता ने नकार दिया। पूर्व डीजीपी आशीष रंजन सिन्हा ने 2014 के आम चुनाव में नालंदा सीट से कांग्रेस के टिकट पर ताल ठोंकी थी लेकिन हार गए।

मेरा व्यक्तिगत विचार है कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगे: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर फिर से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि देश में कानून व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के लिए यही संगठन जिम्मेदार है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह उनका व्यक्तिगत विचार है। खरगे ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के एक बयान से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए संवाददाताओं से कहा, मेरा व्यक्तिगत विचार है और खुलकर बोलूंगा कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगना चाहिए। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जो चीजें आरएसएस को लेकर हमारे सामने रखी हैं, अगर उसकी मर्यादा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री रखते हैं तो यह प्रतिबंध होना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, आज देश में जो गड़बड़ियां हो रही हैं और कानून-व्यवस्था की समस्यां पैदा हो रही हैं, ये सब भाजपा और आरएसएस की वजह से हैं।

एसपी की मंजूरी के बिना वकीलों को तलब नहीं कर सकेंगे जांच अधिकारी

सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज किए अब तक भेजे गए समन

नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी ने भेजे थे समन

सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन तथा न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने ईडी की ओर से धन शोधन जांच के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को तलब किए जाने के बाद स्वत: संज्ञान मामले में यह फैसला सुनाया।

वकील-मुवक्किल विशेषाधिकार की रक्षा के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जांच एजेंसियों को मुवक्किलों को सलाह देने के वास्ते वकीलों को मनमाने ढंग से तलब करने पर रोक लगाने के लिए कई निर्देश जारी किए और कहा कि जांच अधिकारी उन्हें तब तक नहीं बुला सकते जब तक कि पुलिस अधीक्षक की मंजूरी न हो।

ईडी की ओर से वकीलों को भेजे गए समन को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि यह उन आरोपियों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है जिन्होंने वकीलों को पैरवी के लिए चुना था। पीठ ने कहा कि उसने वकीलों की सुरक्षा के लिए नियम में छूट को सुसंगत बनाने का अनुरोध किया है और जांच एजेंसियों के अनुचित दबाव से कानूनी पेशे की रक्षा के लिए नए निर्देश जारी किए हैं।

दिल्ली दंगों से मेरे संबंध का कोई सबूत नहीं: खालिद

नई दिल्ली। दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों से जुड़े यूएपीए मामले में जमानत का आग्रह करते हुए कार्यकर्ता उमर खालिद ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि हिंसा से उसके संबंध का कोई सबूत नहीं है तथा उसके खिलाफ लगाए गए साजिश के आरोप गलत हैं। खालिद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ को बताया कि दिल्ली दंगों से उसे जोड़ने वाले धन, हथियार या किसी भी भौतिक साक्ष्य की कोई बरामदगी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 751 प्राथमिकी हैं, एक में मुझ पर आरोप लगाया गया है, और अगर यह एक साजिश है, तो यह आश्चर्यजनक है। जिन तारीखों को दंगे हुए, वह दिल्ली में नहीं था। उसके खिलाफ कोई साक्ष्य अभी तक नहीं मिला है।

सीएपीएफ : केंद्र की पुनर्विचार याचिका खारिज

नई दिल्ली। केंद्र को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले पर पुनर्विचार की याचिका खारिज कर दी है जिसमें निर्देश दिया गया था कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में आईपीएस अफसरों की प्रतिनियुक्ति कम कर छह महीने में कैडर समीक्षा की जाए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ केंद्र की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें सुप्रीम कोर्ट के 23 मई के फैसले की समीक्षा का आग्रह किया गया था।

सिर्फ 26 सेकेंड में घोषणापत्र, नीतीश भी नदारद

पटना। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने शुक्रवार को राजग पर तीखा हमला बोलते हुए बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जारी उनके संकल्प पत्र को को झूठ का पुलिंदा बताया।

गहलोत एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राजग का संकल्प पत्र 2025 केवल 26 सेकंड में जारी कर दिया गया। उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी में यह मीडियाकर्मियों के जीवन का सबसे छोटा संवाददाता सम्मेलन था। कांग्रेस नेता ने घोषणापत्र जारी होने के समय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की औपचारिक उपस्थिति पर सवाल उठाए और कहा कि अगर नीतीश कुमार बिहार में राजग का नेतृत्व कर रहे हैं तो उन्होंने खुद घोषणापत्र क्यों नहीं जारी किया। क्या वह लोगों का सामना करने या सवालों के जवाब देने की स्थिति में नहीं हैं। गहलोत ने राजग के दस्तावेज़ को झूठे वादे बताते हुए याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को 1.25 लाख करोड़ रुपये के विशेष पैकेज का वादा किया था, जो पूरा नहीं हुआ। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, कि प्रधानमंत्री ने चंपारण की एक बंद पड़ी चीनी मिल को पुनः शुरू करने का वादा किया था और कहा था कि अगली बार उसी चीनी मिल में बनी चीनी की चाय पिएंगे, लेकिन बाद में अपना वादा भूल गए। कांग्रेस के नेता ने राजग सरकार पर पिछले दो दशकों में विफल रहने का आरोप लगाया और कहा कि रोज़गार, औद्योगिक विकास, महिला सशक्तिकरण और किसान कल्याण से जुड़े राजग के वादे खोखले साबित हुए थे।

- गहलोत ने राजग के घोषणापत्र को बताया झूठ का पुलिंदा

डीजीपी से जन सुराज पार्टी समर्थक की हत्या पर मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने मोकामा में जन सुराज पार्टी के एक समर्थक की हत्या के मामले में शुक्रवार को बिहार के पुलिस महानिदेशक से रिपोर्ट मांगी।

विधानसभा चुनाव से पहले जन सुराज पार्टी के समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या के बाद मोकामा में तनाव व्याप्त हो गया है। मोकामा से राजद उम्मीदवार वीणा देवी की कार पर शुक्रवार को पथराव किया गया। डीजीपी को जल्द से जल्द चुनाव अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा गया है।

दिल्ली : 2023 में वायु प्रदूषण की वजह से हुई 15% मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी

- ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज संस्था ने किया आंकड़ों का विश्लेषण

वायु प्रदूषण दिल्ली के लोगों के लिए सबसे बड़ा स्वास्थ्य जोखिम बना हुआ है जो वर्ष 2023 में मौत के सभी मामलों में से लगभग 15 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है। नवीनतम 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' (जीबीडी) के आंकड़ों के विश्लेषण से यह जानकारी सामने आई है।

इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) ने इस महीने की शुरुआत में जारी जीबीडी 2023 के आंकड़ों के विश्लेषण में पाया कि आसपास के परिवेश में मौजूद प्रदूषण कणों के संपर्क में आने से 2023 में दिल्ली में 17,188 लोगों की मौत होने का अनुमान है। इसका मतलब है कि दिल्ली में हर सात में से एक व्यक्ति की मौत प्रदूषित हवा से जुड़ी थी। हालांकि, केंद्र सरकार का कहना है कि वायु प्रदूषण और मौत के मामलों के बीच सीधा संबंध स्थापित करने के लिए कोई निर्णायक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक वायु प्रदूषण के बाद वर्ष 2023 में दिल्ली में होने वाले मौत के अन्य प्रमुख जोखिम वाले कारकों में उच्च सिस्टोलिक रक्तचाप (14,874 लोगों की मौत या 12.5%), लंबी अवधि तक बिना खाए रहने से जुड़ी शर्करा या मधुमेह की स्थिति (10,653 लोगों मौत या नौ%), उच्च कोलेस्ट्रॉल (7,267 लोगों की मौत या छह%) और उच्च बॉडी-मास इंडेक्स (6,698 लोगों की मौत या 5.6%) शामिल थे। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) के शोधकर्ताओं ने हालिया जीबीडी आंकड़े का विश्लेषण किया।

सीआरईए ने कहा कि साल-दर-साल उतार-चढ़ाव के बावजूद प्रदूषक कणों के कारण होने वाली मौत लगातार अत्यधिक बनी हुई है जो अक्सर उच्च रक्तचाप या मधुमेह से जुड़ी मौत से अधिक होती हैं।

> वायु प्रदूषण सिर्फ एक पर्यावरणीय समस्या नहीं है, यह जन स्वास्थ्य संकट है जिसके लिए प्रदूषणकारी क्षेत्रों में विज्ञान आधारित कार्रवाई की जरूरत है ताकि वास्तविक और मापने योग्य प्रदूषण में कमी लाई जा सके। - सीआरईए के विश्लेषक मनोज कुमार

> वायु प्रदूषण श्वसन संबंधी बीमारियों को प्रभावित करने वाले कारकों में से एक है और निश्चित रूप से चिंता का विषय है लेकिन इसे मृत्यु दर का एकमात्र कारण मानना वैज्ञानिक रूप से सटीक नहीं है। - केंद्रीय पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह

जीबीडी अध्ययन दुनिया की सबसे व्यापक शोध परियोजनाओं में एक है जो सभी देशों में आकलन करता है कि लोगों की मृत्यु कैसे होती है और किन कारणों से वे बीमार पड़ते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

वित्तमंत्री सीतारमण की भूटान यात्रा रद्द

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की भूटान की आधिकारिक यात्रा मौसम खराब होने के कारण रद्द कर दी गई है। सीतारमण पड़ोसी देश के साथ साझेदारी को मजबूत करने के लिए भूटान की चार दिनों की आधिकारिक यात्रा पर गुरुवार को रवाना हुई थीं। वह वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही थीं। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि भूटान के पारो में खराब मौसम के कारण आधिकारिक यात्रा रद्द कर दी गई है।

30 फलस्तीनियों के शव इजराइल ने सौंपे

यरुशलम। इजराइल ने 30 फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। गाजा स्थित एक अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गाजा में फलस्तीनी चरमपंथियों द्वारा दो बंधकों के अवशेष इजराइल को सौंपे जाने के एक दिन बाद इन शवों को सौंपा गया है। अवशेषों की यह अदला-बदली युद्धविराम के बाद हुई है। इजराइल की सेना ने गुरुवार को कहा कि फलस्तीनी चरमपंथियों ने दो और बंधकों के अवशेष सौंप दिए हैं।

शंघाई-दिल्ली के बीच बढ़ेगी उड़ान संख्या

नई दिल्ली। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस अगले साल 02 जनवरी से दिल्ली और शंघाई के बीच उड़ानों की संख्या बढ़ाकर सप्ताह में पांच करेगी। एयरलाइंस ने इससे पहले 09 नवंबर 2025 से दोनों शहरों के बीच सप्ताह में तीन उड़ानों की घोषणा की थी जिसके लिए बुकिंग शुरू हो गयी है। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस की शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि भविष्य में उसकी योजना चीन के कुनमिंग से कोलकाता और शंघाई पुर्डोंग से मुंबई के लिए उड़ानें शुरू करने की है। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 के समय साल 2020 में भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें बंद हो गई थीं। पांच साल बाद एक बार फिर दोनों देशों के बीच उड़ानों का परिचालन शुरू हुआ है।

विमान की आपात लैंडिंग, कई घायल

टाम्पा (अमेरिका)। मेक्सिको से आ रही विमानन कंपनी 'जेटब्लू' की एक उड़ान की ऊंचाई अचानक कम हो जाने के कारण उसे फ्लोरिडा में आपात स्थिति में उतारना पड़ा और घायल हुए कई यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया। कैनकन से न्यू जर्सी के नेवार्क जा रही उड़ान की ऊंचाई अचानक कम हो गई। संघीय उड्डयन प्रशासन जांच कर रहा है। एफएए के अनुसार, एयरबस ए320 को अपराह्न करीब दो बजे टाम्पा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए मोड़ दिया गया। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कितने लोग घायल हुए हैं या उनकी चोटें कितनी गंभीर हैं।

ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू से वापस ली गईं सभी शाही उपाधियां

टूवूम्बा (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

- ज्यूफ्रे की आत्मकथा के बाद किंग चार्ल्स ने उठाया कदम

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स ने अपने भाई प्रिंस एंड्रयू से सभी शाही उपाधियां और सम्मान वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बकिंघम पैलेस ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि अब उन्हें केवल एंड्रयू माउंटबैटन विंडसर के नाम से जाना जाएगा। यह कदम वर्जीनिया ज्यूफ्रे की मरणोपरांत प्रकाशित आत्मकथा 'नोबॉडीज़ गर्ल' के जारी होने के बाद उठाया गया है।

इस पुस्तक में ज्यूफ्रे ने जेफ्री एप्सटीन और गिसलेन मैक्सवेल के लिए दो वर्ष तक यौन दास के रूप में बिताए अपने जीवन का विस्तृत विवरण दिया है। 41 वर्षीय ज्यूफ्रे ने इस वर्ष अप्रैल में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के अपने फार्महाउस में आत्महत्या कर ली थी। महाराजा चार्ल्स के आदेश के तहत, एंड्रयू को रॉयल लॉज आवास खाली कर निजी आवास में स्थानांतरित होना होगा। बकिंघम पैलेस ने कहा कि यह निर्णय राजघराने की गरिमा के लिए लिया गया है। ज्यूफ्रे के परिवार ने कहा कि वह सच्चाई और अद्भुत साहस के साथ एक ब्रिटिश राजकुमार को गिराने में सफल रही।

क्लाउड सीडिंग

प्रदूषण नियंत्रण में कितनी कारगर है यह तकनीक

कृत्रिम बारिश या क्लाउड सीडिंग एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसमें वायुमंडल में बारिश कराने के लिए सिल्वर आयोडाइड नैनोकणों, आयोडीन युक्त नमक और सूखी बर्फ जैसे रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है। यह तकनीक प्रदूषण कम करने में कारगर साबित हो सकती है, लेकिन यह एक स्थायी समाधान नहीं है। इसके लिए हमें प्रदूषण के मूल कारणों पर काम करना होगा और स्थायी समाधान ढूंढने होंगे आइए जानते हैं कि यह तकनीक कैसे काम करती है और कहां-कहां हुआ है इसका प्रयोग...।

क्लाउड सीडिंग कैसे काम करती है?

क्लाउड सीडिंग में रसायनों को विमान या जमीन पर लगे उपकरणों के माध्यम से बादलों में छिड़का जाता है, जिससे बादलों में मौजूद जलवाष्प संघनित होकर बारिश के रूप में गिरता है। यह प्रक्रिया वायुमंडल में मौजूद प्रदूषकों को भी हटा सकती है।

प्रदूषण कम करने में मददगार : कृत्रिम बारिश प्रदूषण कम करने में कारगर साबित हो सकती है, लेकिन यह एक अल्पकालिक समाधान है। दिल्ली में हुए एक प्रयोग में क्लाउड सीडिंग के बाद प्रदूषण के स्तर में कमी देखी गई, लेकिन बारिश नहीं हुई।

सफलता के कई कारक : क्लाउड सीडिंग की सफलता के लिए कई कारकों का ध्यान रखना जरूरी है। मौसम की स्थिति का अनुकूल होना जरूरी है। क्लाउड की गुणवत्ता का अच्छा होना जरूरी है, उपयोग किए जाने वाले रसायनों की मात्रा का सही होना जरूरी है।

चुनौतियां और अनिश्चितताएं

क्लाउड सीडिंग के परिणाम अनिश्चित हो सकते हैं और इसके लिए कई कारकों का ध्यान रखना जरूरी है। पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में चिंताएं हो सकती हैं, जैसे कि जल चक्र पर इसका प्रभाव। क्लाउड सीडिंग के नैतिक मुद्दे भी हो सकते हैं, जैसे कि इसके उपयोग के अधिकार और इसके प्रभावों की जिम्मेदारी।

अब तक कहां-कहां हुआ प्रयोग

- चीन : चीन हर साल बड़े पैमाने पर क्लाउड सीडिंग करता है, जिसमें बीजिंग ओलंपिक 2008 से पहले इसका उपयोग किया गया था।
- संयुक्त अरब अमीरात : यूएई नियमित रूप से रेगिस्तानी इलाकों में इस तकनीक का इस्तेमाल करता है ताकि बारिश और नमी बनी रहे।
- अमेरिका : अमेरिका ने जल संकट वाले क्षेत्रों में क्लाउड सीडिंग का उपयोग किया है।
- भारत : भारत में 1980 के दशक में तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक में क्लाउड सीडिंग के प्रयोग किए गए थे, लेकिन सीमित सफलता मिली।
- पाकिस्तान : पाकिस्तान ने भी क्लाउड सीडिंग का प्रयोग किया है, जिसमें लाहौर में प्रदूषण कम करने के लिए इसका उपयोग किया गया था।

भविष्य के लिए एक संभावित उपाय

- जल संसाधन प्रबंधन : क्लाउड सीडिंग जल संसाधनों को बढ़ाने और सूखे की स्थिति से निपटने में मदद कर सकती है।
- कृषि : क्लाउड सीडिंग कृषि के लिए फायदेमंद हो सकती है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां बारिश की कमी होती है।
- प्रदूषण नियंत्रण : क्लाउड सीडिंग प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद कर सकती है, खासकर शहरी क्षेत्रों में।
- मौसम नियंत्रण : क्लाउड सीडिंग मौसम को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है, तूफान या ओलावृष्टि को कम करने में।

भारत में क्लाउड सीडिंग के प्रयोग

- तमिलनाडु सरकार ने 2003 में क्लाउड सीडिंग का प्रयोग किया था ताकि सूखे की स्थिति से निपटा जा सके। महाराष्ट्र सरकार ने भी क्लाउड सीडिंग के प्रयोग किए हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी क्लाउड सीडिंग का प्रयोग किया है ताकि बर्फबारी को बढ़ाया जा सके। दिल्ली में भी क्लाउड सीडिंग के प्रयोग किए गए हैं ताकि प्रदूषण के स्तर को कम किया जा सके।

अमेरिका का परमाणु परीक्षण शुरू करना मानवता के लिए खतरनाक

परमाणु शक्ति संपन्न अन्य देशों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की आशंका

शुरू हो सकती है नई होड़

मेलबर्न, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंटागन को अन्य देशों के समान आधार पर परमाणु हथियार परीक्षण तुरंत फिर से शुरू करने का निर्देश दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह आदेश वास्तविक विस्फोटक परमाणु परीक्षणों से संबंधित है, तो यह अमेरिका का अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक कदम होगा।

विश्लेषकों के अनुसार, इस तरह के किसी भी कदम से रूस और चीन सहित अन्य परमाणु संपन्न देशों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की घोषणाएं होने की आशंका है, जिससे परमाणु हथियारों की नई होड़ शुरू हो सकती है और पूरी मानवता गंभीर खतरे में पड़ सकती है। परमाणु परीक्षणों से रेडियोधर्मी उत्सर्जन का वैश्विक खतरा भी बढ़ेगा। भले ही परीक्षण भूमिगत किए जाएं, लेकिन रेडियोधर्मी पदार्थों के रिसाव और भूजल प्रदूषण का जोखिम बना रहेगा। परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि का उल्लंघन

समग्र परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) पर 187 देशों ने हस्ताक्षर किए हैं, जो विश्व की सबसे व्यापक रूप से समर्थित निरस्त्रीकरण संधियों में से एक है। अमेरिका ने भी इस पर दशकों पहले हस्ताक्षर किए थे, लेकिन अब तक इसका अनुमोदन नहीं किया है। इसके बावजूद, एक हस्ताक्षरकर्ता देश होने के नाते, वह संधि की भावना और उद्देश्य का उल्लंघन नहीं कर सकता।

नौ परमाणु संपन्न देश बढ़ा रहे भंडार

अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इज़राइल — अपने हथियार भंडार को और उन्नत, सटीक और तेज बना रहे हैं। इससे परमाणु हथियारों के उपयोग की संभावना बढ़ रही है और यह परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के तहत उनके निरस्त्रीकरण दायित्वों के विपरीत है। रूस और इज़राइल जैसे देशों द्वारा हालिया संघर्षों में दिए गए परमाणु धमकी भरे बयान इस खतरे को और बढ़ाते हैं। खबरों के अनुसार, दुनिया भर में सक्रिय परमाणु हथियारों की संख्या फिर से बढ़ने लगी है, जिसमें वे हथियार भी शामिल हैं जो कुछ ही मिनटों में प्रक्षेपित किए जा सकते हैं।

1960 के दशक में पर्यावरणीय दुष्परिणामों से रोके गए थे परीक्षण

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद परमाणु परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य हथियारों के प्रभाव और उनके विनाशकारी दायरे को समझना था। लेकिन 1960 के दशक में पर्यावरणीय और स्वास्थ्य दुष्परिणामों के कारण देशों ने वातावरण में परमाणु परीक्षणों पर रोक लगाने पर सहमति बनाई। 1963 की आंशिक परीक्षण प्रतिबंध संधि के बाद केवल भूमिगत परीक्षणों की अनुमति थी। अमेरिका ने 1992 में, फ्रांस ने 1996 में परीक्षण बंद किए, जबकि रूस और चीन ने भी 1990 के दशक के बाद कोई परीक्षण नहीं किया। इस सदी में केवल उत्तर कोरिया ने 2017 में परमाणु परीक्षण किया है। तकनीकी क्षमताओं के विकसित होने के बाद परमाणु शक्तियों को नए हथियारों के डिज़ाइन का परीक्षण वास्तविक विस्फोट के बिना संभव हो गया, इसलिए भौतिक परीक्षणों की आवश्यकता नहीं रही।

एकमात्र शेष संधि भी संकट में

शीत युद्ध के बाद बनी अधिकतर प्रमुख हथियार नियंत्रण संधियां अब समाप्त हो चुकी हैं। अमेरिका और रूस के बीच न्यू एसटीएआरटी (स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी) ही ऐसी आखिरी संधि है जो दोनों देशों के 90 प्रतिशत परमाणु हथियारों को सीमित करती है। यह संधि अगले वर्ष फरवरी में समाप्त होने वाली है और इसके नवीनीकरण को लेकर अभी तक औपचारिक वार्ता शुरू नहीं हुई है। इन सभी घटनाक्रमों के चलते विशेषज्ञों का कहना है कि मानवता के अस्तित्व पर मंडराते खतरों का प्रतीक डूम्सडे क्लॉक अब पहले से कहीं अधिक आगे बढ़ गई है। यह अत्यंत खतरनाक समय है और यदि अमेरिका ने वास्तव में परमाणु परीक्षण फिर शुरू किया तो यह पूरे विश्व के लिए एक भयावह मोड़ साबित हो सकता है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान फिर वार्ता करने पर सहमत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने शुक्रवार को सीमा पर संघर्ष विराम कायम रखने और इस सप्ताह असफल रही शांति वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए बातचीत करने पर सहमति जताई है। पाकिस्तान और अफगान तालिबान के प्रतिनिधिमंडलों के बीच दूसरे दौर की चर्चा शनिवार को इस्तांबुल में शुरू हुई थी लेकिन यह विफल हो गई क्योंकि पाकिस्तान ने तालिबान पर सीमा पार हमलों को रोकने का आश्वासन देने में अनिच्छा दिखाने का आरोप लगाया।

डॉन अखबार की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, नवीनतम दौर की वार्ता के मेजबान तुर्किये द्वारा शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि छह नवंबर को इस्तांबुल में एक प्रमुख-स्तरीय बैठक के दौरान कार्यान्वयन के आगे के तौर-तरीकों पर चर्चा की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि प्रमुख वार्ताकार कौन होंगे।

एआई युग से जुड़ेंगी गढ़वाली कुमाऊनी व जौनसारी भाषाएं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- विदेश से ऐतिहासिक पहल, भाषा डेटा कलेक्शन पोर्टल का शुभारंभ

अमृत विचार : उत्तराखंड की लोकभाषाओं-गढ़वाली, कुमाऊनी और जौनसारी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। इस अवसर पर भाषा डेटा कलेक्शन पोर्टल का शुभारंभ अमेरिका के सिएटल और कनाडा के सरे-वैंकूवर में किया गया।

यह ऐतिहासिक लॉन्चिंग मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के वीडियो संदेश से हुई। मुख्यमंत्री ने इस पहल को उत्तराखंड की सांस्कृतिक अस्मिता को डिजिटल युग से जोड़ने वाला युगांतकारी प्रयास बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, जब तक हमारी भाषा जीवित है, हमारी संस्कृति जीवित है। उत्तराखंड सरकार सदैव अपनी मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए तत्पर है। यह पहल बल्कि अपनी पहचान और लोक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का एक जन आंदोलन है।

इस पोर्टल के माध्यम से गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी भाषाओं के लगभग 10 लाख (1 मिलियन) शब्द, वाक्य, कहावतें और कहानियां एकत्र की जाएंगी, ताकि एआई प्लेटफॉर्म इनसे सीखकर भविष्य में हमारी भाषाओं में संवाद कर सकें। यह ऐतिहासिक लॉन्चिंग देवभूमि उत्तराखंड कल्चरल सोसाइटी कनाडा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हुई, जिसमें 4000 से अधिक प्रवासी उत्तराखंडी उपस्थित रहे। लॉन्चिंग में विशेष रूप से पद्मश्री प्रीतम भरतवाण (लोकगायक, जागर एवं ढोल सागर अकादमी), सच्चिदानंद सेमवाल (एआई आर्किटेक्ट, अमेरिका), अमित कुमार, सोसाइटी के अध्यक्ष बिशन खंडूरी, टोरंटो से मुरारीलाल थपलियाल एवं भारतीय दूतावास के प्रतिनिधि शामिल रहे।

मादक पदार्थ नौकाओं पर अमेरिकी हमले अस्वीकार्य

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने कहा है कि दक्षिण अमेरिका से कथित तौर पर अवैध मादक पदार्थ ले जाने वाली नौकाओं पर अमेरिकी सैन्य हमले अस्वीकार्य हैं और इन्हें रोका जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के किसी संगठन ने संभवतः पहली बार इन घटनाओं की निंदा की है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नौकाओं पर हमलों को अमेरिका में मादक पदार्थों के प्रवाह को रोकने के लिए एक आवश्यक कार्रवाई बताते हुए उचित ठहराते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदसानी ने बताया कि मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने हमलों की जांच की मांग की है और कहा है कि सितंबर के शुरू से अब तक नौकाओं पर हुए हमलों में 60 से अधिक लोग मारे गए हैं।

- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख बोले-इन्हें रोका जाना चाहिए

भारतीय कलाकृतियों की नीलामी में बना रिकॉर्ड

लंदन, एजेंसी

- टीपू की पैस्तौलों और रणजीत सिंह की पेंटिंग के मिले अधिक दाम

टीपू सुल्तान के लिए बनाई गई दो पिस्तौल और महाराजा रणजीत सिंह की एक बारीक चित्रकला ने इस सप्ताह लंदन में हुई नीलामी में नए कीर्तिमान स्थापित किए। आर्ट्स ऑफ द इस्लामिक वर्ल्ड एंड इंडिया शीर्षक से बुधवार को हुई इस नीलामी में कुल एक करोड़ पाउंड से अधिक की राशि प्राप्त हुई।

इनमें ऐतिहासिक भारतीय कलाकृतियों ने अनुमानित मूल्य से कहीं अधिक दाम हासिल किए। मैसूर के शासक रहे टीपू सुल्तान के लिए विशेष रूप से तैयार की गई चांदी जड़ी फ्लिंटलॉक पिस्तौलों की जोड़ी 11 लाख पाउंड में एक निजी संग्रहकर्ता को बेची गई, जो अनुमानित मूल्य का लगभग 14 गुना है। उन्नीसवीं सदी के सिख सम्राट महाराजा रणजीत सिंह की एक पेंटिंग 9 लाख 52 हजार 500 पाउंड (952,500 पाउंड) में बिकी।

यह सिख कला के क्षेत्र में अब तक का नया रिकॉर्ड है और इसे एक संस्थान ने खरीदा। पेंटिंग में कलाकार बिशन सिंह ने उन्हें लाहौर के एक बाजार से जुलूस में जाते हुए दर्शाया है। संग्रहकर्ता संस्था 'सोथबी' के कैटलॉग में इस पेंटिंग के बारे में कहा गया है कि यह सुंदर और बारीकी से बनी झांकी महाराजा रणजीत सिंह को हाथी पर सवार होकर लाहौर के बाजार से गुजरते हुए दिखाती है। उनके साथ उनका भव्य दरबार, चंवर और छत्र धारी सेवक, बाज़ पालक तथा घोड़े और ऊंटों द्वारा खींची जाने वाली सवारियां हैं जिनमें उनका पुत्र शेर सिंह, एक गणिका और उनके धार्मिक व राजनीतिक सलाहकार भाई राम सिंह तथा राजा गुलाब सिंह सम्मिलित हैं। चित्र के अग्रभाग में संन्यासी और सड़क कलाकार महाराजा का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि पृष्ठभूमि में शिल्पकार, पतंग बनाने वाले और दुकानदार अपने काम में व्यस्त दिखते हैं।

टीपू सुल्तान की यह पिस्तौलें 1799 में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा श्रीरंगपट्टनम की घेराबंदी के दौरान उनके खजाने से मिली थीं।

पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन से 21 मरे

मेलबर्न। पापुआ न्यू गिनी के पहाड़ी इलाकों में बृहस्पतिवार देर रात हुए भूस्खलन के कारण 21 लोगों की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) ने पुलिस के हवाले से बताया कि देर रात करीब दो बजे हुए भूस्खलन के कारण एंगा प्रांत के कुकास गांव में कई घर तबाह हो गए। एंगा प्रांत के गवर्नर पीटर इपातास ने एबीसी को बताया कि स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 30 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 18 शव बरामद किए जा चुके हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि अब तक 21 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। एपी का शुक्रवार को इपातास और एंगा के वाबैग थाने से संपर्क नहीं हो सका।

वैश्विक मुक्त व्यापार की रक्षा में मदद करेगा चीन

ग्योंगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को एशिया-प्रशांत क्षेत्र के नेताओं से कहा कि उनका देश वार्षिक आर्थिक क्षेत्रीय मंच पर वैश्विक मुक्त व्यापार की रक्षा में मदद करेगा जिसकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनदेखी की। जिनपिंग ने शुक्रवार को दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में शुरू हुए एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में प्रमुख मंच संभाला जबकि ट्रंप बढ़ते व्यापार युद्ध को कम करने के लिए एक दिन पहले ही चीनी राष्ट्रपति के साथ समझौते करने के बाद देश से चले गए थे।

इस वर्ष दो दिवसीय एपेक शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का प्रभाव काफी अधिक रहा, जो सम्मेलन से इतर आयोजित की गई थी। ट्रंप ने जिनपिंग के साथ गुरुवार को हुई अपनी बैठक को एक शानदार सफलता बताया और कहा कि वह चीन पर शुल्क में कटौती करेंगे, जबकि बीजिंग दुर्लभ खनिजों के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिकी सोयाबीन खरीदने पर सहमत हो गया है। उनके ये समझौते विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार तनाव से जूझ रही विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहत की बात है। ट्रंप का एपेक से दूर रहने का निर्णय बड़े और बहुराष्ट्रीय मंचों का

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से हाथ मिलाते जिनपिंग।।

- एपेक शिखर सम्मेलन में बोले राष्ट्रपति शी जिनपिंग

उनके द्वारा बार-बार तिरस्कार किए जाने को दर्शाता है। लेकिन उनके द्वारा एपेक की अनदेखी किए जाने से अमेरिका की प्रतिष्ठा के उस मंच पर खराब होने का खतरा है, जो विश्व की लगभग 40 प्रतिशत आबादी और वैश्विक वस्तु व्यापार के आधे से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है। चिनफिंग ने एपेक के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि समय जितना अशांत होगा, हमें उतना ही अधिक एकजुट होकर काम करना होगा। दुनिया तेज़ी से बदलाव के दौर से गुज़र रही है और अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियां लगातार जटिल एवं अस्थिर होती जा रही हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 09 .11 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

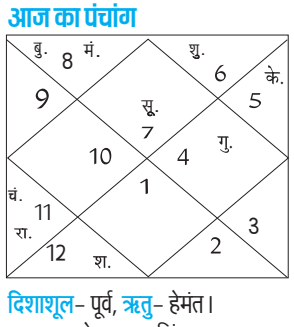

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 06 .20 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष — आज कार्यक्षेत्र में आपको अत्यधिक व्यस्त रहना पड़ेगा। आप अपनी स्किल्स बढ़ाने का प्रयास करेंगे। विवाह योग्य संतान का विवाह तय हो सकता है। विवादों को सुलझाने में सफलता मिलेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। प्रेमी जन को प्रपोज कर सकते हैं।

वृष — आज आपके जनसंपर्क का दायरा बढ़ेगा। जल्दबाजी में किए गए कार्यों का यथोचित परिणाम मिलने में समस्या होगी। पारिवारिक सदस्यों के बीच सौहाद्र का भाव बढ़ेगा। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहने वाली हैं, इसीलिए समय का सदुपयोग करें।

मिथुन — आज छात्रों को अपने सहपाठियों और शिक्षकों से सहायता मिलेगी। प्रेमी जन के साथ अच्छा समय बितायेंगे। सोशल मीडिया पर आपकी सक्रियता बढ़ेगी। आपके उदार स्वभाव की लोग प्रशंसा करेंगे। पिता की सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — आज कोई महत्वपूर्ण कार्य आरम्भ न करें। करियर में अनेक अवरोधों का सामना करना पड़ेगा। घरेलू समस्याओं को बाहर के लोगों से शेयर न करें। स्वास्थ्य की अनदेखी करना उचित नहीं है। आपके खर्चे अचानक बढ़ सकते हैं।

सिंह — आज आपके सभी काम समय पर और निर्बाध होंगे। किसी परिजन के विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। जीवनसाथी के साथ काफी अच्छा समय बितायेंगे। कारोबार में महत्वपूर्ण डील होने की संभावना है। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

कन्या — आज नौकरीपेशा लोगों को बोनस मिल सकता है। सुबह शुभ समाचार मिल सकते हैं। साइटिका के रोगियों की समस्या बढ़ सकती है। अधूरे पड़े सरकारी कार्यों को पूरा करने में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। छात्रों को पढ़ाई में बड़ी सफलता मिल सकती है। महिला वर्ग अपने करियर को लेकर अत्यंत सक्रिय रहेंगे। पुराने संबंधों से आपको लाभ प्राप्त होगा। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज पैतृक संपदा की प्राप्ति हो सकती है। लेकिन रियल एस्टेट कारोबारियों के लिए दिन अच्छा नहीं है। फूड इण्डस्ट्री से जुड़े लोगों के कारोबार में वृद्धि होगी। बच्चों के भविष्य की चिंता रहेगी। घर के सदस्यों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें।

धनु — आज नया प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं जिनमें आपको बड़ी सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अपने लक्ष्य को लेकर आप पूरे जुनून से काम करेंगे। किसी समारोह के लिए निमंत्रण प्राप्त होगा। नई जॉब को लेकर इन्टरव्यू दे रहे हैं तो परिणाम आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मकर — आज कारोबार में मित्रों का सहयोग ले सकते हैं। करियर में आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे। अनुसंधान और शोध कार्यों में सफलता मिल सकती है। दिखावे की प्रवृत्ति से बचें। गुप्त शत्रुओं के कारण नुकसान हो सकता है। बच्चे पिता के साथ अच्छा समय बितायेंगे।

कुंभ — आज आप अत्यंत सकारात्मक महसूस करेंगे। दिन की शुरूआत बहुत खुशनुमा रहने वाली है। आप अपने लक्ष्य को सरलता से प्राप्त कर लेंगे। आपको दांपत्य संबंधों को पर्याप्त समय देना चाहिए। आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मीन — आज जीवनसाथी के साथ संवादहीनता परेशानी का कारण बनेगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। अपने खानपान और दवाइयों का ध्यान रखें। जॉब कर रहे लोगों के लिए दिन अच्छा नहीं है। धन के लेन-देन में चूक हो सकती है।

सुडोकू-147

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			2		3			
						4		3
		6	7					
3			6		1			
4	2							1
			4		8			
				7	9	2		
8		3						
			8		5			

सुडोकू - 146 का हल

8	9	7	1	4	5	2	6	3
1	2	6	7	9	3	8	5	4
3	5	4	2	8	6	1	9	7
9	6	3	4	2	8	5	7	1
5	7	8	3	6	1	9	4	2
2	4	1	5	7	9	6	3	8
6	3	2	8	5	7	4	1	9
4	1	5	9	3	2	7	8	6
7	8	9	6	1	4	3	2	5

ऑस्ट्रेलिया जैसे दमदार विरोधी के खिलाफ हमारी टीम की शानदार जीत। जेमिमा का बड़े मैच में शानदार प्रदर्शन। दृढता, विश्वास और जुनून का असल प्रदर्शन। शानदार टीम इंडिया। हमारी लड़कियों ने असली धमाका किया। क्या खेल दिखाया। महिला टीम पर गर्व है।

– विराट कोहली

स्टेडियम

बरेली, शनिवार 1 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

डब्ल्यूटीए चेन्नई ओपन 2025 में रूस की अरीना रोडियोनोवा के खिलाफ महिला एकल क्वार्टर फाइनल जीतने के बाद जश्न मनातीं ताइवान की जोआना गारलैंड। चेन्नई के एसडीएटी टेनिस स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में उन्होंने 6-2, 7-6 से जीत दर्ज की। एजेंसी

एशिया कप ट्रॉफी का मुद्दा फिर उठेगा

मुंबई : भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उम्मीद है कि एशिया कप विजेता ट्रॉफी 'एक या दो दिन में' मुंबई स्थित उसके मुख्यालय पहुंच जाएगी लेकिन अगर हालात में कोई प्रगति नहीं होती है तो भारतीय बोर्ड चार नवंबर को इस मामले को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के समक्ष उठाएगा। भारत ने दुबई में हुए फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर एशिया कप जीता लेकिन पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। वह एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष भी हैं। यह तब हुआ जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दोनों देशों के बीच विवाद के कारण अपने पाकिस्तानी समकक्ष से हाथ मिलाने से इन्कार कर दिया।

हेजलवुड एंड कंपनी ने भारतीय बल्लेबाजी को ध्वस्त किया

अभिषेक शर्मा का अर्धशतक हुआ व्यर्थ, दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया चार विकेट से जीता

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (13 रन देकर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद कप्तान मिचेल मार्श की 26 गेंद में 46 रन की पारी से शुक्रवार को यहां भारत के खिलाफ दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में 40 गेंद रहते चार विकेट से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह पांच मैच की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। कैनबरा में पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। तीसरा मैच रविवार को होबार्ट में खेला जाएगा।

भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद में 68 रन की जुझारू अर्धशतकीय पारी खेली लेकिन हेजलवुड की अगुआई में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों ने शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए मेहमान टीम को 125 रन पर समेट दिया। ऑस्ट्रेलिया ने यह लक्ष्य 13.2 ओवर में छह विकेट गंवाकर हासिल किया। कप्तान मार्श ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दो चौके और चार छक्के जड़ित पारी से तेज शुरूआत कराई। मार्श और ट्रेविस हेड (28 रन) ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़ दिए।

मिस्ट्री लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने पांचवें ओवर में हेड को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराकर दोनों के बीच 28 गेंद की भागीदारी को खत्म किया। मार्श ने तेजी से खेलना जारी रखा लेकिन कुलदीप यादव की गुगली पर अभिषेक के हाथों कैच आउट हो गए जिससे ऑस्ट्रेलिया को आठवें ओवर में दूसरा झटका लगा। वरुण ने अगले ही ओवर में टिम डेविड को अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। लक्ष्य इतना कम था कि कसी गेंदबाजी के बावजूद इसे आसानी से हासिल किया जा सकता था।

इससे पहले अभिषेक ने अपनी पारी के दौरान ऑफ-साइड में कुछ बेहतरीन शॉट खेले जिसमें स्लैश, चेक ड्राइव और उठा कर लगाए गए स्ट्रोक शामिल थे। उन्होंने इस प्रतिष्ठित मैदान पर अपने पहले मैच में 23 गेंद में अर्धशतक जड़ दिया लेकिन अन्य बल्लेबाज कोई भागीदारी नहीं निभा सके और पवेलियन लौट गए। इससे टीम आठ गेंद रहते सिमट गई। अभिषेक ने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के जड़े थे। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे ऑलराउंडर हर्षित राणा ने 33 गेंद में 35 रन की पारी खेली और अभिषेक के साथ छठे विकेट के लिए 56 रन जोड़कर भारत को 100 रन का आंकड़ा पार करने में मदद की।

ऑस्ट्रेलिया के लिए तेज गेंदबाज हेजलवुड के अलावा जेवियर बार्टलेट और नाथन एलिस ने दो दो विकेट झटके। अभिषेक ने क्रीज का अच्छा इस्तेमाल किया और उछाल का भी अच्छी तरह सामना किया। लेकिन निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों के स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाने से वह निराश दिखे। उन्हें लगभग पांच ओवर तक स्ट्राइक नहीं मिली क्योंकि इस दौरान राणा ने ज्यादातर गेंदें खेलीं।

इसके बाद शिवम दुबे और कुलदीप यादव ने भी कई गेंदें खेलीं। भारत का स्कोर आठ विकेट पर 110 रन था तब अभिषेक ने बार्टलेट पर चौका और फिर छक्का जड़ा जिससे स्कोर 125 तक पहुंचा।

शुभमन गिल के खिलाफ अपील करते हुएजोश हेजलवुड। एजेंसी

भारत

125/10 (18.4 ओवर)

शुभमन गिल का मार्श बो हेजलवुड	05
अभिषेक शर्मा पगबाधा बो एलिस	68
संजू सैमसन पगबाधा बो एलिस	02
सूर्यकुमार का इंग्लिस बो हेजलवुड	01
तिलक का इंग्लिस बो हेजलवुड	00
अक्षर पटेल रन आउट	07
हर्षित राणा का डेविड बो बार्टलेट	35
शिवम दुबे का इंग्लिस बो बार्टलेट	04
कुलदीप का सब बो स्टोइनिस	00
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	00
जसप्रीत बुमराह रन आउट	00

गेंदबाजी : हेजलवुड 4-0-13-3, बार्टलेट 4-0-39-2, एलिस 3.4-0-21-2, स्टोइनिस 4-0-24-1, ओवेन 1-0-13-0, कुहनेमैन 2-0-14-0

ऑस्ट्रेलिया

126/6 (13.2 ओवर)

मिचेल मार्श का अभिषेक बो कुलदीप	46
ट्रेविस हेड का तिलक बो वरुण	28
जोश इंग्लिस पगबाधा बो कुलदीप	20
टिम डेविड का एवं बो वरुण	01
ओवेन का सैमसन बो बुमराह	14
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	06
मैथ्यू शॉर्ट बो बुमराह	00
जेवियर बार्टलेट नाबाद	00

गेंदबाजी : जसप्रीत बुमराह 4-0-26-2, हर्षित राणा 2-0-27-0, वरुण चक्रवर्ती 4-0-23-2, कुलदीप यादव 3.2-0-45-2

अभिषेक शर्मा।

थकान के कारण एकाग्रता टूट रही थी : जेमिमा

नवी मुंबई, एजेंसी

- सेमीफाइनल में शानदार पारी खेलने वाली जेमिमा रॉड्रिग्स ने अपनी भावनाओं को व्यक्त किया
- बोलीं-हरमनप्रीत के आउट होने के बाद उन्हें फिर से फोकस करने में मदद मिली

अपने नाबाद शतक से भारत को वनडे विश्व कप फाइनल में ले जाने के बाद भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करते हुए जेमिमा रॉड्रिग्स ने कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में हरमनप्रीत कौर के आउट होने के बाद उन्हें फिर से फोकस करने में मदद मिली। दबाव में बेहतरीन पारी खेलते हुए जेमिमा ने 134 गेंद में नाबाद 127 रन बनाए जिसकी मदद से भारत ने रिकॉर्ड 339 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया को हराया। अब फाइनल में सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। जेमिमा ने मीडिया से कहा मैं हैरी दी से कह रही थी कि हम दोनों को जीत तक ले जाना है।

उन्होंने कहा जब वह आउट हुई तो मुझे फिर से फोकस करने में मदद मिली क्योंकि थकान के कारण मेरी एकाग्रता टूट रही थी। हरमन के आउट होने के बाद मुझे लगा कि अतिरिक्त जिम्मेदारी से खेलना होगा। मैंने खुद से कहा कि वह आउट हो गई है तो उसके लिए मैं ही रन बनाऊंगी, मुझे टिककर खेलना है। जेमिमा ने कहा इससे मेरा फोकस फिर बना और मैं समझदारी से खेलने लगी। प्रेस कांफ्रेंस में बार-बार रो पड़ी जेमिमा ने कहा कि भगवान पर अटूट आस्था से उन्हें बेचैनी से उबरने में मदद मिली। उन्होंने कहा मैं प्रार्थना कर रही थी। मैं खुद से बात कर रही थी क्योंकि काफी ऊर्जा खत्म हो चुकी थी। मैं थक गई थी और इसकी वजह से कुछ पेचीदा शॉट खेले। मैं सोच रही थी कि कैसे खेलूं। आक्रामक रहूं या अंत तक टिकी रहूं और मैंने सीखा कि अंत तक डटकर खेलना जरूरी था। उन्होंने कहा मैं खुदा से बात कर रही थी क्योंकि मेरा मानना है कि मेरा उनसे निजी रिश्ता है और जब मैं खुद नहीं कर पाती तो वह मेरे लिए कर देते हैं।

इस पारी से पहले जेमिमा कठिन दौर से गुजर रही थी और टीम से बाहर भी हुई लेकिन उसके साथी खिलाड़ी उसके साथ डटे रहे। उन्होंने कहा कोई अपनी कमजोरियों के बारे में बात नहीं करना चाहता।

टूर्नामेंट की शुरुआत में काफी बैचेनी से गुजर रही थी। अपनी मां को फोन करके पूरा समय रोती रहती थी, क्योंकि जब आप इन हालात से गुजर रहे होते हैं तो कुछ सूझ नहीं पड़ता। उन्होंने कहा समझ में नहीं आता कि क्या करें। ऐसे समय में मेरे माता-पिता ने मेरा खूब साथ दिया। अरूंधति रेड्डी से मैं रोज बात करती थी और उसके सामने रोती थी। स्मृति (मंधाना) ने मेरी काफी मदद की। उसे पता था कि मैं क्या महसूस कर रही हूं। कुछ नेट सत्रों में वह खड़ी रही, कुछ कहा नहीं लेकिन उसे पता था कि उसकी मौजूदगी मेरे लिए अहम है। राधा यादव ने मेरा बहुत ख्याल रखा। जेमिमा ने मैच के बारे में कहा डी वाई पाटिल स्टेडियम पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। मैं यही सोच रही थी कि टिके रहना है तो रन खुद ब खुद मिलेंगे।

जेमिमा रॉड्रिग्स ने दर्शकों का अनोखे अंदाज में आभार व्यक्त किया। एजेंसी

हमने ऑस्ट्रेलिया की तरह नहीं खेला : कप्तान हीली

नवी मुंबई : ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने भारतीय स्टार जेमिमा रॉड्रिग्स की बेमिसाल मानसिक दृढता की तारीफ की और कहा कि महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में उनकी टीम आस्ट्रेलियाई तेवरों के साथ नहीं खेल सकी।

हीली ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा हम चार या पांच ओवर बाकी रहते मैच में थे, लेकिन क्रिकेट में मजेदार चीजें होती रहती है। अगर आप विरोधी टीम पर पर्याप्त दबाव नहीं बना सकते तो ऐसा होता है। जेमिमा ने शानदार पारी खेली। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम ने कई गलतियां की जो आम तौर पर टीम नहीं करती है। उन्होंने कहा हमने कई बार जरूरत से ज्यादा खराब गेंदें फेंकी और शायद हमने जो मौके बनाए, उनका फायदा नहीं उठा पाये। हम आम तौर पर जितने आक्रामक होते हैं, उतने आक्रामक नहीं थे।

तेंदुलकर समेत खेल जगत ने महिला क्रिकेट टीम की तारीफों के पुल बांधे

नवी मुंबई, एजेंसी

सचिन तेंदुलकर की अगुवाई में देश के समूचे खेल जगत ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा शानदार जीत। शानदार प्रदर्शन जेमिमा रॉड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर। श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने गेंदबाजी से मैच को जीवंत बनाए रखा। तिरंगे का परचम लहराते रहो।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने लिखा आस्ट्रेलिया सोच रही थी कि एक और सेमीफाइनल है, आराम से जीतो और पहुंचों फाइनल, लेकिन भारतीय टीम ने कमाल कर दिया।

भारत के पूर्व कोच और महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले ने लिखा आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की बेहतरीन जीत। जेमिमा रौड्रिग्स का संयम और ताकत से भरा जबर्दस्त प्रदर्शन। यह पारी परिपक्वता और आत्मविश्वास की बानगी देती है।

युवराज सिंह ने लिखा कुछ जीत स्कोरबोर्ड के आंकड़ों से भी ऊपर होती है और यह उनमे से एक है। जब पूरी दुनिया देख रही थी और काफी दबाव था, ऐसे में हरमनप्रीत कौर ने असल कप्तान की तरह संयम और दृढता से भरी पारी खेली। वहीं जेमिमा ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक खेली। अपने खेल पर और एक दूसरे पर भरोसे के दम पर यह साझेदारी बनी। सेमीफाइनल में ऐतिहासिक जीत और अब फाइनल पर नजरें। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने लिखा शानदार मैच। फाइनल में पहुंचने पर हमारी भारतीय महिला टीम को बधाई।

दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने लिखा टीम इंडिया ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके आस्ट्रेलिया को बाहर किया और उनके जीत के अभियान पर रोक लगाई। सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन।

मेरा एक ही संदेश था कि अच्छे से फिनिश करना : कोच मजूमदार

नवी मुंबई : घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बावजूद कभी भारत के लिए नहीं खेल सके भारतीय महिला टीम के कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में अपनी टीम को उनका एक ही संदेश था कि अच्छे से फिनिश करना है और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ने वही किया। मजूमदार ने जीत के बाद कहा कोई बड़ा संदेश नहीं था। हम हमेशा एक दूसरे से कहते रहते हैं कि फिनिश अच्छे से करना है। हम आमतौर पर शुरुआत अच्छी करते हैं, लेकिन फिनिशिंग पर काम करने की जरूरत रहती है। ग्रुप चरण में आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद टीम के प्रदर्शन पर ऊंगलियां उठी थी लेकिन मजूमदार अपने लक्ष्य को लेकर स्पष्ट थे। आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले उन्होंने व्हाइटबोर्ड पर एक ही बात लिखी हमें फाइनल में पहुंचने के लिये बस एक रन अधिक बनाना है। क्रांति गौड़ व श्री चरणी पर भरोसा काम आया।

कप्तान पंत सिर्फ 17 रनों पर आउट

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत ए टीम दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को 234 रनों पर आउट हो गई, जिसमें ऋषभ पंत 17 रन का ही योगदान दे सके। दक्षिण अफ्रीका ए ने कल के स्कोर नौ विकेट पर 299 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन पहले ही सत्र में 309 रन पर आउट हो गई।

भारत ए का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा और आफ स्पिनर प्रेनेलन सुब्रायेन ने 61 रन देकर पांच विकेट चटकाये जिससे दक्षिण अफ्रीका ए को 75 रन की बढत मिल गई। युवा आयुष म्हात्रे ही टिककर खेल सके जिन्होंने 76 गेंद में 65 रन जोड़े। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर दक्षिण अफ्रीका ए ने बिना किसी नुकसान के 30 रन बना लिए थे और अब उसके पास 105 रन की बढ़त हो गई है।

जोर्डन हरमान 12 और लेसेगो सेनोकवाने नौ रन बनाकर खेल रहे हैं। दूसरे दिन सभी की नजरें पंत पर लगी थी जो तीन महीने बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौट रहे थे लेकिन विकेट के सामने वह टिक नहीं सके। उन्होंने छठी गेंद पर सुब्रायेन को मिडआन पर चौका लगाया। इसके बाद शेपो मोराकी को स्क्वेयर लेग पर चौका लगाकर क्रीज पर जमने के संकेत दिए। लेकिन जुबैर हमजा की गेंद को खेलें या नहीं खेलें की दुविधा में वह गली में कैच थमाकर पवेलियन लौट गए। इससे पहले चोटिल एन जगदीशन की जगह खेल रहे साइ सुदर्शन 94 गेंद में 38 रन की पारी में कहीं सहज नहीं लगे।

- अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय क्रिकेट मैच का दूसरा दिन
- भारत ए टीम पहली पारी में 234 रनों पर सिमटी

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हॉकी गोलकीपर फ्रेडरिक का निधन

कन्नूर/बेंगलुरु/ नई दिल्ली : भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर और म्युनिख ओलंपिक 1972 की कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य मैनुअल फ्रेडरिक का शुक्रवार को सुबह बेंगलुरू के एक अस्पताल में निधन हो गया।

वह 78 वर्ष के थे और उनके परिवार में दो बेटियां हैं। उनके परिवार ने बताया कि वह पिछले दस महीने से प्रोस्टेट कैंसर से जूझ रहे थे। केरल के कन्नूर में 20 अक्टूबर 1947 को जन्मे फ्रेडरिक ओलंपिक पदक जीतने वाले प्रदेश के पहले खिलाड़ी थे। उनके अलावा केरल से पी आर श्रीजेश ने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है और वह भी हॉकी गोलकीपर रहे हैं। काफी पहले बेंगलुरू में आ बसे फ्रेडरिक एक साल पहले पत्नी शीतला के निधन के बाद से अवसाद में भी थे।

फिडे विश्व कप | आज से शुरू हो रहे मुकाबले में भारत की उम्मीदें अर्जुन और डी गुकेश से भी

ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा दोहराना चाहेंगे श्रेष्ठ प्रदर्शन

पणजी (गोवा), एजेंसी

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा शनिवार से शुरू हो रहे फिडे विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दोहराने की कोशिश करेंगे। जिसमें दुनिया की शीर्ष तीन रैंकिंग में काबिज खिलाड़ी अनुपस्थित रहेंगे। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन के अलावा अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारूआना की जोड़ी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेगी।

विश्व चैंपियन डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी 20 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। पर सबसे अहम चीज यह है कि इस टूर्नामेंट से 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए तीन क्वालीफिकेशन स्थान सुनिश्चित होंगे। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से अगले साल होने वाले विश्व चैंपियनशिप मैच का खिलाड़ी तय होगा। गोवा में अगले चार हफ्तों तक 80 देशों के 206 शीर्ष शतरंज खिलाड़ी आठ दौर वाले एकल एलिमिनेशन नॉकआउट टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। प्रत्येक मैच में निश्चित समय में दो क्लासिकल बाजियां होंगी। अगर क्लासिकल बाजियों के बाद स्कोर बराबर रहता है तो खिलाड़ी तीसरे दिन रैपिड और ब्लिट्ज टाई-ब्रेक की एक श्रृंखला खेलेंगे जिससे यह तय होगा कि कौन आगे बढ़ेगा। भारत के शीर्ष तीन खिलाड़ियों में गुकेश विश्व चैंपियन हैं और उन्हें अगले साल के अंत में विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने के लिए कैंडिडेट्स चक्र से गुजरने की जरूरत नहीं है, जिससे उन पर दबाव कम होगा। प्रज्ञानानंदा की अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह लगभग पक्की है जबकि एरिगेसी अगले साल की शुरुआत में होने वाले इस टूर्नामेंट में जगह बनाने की कोशिश में जुटे हैं। कैंडिडेट्स से तय होगा कि अगले विश्व चैंपियनशिप मैच में गुकेश को कौन चुनौती देगा। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के तीन स्थान दांव पर लगे हैं तो ऐसे में अनुभवी विदित गुजराती और पी हरिकृष्णा के भी कट बनाने की अच्छी संभावना है।

निहाल और अरविंद प्रबल दावेदार

युवा निहाल सरीन और अरविंद चितंबरम भी इस प्रतियोगिता में प्रबल दावेदार होंगे। पहली बार टूर्नामेंट में 24 भारतीय खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। शीर्ष 50 खिलाड़ियों को दूसरे दौर में सीधे प्रवेश दिया गया है जबकि शेष 156 खिलाड़ी पहले दौर से ही प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारतीय खिलाड़ियों ने हाल में शानदार प्रदर्शन किया है जिसमें ओलंपियाड (ओपन और महिला दोनों वर्गों में) जीतना, गुकेश का विश्व चैम्पियनशिप का खिताब जीतना और दिव्या देशमुख का महिला विश्व कप पर कब्जा करना शामिल है। यह घरेलू खिलाड़ियों के लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक शानदार मौका होगा। विदेश की शानदार प्रतिभाएं टूर्नामेंट में होंगी।